हरिभूमि

रायपुर भूमि

मामला भाठागांव स्थित शासकीय प्राथमिक शाला का, कैंपस में संचालित है महाविद्यालय भी

रसूख का ऐसा इस्तेमाल... शोर के मध्य विद्यार्थियों ने हल किए पर्चे

सैंया भए कोतवाल तो डर काहे का? रातभर चली पार्टी, सुबह अव्यवस्था के बीच छात्रों ने हल किए पर्चे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

शासकीय प्राथमिक शाला भाठागांव में रसूख का ऐसा नजारा देखने को मिला कि विद्यार्थी भी अपना सिर पकड़कर बैठ गए। मामला भाठागांव स्थित शासकीय प्राथमिक शाला का है। यहां बुधवार मध्यरात्रि के बाद तक एक निजी वैवाहिक समारोह का अयोजन चलता रहा। विद्यालय के एक हिस्से में कॉलेज भी संचालित होता है। स्कूली छात्रों की परीक्षाएं हो चुकी हैं, किंतु कॉलेजों में वार्षिक परीक्षाएं ▶▶|शेष पेज 13 पर

हस्तक्षेप नहीं कर सका महाविद्यालय प्रबंधन

पूर्ववर्ती सरकार के शासनकाल में भाठागांव शासकीय महाविद्यालय की घोषणा की गई थी। महाविद्यालय के लिए पृथक भवन नहीं होने के कारण इसे शाला भवन में ही संचालित करने का निर्णय लिया गया। स्कूल के ही एक हिस्से में इस महाविद्यालय का संचालन हो रहा है। अंदरुनी सूत्रों के अनुसार, चूंकि पूर्ण भवन और मैदान आधिकारिक तौर पर स्कूल प्रबंधन का है, इसलिए महाविद्यालय प्रबंधन से ना तो किसी तरह की चर्चा हुई और ना ही किसी तरह की अनुमति ही ली गई। महाविद्यालय पूरे मामले में किसी तरह का हस्तक्षेप ही नहीं कर सका।

मैंने आवेदन प्रेषित किया

जिनकी शादी हुई वो मोहल्ले के निवासी हैं। आवेदन लेकर मेरे कार्यालय आए थे। मैं उस वक्त उपलब्ध नहीं था तो अर्जी अध्यक्ष के समक्ष प्रेषित कर दी गई थी।

- **रवि सोनकर**, पार्षद व संरक्षक शाला विकास समिति

शाला समिति ने दी अनुमति

वैवाहिक कार्य की अनुमति शाला विकास समिति द्वारा दी गई है। इसके लिए वे ही अधिकृत होते हैं।

- **श्री सोनकर**, प्रधान पाठक, भाठागांव शासकीय विद्यालय

प्रभावित नहीं होनी चाहिए परीक्षाएं

शाला प्रबंधन समिति तय करती है कि मैदान उपलब्ध करा सकते हैं या नहीं। सामान्यतः प्रबंधन को मैदान इस्तेमाल की अनुमति नहीं देनी चाहिए। ध्यान रखना चाहिए कि पढ़ाई अथवा परीक्षा कार्य प्रभावित ना हो। जांच के बाद ही चीजें स्पष्ट होंगी।

- **हिमांशु भारतीय**, जिला शिक्षा अधिकारी, रायपुर

खबर संक्षेप

पार्किंग विवाद में फूड इंस्पेक्टर के साथ मारपीट

रायपुर। टिकरापारा थाने में एक फूड इंस्पेक्टर ने अपने बिल्डिंग में रहने वाले एक युवक के खिलाफ पार्किंग विवाद पर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। लालपुर, सिंचाई कालोनी साक्षी टॉवर निवासी राकेश साहू ने साहिब खान के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। राकेश ने पुलिस को बताया कि साहिब ने कार पार्किंग के विवाद को लेकर उसके साथ मारपीट की।

बाइक से शराब तस्करी धरा गया आरोपी

रायपुर। खमतराई पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 56 पौवा अंग्रेजी शराब जब्त की है। शराब तस्करी करने के आरोप में पुलिस ने बिरगांव निवासी दीपेश साहू को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, दीपेश अपनी बाइक की डिक्की में तथा एक थैले में बेचने के लिए शराब लेकर जा रहा था।

शादी का झांसा देकर किया रेप, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। खमतराई पुलिस ने शादी का प्रलोभन देकर रेप करने के आरोप में एक युवक को कबीरधाम जिले से गिरफ्तार किया है। युवती की शिकायत पर पुलिस ने यशवंत लदेर को गिरफ्तार किया है। यशवंत ने सोशल मीडिया के माध्यम से युवती से दोस्ती कर उसे अपने प्रेमजाल में फंसाकर शादी करने का झांसा दिया और तीन साल से रेप कर रहा था। शादी के लिए दबाव बनाने पर यशवंत ने इंकार कर दिया।

मोबाइल कवर बदलने का झांसा, 1.35 लाख ठगे

रायपुर। खमतराई पुलिस ने मोबाइल का फिलिप कवर रिफंड करने के नाम से ऑनलाइन 1.35 लाख रुपए ठगी करने के जालसाज को पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार किया है। ठगी करने के आरोप में पुलिस ने ज्ञानप्रकाश श्रीवास्तव की शिकायत पर पश्चिम बंगाल 24 परगना निवासी शशांक बैद्य को गिरफ्तार किया है। जालसाज ने दो माह पूर्व 2 फरवरी को ज्ञानप्रकाश को मोबाइल कवर बदलवाने का झांसा देकर ऑनलाइन ठगी का शिकार बनाया था।

सड़क निर्माण के समय हटाई गई थी रेलिंग, अब वाहनों को रोकने बैरिकेडिंग की व्यवस्था नहीं

सरस्वती नगर हॉल्ट का प्लेटफॉर्म बना 'शॉर्टकट' हर 2 मिनट में यात्रियों के बीच दौड़ रहीं बाइक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

राजधानी के सरस्वती नगर हॉल्ट स्टेशन का प्लेटफॉर्म नंबर-1 इन दिनों आम लोगों के लिए 'शॉर्टकट' मार्ग बन गया है। जिस प्लेटफॉर्म से रोजाना 100 से अधिक यात्री और मालगाड़ियां गुजरती हैं, वहां अब ट्रेनों से ज्यादा दोपहिया बाइक दौड़ती नजर आ रही हैं। रेलवे सुरक्षा मानकों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं, जिससे किसी भी वक्त बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। स्टेशन परिसर का आलम यह है कि लोग अब अपने परिजनों को स्टेशन के बाहर छोड़ने के बजाय, सीधे बाइक से प्लेटफॉर्म के अंदर तक ले जा रहे हैं, जहां से यात्रियों को ट्रेन पकड़नी होती है। हरिभूमि की टीम ने गुरुवार को जब स्टेशन का जायजा लिया, तो चौंकाने वाली तस्वीर सामने आई।

प्लेटफॉर्म 1 से हर 5 मिनट में औसतन 3 से अधिक बाइकें फर्राटा भरते हुए गुजरती दिखीं। इस भारी लापरवाही का मुख्य कारण स्टेशन के प्रवेश द्वार पर सुरक्षा व्यवस्था का न होना है। जानकारी के अनुसार, पहले स्टेशन जाने वाले मार्ग पर लोहे की मजबूत रेलिंग लगी हुई थी, जिससे वाहन प्लेटफॉर्म के बाहर ही रुक जाते थे। हाल ही में प्लेटफॉर्म तक जाने वाले मार्ग पर नई सड़क का निर्माण किया गया है। निर्माण कार्य के दौरान पुरानी रेलिंग को हटा दिया गया था, लेकिन सड़क का काम पूरा होने के बाद वाहनों को अंदर जाने से रोकने के लिए दोबारा कोई बैरिकेडिंग या व्यवस्था नहीं की गई।

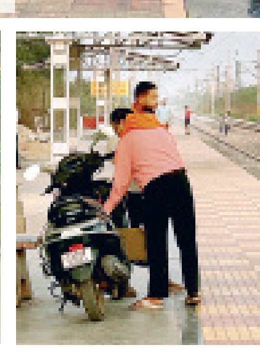

समता-कोटा जाने का शॉर्टकट, पार्सल वाले भी नहीं पीछे

लोग प्लेटफॉर्म नंबर-1 से बाइक लेकर प्रवेश करते हैं और प्लेटफॉर्म पार करने के बाद दिव्यांगों व आम यात्रियों की सुविधा के लिए बनाए गए ढलान (बिना सीढ़ी वाले स्लोप/रैंप) से स्टेशन के बाहर निकल जाते हैं। इस अवैध शॉर्टकट का इस्तेमाल मुख्य रूप से समता कॉलोनी, रामनगर और कोटा जाने वाले लोग कर रहे हैं। इससे उन्हें 3 से 4 किलोमीटर की दूरी कम तय करनी पड़ती है। हद तो यह है कि अब पार्सल डिलीवरी करने वाले भी अपना समय बचाने के लिए सीधे बाइक लेकर प्लेटफॉर्म के अंदर तक आ रहे हैं।

यात्रियों की भीड़ के बीच 30 की रफ्तार से दौड़ रहीं बाइकें

सुबह से लेकर देर रात तक प्लेटफॉर्म पर दोपहिया वाहनों की आवाजाही जारी रहती है। कई बार स्थिति तब और खतरनाक हो जाती है, जब प्लेटफॉर्म पर ट्रेन आने वाली होती है। जल्दबाजी के चक्कर में लोग यात्रियों की भीड़ के बीच से ही बाइक घुसाकर परिजनों को सीधे ट्रेन के दरवाजे तक छोड़ने पहुंच जाते हैं। इस दौरान प्लेटफॉर्म पर लोग 25 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बेखौफ बाइक दौड़ा रहे हैं। इससे पैदल चलने वाले यात्रियों और बच्चों के साथ हर पल किसी गंभीर दुर्घटना का खतरा बना रहता है।

सुरक्षा मानकों की अनदेखी

रेलवे के सुरक्षा नियमों के अनुसार प्लेटफॉर्म पर किसी भी प्रकार के मोटर वाहन का प्रवेश पूरी तरह से वर्जित है। इसके बावजूद प्लेटफॉर्म पर बेखौफ दौड़ती बाइकें न केवल ट्रेन का इंतजार कर रहे यात्रियों के लिए असुविधा का कारण बन रही हैं, बल्कि किसी जानलेवा हादसे को भी खुला न्यौता दे रही हैं। यदि रेलवे प्रशासन ने जल्द ही यहां बैरिकेडिंग कर वाहनों का प्रवेश नहीं रोका, तो इसका खामियाजा यात्रियों को भुगतना पड़ सकता है।

बाइक चोरी का आरोपी निकला साइको, बीटेक की पढ़ाई के बाद दोपहिया पार कर घूमने का था जुनून

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी में दोपहिया वाहन चोरी करने वालों ने पुलिस की नाक में दम कर दिया है। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की टीम के साथ अलग-अलग थानों की पुलिस ने दोपहिया वाहन चोरी करने वालों की पहचान कर गिरफ्तार करने टीम बनाई है। इसी कड़ी में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की टीम ने एक शातिर बाइक चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 13 दोपहिया गाड़ी जब्त की है। पुलिस ने जिस बाइक चोर को गिरफ्तार किया है, उसने बी-टेक की पढ़ाई की है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी शौक के लिए दोपहिया चोरी करता था, वह साइको है। आरोपी का उद्देश्य चोरी की बाइक को बेचकर पैसा कमाना नहीं है। वह घूमने की शौक पूर्ति करने बाइक चोरी करता था।

बाइक चोरी करने के आरोप में पुलिस ने खरोरा निवासी राहुल वर्मा को गिरफ्तार किया है। राहुल ने सिविल लाइन, पंडरी, सरस्वती नगर, कोतवाली, डीडी नगर, देवेंद्र नगर, मौदहापारा एवं पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र से ▶▶|शेष पेज 13 पर

घूमने के लिए चोरी करता था दोपहिया

पुलिस के अनुसार दोपहिया चोरी के आरोप में गिरफ्तार राहुल अपने घूमने के शौक में बाइक चोरी करता था। चोरी की बाइक में वह तब तक घूमता था, जब तक दोपहिया का पेट्रोल खत्म न हो जाए। पेट्रोल खत्म होने पर बाइक को निजी या सरकारी पार्किंग स्थल में पार्क कर फरार हो जाता था। ▶▶|शेष पेज 13 पर

हंसते हुए बताए बाइक चोरी के किस्से

बाइक चोरी के आरोप में पकड़े जाने पर राहुल ने पुलिस के पास किसी तरह की सफाई देने के बजाय अपना अपराध कबूल करते हुए बाइक चोरी के किस्से पुलिस को हंसते हुए बताए कि चोरी की बाइक में उसे घूमने में कितना मजा आता है। राहुल को अपने कृत्य पर अब भी पछतावा नहीं है।

एक दिन में तीन बाइक चोरी का मिला फूटेज

बाइक चोरी करने वाले की पुलिस पतासाजी कर रही थी। इस दौरान तीन अलग-अलग थाना क्षेत्र में एक ही दिन में एक युवक को पुलिस ने अलग-अलग बाइक में घूमते देखा। इसके बाद पुलिस को उस संदिग्ध युवक पर बाइक चोरी करने का शक गहरा गया। पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से सीसीटीवी फूटेज देख कर चोर के बारे में जानकारी जुटाई, तब बाइक चोर के बारे में जानकारी मिली।

सचिव स्तरीय वार्ता विफल, अब पड़ोसी राज्यों में फीस की जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

निजी विद्यालय संघ और प्रदेश शासन के मध्य फीस को लेकर जारी तनातनी खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही है। गुरुवार को आरटीई राशि में वृद्धि के लिए आयोजित सचिव स्तरीय वार्ता विफल हो गई। वहीं दूसरी ओर, प्रदेशभर के 6800 निजी स्कूलों ने स्कूल शिक्षा मंत्री को खत लिखते हुए ▶▶|शेष पेज 13 पर

जानकारी सार्वजनिक नहीं

गुरुवार को निजी स्कूल संघ की सचिव स्तरीय वार्ता विफल हो गई। संगठन के प्रतिनिधियों ने वार्ता के दौरान यह स्पष्ट किया कि मांग पूर्ण किए बगैर आंदोलन वापस नहीं लिया जाएगा। अंदरुनी सूत्रों के अनुसार, पड़ोसी राज्यों में आरटीई शुल्क के रूप में दी जानी राशि की जानकारी मांगी गई है। इसके आधार पर ही आगे ▶▶|शेष पेज 13 पर

पीएससी प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा के मध्य अंतराल को लेकर पहले से ही विवाद

जनगणना करनी है, गर्मी भी है... कृपया बाद में लें पीएससी मेंस!

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

अभ्यर्थी इन दिनों राज्य लोक सेवा आयोग को खत लिख रहे हैं। इसमें उन्होंने मुख्य परीक्षा की तिथि आगे बढ़ाने की मांग करते हुए कहा है कि चयनित अभ्यर्थियों में से कई शासकीय सेवक हैं, जिन्हें जनगणना कार्य में लगा दिया है। इस कारण उन्हें परीक्षा की तैयारी करने का समय नहीं मिल पा रहा है और परीक्षा में ▶▶|शेष पेज 13 पर

नहीं कर सकते रिवीजन

अभ्यर्थी ने यह भी लिखा है कि पूर्व के वर्षों में आयोग द्वारा मुख्य परीक्षा का आयोजन सामान्यतः जून माह के अंतिम सप्ताह में किया जाता रहा है। इस वर्ष प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा के बीच का समय काफी कम ▶▶|शेष पेज 13 पर

सियासत भी

6 नवंबर 2025 को राज्य सेवा परीक्षा के लिए सीजीपीएससी ने विज्ञापन जारी किया था। 20 सेवाओं की 265 पदों पर आवेदन आमंत्रित कराए गए थे। 22 फरवरी 2026 को प्रारंभिक परीक्षा हुई थी। प्रारंभिक परीक्षा के परिणाम 25 मार्च को जारी कर दिए गए। घोषित नतीजों के आधार पर मुख्य परीक्षा के लिए 3921 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। मुख्य परीक्षा के लिए 16 से 19 मई तक की तारीख तय की गई है। प्रारंभिक परीक्षा के परिणाम और मुख्य परीक्षा की तारीख के बीच के कम अंतर ▶▶|शेष पेज 13 पर

एम्स के चिकित्सकों ने सफलतापूर्वक जोड़ा कटा हुआ हाथ

भूसी मशीन में फंसकर कटा हाथ, बर्फ में लपेटकर अस्पताल पहुंचा मरीज, 8 घंटे सर्जरी के बाद जुड़ा

कोहनी के नीचे से कट गया था 70 वर्षीय बुजुर्ग का हाथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

आठ घंटे की जटिल सर्जरी के बाद डॉक्टरों ने एक 70 वर्षीय बुजुर्ग व्यक्ति का कटा हुआ हाथ सफलतापूर्वक जोड़ दिया। मरीज का बायां हाथ धान की भूसी (पैडी हस्क) मशीन के चलते बेल्ट में फंस जाने से कोहनी के नीचे से कट गया था। घटना के लगभग दो घंटे के भीतर मरीज को अस्पताल लाया गया। कटा हुआ हाथ सही तरीके से बर्फ वाले डिब्बे में

सुरक्षित रखा गया था, जिससे सर्जरी सफल होने की संभावना बढ़ गई। प्रारंभिक उपचार के बाद मरीज को तुरंत ऑपरेशन थिएटर में ले जाया गया। चोट गंभीर होने के कारण सर्जरी चुनौतीपूर्ण रही। लगभग 8 घंटे चली इस जटिल सर्जरी का नेतृत्व प्लास्टिक सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ.जितेन मिश्रा ने किया। ऑर्थोपेडिक टीम, जिसका नेतृत्व डॉ.संदीप नेमा ने किया, ने हड्डी को छोटा कर उसे ठीक से जोड़ा। एनेस्थीसिया टीम ने ऑपरेशन के दौरान मरीज की स्थिति को स्थिर बनाए रखा।

प्लास्टिक सर्जरी टीम के अन्य सदस्यों ने मिलकर हाथ में दोबारा रक्त प्रवाह शुरू किया और उसे सुरक्षित रूप से जोड़ने में सफलता पाई। मरीज को बाद में दो और सर्जरी से गुजरना पड़ा और लगातार निगरानी में रखा गया।

हड्डी जुड़ने में लगेंगे 2 माह

एक महीने बाद, मरीज का हाथ ठीक तरह से रक्त प्रवाह के साथ काम कर रहा है और घाव लगभग भर चुका है। हड्डी को पूरी तरह जुड़ने में लगभग 2 महीने और लग सकते हैं, जबकि हाथ की पूरी कार्यक्षमता लौटने में अधिक समय लग सकता है। डॉक्टरों ने बताया कि ऐसी स्थिति में मरीज और कटा हुआ अंग 6 घंटे के भीतर अस्पताल पहुंचना और अंग को बर्फ में सही तरीके से सुरक्षित रखना बेहद जरूरी होता है। एम्स निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल ने पूरी टीम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी आपात स्थितियों में टीमवर्क की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।

खबर संक्षेप

अग्रवाल समाज की बैठक में जनसंपर्क संगठन की मजबूती पर दिया विशेष जोर

अभनपुर। छत्तीसगढ़ी अग्रवाल समाज राजिम-अभनपुर इकाई के तत्वावधान में अभनपुर में आयोजित विशेष बैठक में संगठन की आगामी गतिविधियों को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में विभिन्न प्रस्ताव पारित करते हुए त्रैमासिक कार्ययोजना तैयार की गई। कार्ययोजना के अनुसार, इकाई के अंतर्गत आने वाले सभी नगरों, कस्बों एवं गांवों का प्रवास कर सामाजिक बंधुओं से संपर्क बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। प्रथम चरण में आगामी माह धमतरी एवं कुरुद क्षेत्र का प्रवास करने का प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक में सांस्कृतिक पर्वों एवं अनुकूल अवसरों पर छोटे-छोटे पारिवारिक कार्यक्रम आयोजित करने, साथ ही समाज में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता इकाई के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने की। इस दौरान केंद्रीय उपाध्यक्ष एवं संरक्षक श्याम अग्रवाल सहित संरक्षक शिव अग्रवाल, उमेश अग्रवाल, संजय अग्रवाल, श्रीजय अग्रवाल, उपाध्यक्ष अजीत अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मणिकांत अग्रवाल एवं सह सचिव हेमंत अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

भाजपा महिला मोर्चा की रैली में पंचायतों की राशि का दुरुपयोग

सिलयारी। जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण के जिला अध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे ने भाजपा सरकार और भाजपा महिला मोर्चा पर गंभीर

आरोप लगाते हुए कहा कि आक्रोश रैली" में भीड़ जुटाने के लिए ग्रामीण क्षेत्र की हर पंचायत से पंचायत की मूलभूत विकास राशि का दुरुपयोग किया गया। ग्रामीण पंचायतों की सीमित संसाधनों से गाड़ियां बुक की गईं, पेट्रोल-डीजल का खर्च उठाया गया और ग्रामीणों को जबरन रैली में भेजा गया। यह खर्च सीधे ग्राम पंचायत की फंड से किया गया, जिससे गांवों में सड़क, पानी, बिजली, नाली और अन्य मूलभूत सुविधाओं का काम रुक गया या प्रभावित हुआ। श्री बंजारे ने आगे कहा कि जनपद पंचायत के सीईओ ने दबाव डालकर पंचायत सचिव के माध्यम से गाड़ियां लगवाई गईं और ग्रामीणों को जबरन रैली में ले जाया गया। यह सरासर सरकारी पैसे का राजनीतिक दुरुपयोग है। जहां गांव की जनता को बुनियादी सुविधाएं मिलनी चाहिए, वहां भाजपा अपने राजनीतिक कार्यक्रमों में पंचायतों का पैसा उड़ा रही है। यह भाजपा की दोगली नीति का प्रमाण है। एक ओर वे "विकास" और "सुशासन" की बात करते हैं, दूसरी ओर गांव के विकास के पैसे को अपनी रैली में भीड़ जुटाने के लिए बर्बाद कर रहे हैं। यह न केवल पंचायती राज व्यवस्था का अपमान है, बल्कि ग्रामीणों के हक का सीधा हनन भी है।

अनुज की पहल पर पांच गांवों को नवीन सहकारी समिति की सौगात

सिलयारी। धरसीवाँ विधानसभा क्षेत्र के किसानों के लिए एक बड़ी हर्ष की खबर सामने आई है। विधायक श्री अनुज शर्मा के सतत प्रयासों और मुख्यमंत्री एवं सहकारिता मंत्री से निरंतर पत्राचार के फलस्वरूप क्षेत्र के 5 प्रमुख गाँवों परस्तराई,मांढर, पवनी, पथरी और कुकेरा में नवीन प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (सोसाइटी) की स्थापना को शासन द्वारा स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। लंबे समय से इन गांवों के किसान नई सोसाइटी की मांग कर रहे थे ताकि उन्हें खाद, बीज और धान खरीदी के लिए दूर दराज के केंद्रों पर निर्भर न रहना पड़े। विधायक अनुज शर्मा ने किसानों की इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए शासन स्तर पर प्रभावी पैरवी की, जिसके परिणामस्वरूप अब इन गांवों के किसानों को उनके घर के समीप ही सुविधाएं प्राप्त होंगी। वर्षों पुराना संघर्ष हुआ समाप्त इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए विधायक अनुज शर्मा ने कहा कि आज का दिन हमारे धरसीवाँ विधानसभा के लिए, और विशेष रूप से हमारे किसान भाइयों के लिए बड़े हर्ष और संतोष का दिन है।

लोरिक नगर गढ़ रीवा में चंदैनी लोकनाट्य होत्सव ने किया भरपूर मनोरंजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

छत्तीसगढ़ की माटी की खुशबू और गौरवशाली लोक परंपराओं को सहेजने के उद्देश्य से 'लोरिक नगर' के नाम से विख्यात ग्राम गढ़ रीवा में प्रथम 'लोरिक चंदा (चंदैनी) लोकनाट्य महोत्सव' का ऐतिहासिक आयोजन हुआ। स्वयंसेवी संस्था पीपला वेलफेयर फाउंडेशन और समस्त ग्रामवासियों के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस महोत्सव में लोक संस्कृति की ऐसी छटा बिखरी कि हजारों की संख्या में मौजूद जनसैलाब मंत्रमुग्ध हो उठा। महोत्सव का शुभारंभ अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकार डॉ. के.के. पाटिल द्वारा रचित 'छत्तीसगढ़ महतारी की आरती' के साथ हुआ। भक्ति और संस्कृति के इस संगम ने पूरे आयोजन को गरिमामय बना दिया। कार्यक्रम में कलमकारों ने चंदैनी लोकनाट्य की बारीकियों पर प्रकाश डालते हुए इसे छत्तीसगढ़ की अस्मिता का प्रतीक बताया।

कलमकारों ने चंदैनी लोकनाट्य की महत्ता पर दिया व्याख्यान

चंदैनी लोककला को पुनर्जीवित करना उद्देश्य

आयोजन का मुख्य केंद्र बिंदु आधुनिकता की चकाचौंध में ओझल हो रही 'चंदैनी' लोककला को पुनर्जीवित करना था। वक्ताओं ने कहा कि गढ़ रीवा जैसे ऐतिहासिक स्थल पर इस तरह का आयोजन नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का काम करेगा। महोत्सव की सफलता इस बात में रही कि इसमें किसी एक वर्ग का नहीं, बल्कि सर्वसमाज और जनप्रतिनिधियों का भरपूर सहयोग मिला। महोत्सव के सफल क्रियान्वयन में पीपला फाउंडेशन से महेंद्र कुमार पटेल, कोमल लाखोटी, पोखराज साहू, अशोक साहू, प्रतीक टोंड्रे, ईश्वरी साहू और सीताराम साहू ने सक्रिय भूमिका निभाई। वहीं, ग्राम पंचायत के सरपंच घसियाराम साहू, उपसरपंच सूरज साहू ,समस्त पंचों के साथ हनी डांस ग्रुप के सदस्यों व चंडी मंदिर समिति के सदस्यों का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का सुव्यवस्थित और प्रवाहपूर्ण संचालन संतोष साहू, अशोक साहू और महेंद्र पटेल ने किया। रात भर चले इस आयोजन में हजारों की संख्या में ग्रामीण डटे रहे, जो लोक कला के प्रति उनकी अटूट श्रद्धा को दर्शाता है।

महोत्सव में राजनीति, पत्रकारिता और कला जगत की प्रमुख हस्तियों ने शिरकत की।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में फिल्म अविकास निगम की अध्यक्ष मोना सेन, मंत्री व आरंग विधायक गुरु खुशवंत साहेब के प्रतिनिधि के रूप में निज सचिव जीतेंद्र साहू, निज सहायक यशवंत टंडन एवं जिला पंचायत सदस्य वतन चंद्राकर,जनपद सदस्य कृष्णा महेश साहू उपस्थित रहे। साथ ही, अंतर्राष्ट्रीय साहित्यकार डॉ. कृष्ण कुमार पाटिल, वरिष्ठ पत्रकार व पीपला फाउंडेशन के संरक्षक आनंदराम पत्रकारश्री,पायलेट ओंकार तिवारी, ग्राम समिति अध्यक्ष द्वारिका साहू, जिला ग्रामीण साहू संघ अध्यक्ष देवनाथ साहू,धीवर समाज परगना अध्यक्ष रामानंद धीवर, सरपंच घसियाराम साहू, उपसरपंच सूरज साहू, वरिष्ठ पत्रकार पवन साहू, आकाशवाणी-दूरदर्शन के एंकर शशांक खरे, सामाजिक कार्यकर्ता महेन्द्र कुमार पटेल और सुरेंद्र नशीने ने भी अपनी गरिमामय उपस्थिति दर्ज कराई।

कहीं टंकी-पाइप लाइन के कार्य अधूरे तो कहीं पूर्ण होने के बाद भी सप्लाई शुरू नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

हर घर नल कनेक्शन के माध्यम से जल पहुंचाने का लक्ष्य लेकर जल जीवन मिशन योजना अंतर्गत रायपुर जिले के 477 ग्रामों में लोक स्वास्थ्य यांत्रिक विभाग (पीएचई) के माध्यम से कार्य किए जा रहे हैं। इस लक्ष्य के तहत लगभग तीन सौ ग्रामों में कार्य पूर्ण भी हो गए हैं, जहां पानी टंकी, पाइप लाइन बिछाने से लेकर घरों में नल कनेक्शन तक लग चुके हैं, लेकिन इसके बाद भी इनमें से दर्जनों गांव में पानी की सप्लाई शुरू नहीं हो पाई है। इसकी वजह कहीं बोर सूख चुके हैं, तो कहीं जल स्तर नीचे चला गया है। इसके अलावा लगभग 177 ग्रामों में अभी तक कार्य अधूरे पड़े हुए हैं। इनमें भी कहीं टंकी, कहीं पाइप लाइन एवं कनेक्शन के कार्य नहीं हुए हैं, तो कहीं मोटर पंप लगा नहीं है। हरिभूमि ने गुरुवार को जिले के ऐसे कई ग्रामों में जल जीवन मिशन अंतर्गत किए गए कार्यों की पड़ताल की। इस पड़ताल में खुलासा हुआ है कि जल जीवन मिशन का कार्य सिर्फ मिशन के रूप में चल रहा है, जबकि इस योजना से जल गायब है। यही कारण है कि कई वर्षों पहले योजना का कार्य शुरू होने के बाद भी इस भीषण गर्मी में कई गांववासियों को जल की समस्या से जूझना पड़ रहा है।

जल जीवन मिशन से जल गायब मिशन जारी

केस 1

कविता हेमंत कश्यप जिला पंचायत सदस्य ने बताया कि उसके ग्राम पंचायत में टंकी का निर्माण, पाइप लाइन बिछा दी गई है, लेकिन अभी तक टंकी से पाइप लाइन कनेक्शन जोड़ा नहीं है। उसने बताया कि गांव में पिछले 5 वर्ष से जल जीवन मिशन योजना के तहत कार्य चल रहा है। इस दौरान एक ठेकेदार काम छोड़कर भाग चुका हैं, वहीं दूसरा ठेकेदार को कार्य पूर्ण करने का ठेका दिया है।

केस 2

भीनू सुजीत घिढौड़े सदस्य जिला पंचायत रायपुर ने बताया कि उनके क्षेत्र में ग्राम छतौना मंदिर हसौद में जल जीवन मिशन के तहत कार्य तो किया गया है, लेकिन जल स्तर इतना नीचे चला गया हैं कि टंकी में पानी ही चढ़ नहीं पाता है। इसके कारण गांव में पानी टैंकर मंगाने पड़ते हैं।

केस 3

ग्राम बंजारी नवा रायपुर की सरपंच ने बताया कि उनके गांव में पानी टंकी, पाइप लाइन बिछाने का कार्य पूर्ण हो चुका हैं, लेकिन बोर सूखे डेढ़ से दो साल हो चुके है। उन्होंने बताया कि दूसरी बार नई जगह पर बोर कराया है। इसके लिए पाइन लाइन भी बिछाई गई, लेकिन जिस जगह पर नया बोर एवं पाइप लाइन बिछाई गई उसी जगह पर पीडब्ल्यूडी सड़क का निर्माण कराया जा रहा है, जिसके कारण पाइप लाइन क्षतिग्रस्त हो गई है। इस वजह से पानी टंकी कनेक्शन से लोगों के घरों में अब तक पानी पहुंच नहीं पाया है।

केस 4

सेजबहार में पानी टंकी से लेकर पाइप लाइन बिछा दी गई है, लेकिन पानी का जल स्तर इतना डाउन है कि घरों में नल कनेक्शन के माध्यम पानी पहुंच नहीं पा रहा है। इसके कारण इस गांव में अभी भी पानी की समस्या बनी हुई है।

केस 5

खरोरा तहसील अंतर्गत ग्राम फरहदा के सरपंच संजय साहू ने बताया कि में जल जीवन मिशन अंतर्गत कार्य हुआ है, लेकिन इसके माध्यम से लोगों को पानी बहुत कम मिल पा रहा है। इसके कारण प्राइवेट बोर कराकर पानी की समस्या को दूर किया जा रहा है।

ड्राइवर साथी के विवाह में महासंगठन ने की मदद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग।

छत्तीसगढ़ ड्राइवर महासंगठन के प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सेन ने सामाजिक एकजुटता और आपसी सहयोग की एक अनुकरणीय मिसाल पेश करते हुए आरंग विकास खंड के ग्राम जरौद (उमरिया) निवासी ड्राइवर साथी बोधन राम साहू की सुपुत्री के विवाह के मांगलिक अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित होकर संगठन की ओर से नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद देते हुए 20,000 की आर्थिक सहायता राशि भेंट की और उनके सुखद वैवाहिक जीवन की मंगलकामना की। इस अवसर पर उपस्थित ड्राइवर साथियों को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सेन ने समाज की मजबूती और अधिकारों के प्रति सजग रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि ड्राइवर समाज को अपनी सुरक्षा और हक की रक्षा के लिए एक मंच पर संगठित होना अनिवार्य है। उन्होंने पिछले वर्ष 25 अक्टूबर 2025 को आयोजित 'स्टीयरिंग छोड़' अभियान की सफलता का उल्लेख करते हुए बताया कि उस राज्यव्यापी आंदोलन ने शासन-प्रशासन तक ड्राइवरों की आवाज मजबूती से पहुंचाई है।

सेन ने सरकार से ड्राइवर वेलफेयर बोर्ड के अविलंब गठन और ड्राइवर सुरक्षा कानून को और अधिक सुदृढ़ बनाने की पुरजोर मांग की।

श्री सेन ने भविष्य की रणनीतियों पर चर्चा करते हुए वर्ष 2027 में प्रस्तावित पुनः 'स्टीयरिंग छोड़' आंदोलन के लिए अभी से कमर कसने का आह्वान किया। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से संगठन के विस्तार और जमीनी स्तर पर मजबूती लाने की अपील की, ताकि आगामी चुनौतियों का डटकर मुकाबला किया जा सके। इस अवसर पर जिला महासचिव नरोत्तम निषाद, जिला सह सचिव हुलास साहू, ब्लॉक अध्यक्ष नरेंद्र साहू, हेमलाल साहू, शंकर यादव और ब्लॉक उपाध्यक्ष दुखू साहू समेत संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे, जिन्होंने नवदंपति को उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया।

भानसोज के पोषण पखवाड़े में 11 गांवों की आंबा हुई शमिल

आरंग। 9 से 23 अप्रैल तक चलाए गए पोषण पखवाड़ा का समापन भानसोज सेक्टर में उत्साह और जागरूकता के साथ किया गया। इस अवसर पर सेक्टर प्रभारी ऋतु परिहार की उपस्थिति में कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें सेक्टर अंतर्गत सभी 11 गांवों की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान पोषण, स्वच्छता और बच्चों व माताओं के स्वास्थ्य को लेकर विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने गांव-गांव में जाकर लोगों को संतुलित आहार, कुपोषण से बचाव और स्वच्छ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर सेक्टर प्रभारी ऋतु परिहार ने कहा कि पोषण पखवाड़ा केवल एक अभियान नहीं, बल्कि स्वस्थ समाज की दिशा में एक मजबूत पहल है। कुपोषण को जड़ से समाप्त करने के लिए जन-जागरूकता और सामूहिक प्रयास बेहद जरूरी हैं। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की मेहनत ही इस अभियान की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने आगे कहा कि बच्चों और गर्भवती महिलाओं के पोषण पर विशेष ध्यान देना हम सबकी जिम्मेदारी है। यदि हर परिवार पोषण के प्रति सजग हो जाए, तो एक स्वस्थ और सशक्त समाज का निर्माण संभव है।

'कैंप में सीखे अनुशासन और कला को विद्यार्थी दैनिक जीवन में उतारें'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसींवा

▪ शिवांश इंटरनेशनल स्कूल में सात दिवसीय समर कैंप का भव्य समापन

नगर पंचायत कुँवरगढ़ कुंरा स्थित प्रतिष्ठित शिवांश इंटरनेशनल स्कूल में छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु आयोजित सात दिवसीय समर कैंप का आज अत्यंत हर्षोल्लास के साथ समापन हुआ। आधुनिक शिक्षा और पारंपरिक कलाओं के अनूठे मेल वाले इस शिविर के अंतिम दिन विद्यालय परिसर में उत्सव जैसा माहौल रहा। कार्यक्रम का औपचारिक समापन विद्यालय की प्राचार्या सुश्री हिमांशी शर्मा के प्रेरणादायी उद्बोधन और आभार भाषण के साथ हुआ। उन्होंने अपने संबोधन में बच्चों द्वारा सप्ताह भर में सीखी गई बारीकियों की सराहना की और उनसे आग्रह किया कि वे यहां सीखी गई कला व अनुशासन को केवल कैंप तक सीमित न रखकर अपने दैनिक जीवन में भी उतारें।

शिविर के अंतिम दिन विद्यार्थियों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को उनकी सक्रिय सहभागिता के लिए प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस सात दिवसीय

आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता 'फन विथ साइंस' सत्र रहा, जिसमें विद्यार्थियों ने किताबी ज्ञान से हटकर विज्ञान के चमत्कारों को करीब से देखा। बच्चों ने फ्लेम कलर चेंजिंग, लेजर लाइट एक्सपेरिमेंट और स्मोक एक्सपेरिमेंट के माध्यम से भौतिक विज्ञान के सिद्धांतों को समझा, वहीं डीएनए एक्सट्रैक्शन जैसी जटिल गतिविधि ने नन्हे वैज्ञानिकों में भारी उत्सुकता जगाई।

कहानी वाचन और संवाद कला की दी सीख : स्पोकन इंग्लिश और आर्ट एंड क्राफ्ट के सत्रों ने बच्चों की रचनात्मकता को नई उड़ान दी। जहां एक ओर कहानी वाचन और संवाद अदायगी के गुर सिखाए गए, वहीं दूसरी ओर कैनवास, वॉल पेंटिंग और पारंपरिक मधुबनी कला के माध्यम से बच्चों ने रंगों की जादुई दुनिया को कागज पर उतारा। विशेष रूप से 'स्किल डेवलपमेंट' खंड में मेक इन इंडिया की अवधारणा को मजबूती देते हुए बच्चों को बिजनेस आइडिया, मार्केटिंग स्ट्रैटेजी और प्रोडक्ट डिजाइनिंग जैसे आधुनिक विषयों से रूबरू कराया गया। छोटे बच्चों के लिए आयोजित पूल पार्टी, मूवी डे और अर्थ डे जैसी गतिविधियों ने शिविर को मनोरंजक बनाया। इस सफल आयोजन के लिए प्राचार्या ने विद्यालय के समस्त शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक स्टाफ की कड़ी मेहनत की सराहना करते हुए सभी को बधाई दी।

खरीफ सीजन के लिए बीज निगम ने जारी किया परिपत्र

अनाज, दलहन-तिलहन के प्रमाणित बीजों की विक्रय दर निर्धारित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड द्वारा चालू खरीफ सीजन के लिए अनाज, दलहन एवं तिलहन फसलों के प्रमाणित एवं आधार बीजों के विक्रय दर निर्धारित कर दिए गए हैं। इस संबंध में राज्य स्तरीय बीज विक्रय दर निर्धारण समिति की बैठक में विभिन्न फसलों के बीजों की दरों को अनुमोदित किया गया।

राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम द्वारा जारी परिपत्र के अनुसार धान (मोटा एवं पतला), धान सुगंधित, कोदो-कुटकी, रागी, उड़द, मूंग, कुल्थी, सोयाबीन, मूंगफली, तिल, रामतिल, ज्वार तथा अरहर सहित प्रमुख फसलों के लिए अलग-अलग अवधि एवं किस्मों के आधार पर दरें तय की गई हैं। धान मोटा की दर 3,478 रुपये प्रति क्विंटल तथा धान पतला की दर 3,919 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित की गयी है। वहीं तिल के बीजों की कीमत 20,539 रुपये प्रति क्विंटल तक रखी गई है, जो उच्च श्रेणी में शामिल है। इसी प्रकार सभी किस्मों के सुगंधित धान कृषकों के लिए 4803 रुपए प्रति क्विंटल तथा

सहकारी समितियों के लिए 4611 रुपए निर्धारित की गई है। कोदो-कुटकी की दरें कृषकों के लिए 7245 तथा समितियों के लिए 6995 रुपए, रागी किस्मों के लिए 7229 रुपए तथा समितियों के लिए 6940 रुपए, उड़द 5 वर्ष के अंदर के किस्में किसानों के लिए 14351 तथा समिति के लिए 13777 रुपए, उड़द 10 वर्ष के अंदर के किस्मे किसानों के लिए 1407 तथा समिति के लिए 13777 रुपए, उड़द 10 वर्ष के ऊपर के किस्मे 14351 तथा समिति के लिए 13777 रुपए प्रति क्विंटल की दर तय की गई है।

सोयाबीन किसानों के लिए 9573 तथा समिति के लिए 9190 रुपए, सोयाबिन 10 वर्ष के ऊपर के किस्मे किसानों के लिए 9805 तथा समिति के लिए 13413 रूपए निर्धारित की गई है। मूंगफली 10 वर्ष के अंदर के किस्मे किसानों के लिए 11816 तथा समिति के लिए 11343 रुपए, मूंगफली 10 वर्ष के ऊपर के किस्मे किसानों के लिए 11816 तथा समिति के लिए 11343 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित की गई है। इसी तरह अरहर 10 वर्ष के अंदर के किस्मे किसानों के लिए 11369 तथा समिति के लिए 10914 रुपए, अरहर 10 वर्ष के ऊपर के किस्मे किसानों के लिए 13220 तथा समिति के लिए 12651 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित की गई है। वहीं रामतिल की समस्त किस्में किसानों के लिए 12846 रुपए तथा समितियों के लिए 12332 रुपए तथा ढेंचा के सभी किस्में किसानों के लिए 22057 तथा समितियों के लिए 21175 रुपए प्रति क्विंटल तय की गई है।

आज-दशगात्र

स्व. श्री नाथूराम यदू

अत्यंत दुःख के साथ सूचित कर रहे है कि हमारे पूज्य बड़े भैया- श्री नाथूराम यदू का स्वर्गवास दिनाँक 18.04.2026, शनिवार को हो गया है जिनका दशगात्र दिनाँक 24.04.2026 शुक्रवार को होगा। अतः इस कार्यक्रम में सपरिवार सम्मिलित होकर मृतक की आत्मा को श्रद्धांजलि प्रदानकर शोकाकुल परिवार को संबल प्रदान करें।

कार्यक्रम स्थल- निवास ग्राम-तर्रा (तीनपेड़िया)
तालाब कार्यक्रम दोप. 12:00 बजे होगा।

शोकाकुल परिवार :-
मोहन, काशी, कैलाश, मया, गया, गोपाल, भागवत, कुमार, मोहन, शिव, होरी लाल, तुलसी, जामवंत, निर्मल, राजकुमार, सालिक, दिलीप, लक्ष्मण, एवन, मोनु, कुन्दन, संतोष, बबला, गजेन्द्र, अजय, संदीप, आशीष, लल्ला, विक्की, प्रदीप, सुधीर, आकाश, दीपक, खिलेन्द्र, कमल, गोपाल, शेषनारायण एवं समस्त यादव परिवार

विनीत :
संतोष यादव (भाई),रम्भू यादव (भाई)
छगन यादव (भाई), नागेश यदू (पुत्र)
मो.: 7725032268, मो.: 9131721313

संबंधित प्रतिष्ठान :
सत्यम मेडिकल स्टोर्स, सारागाँव
आर्जव मेडिकल स्टोर्स, खरोरा
यादव कृषि फार्म

नोट : जिन लोगों को शोक-पत्र न मिला हो कृपया इसे स्वीकार करें।

9 लाख किसानों का फार्मर आईडी नहीं, खाद मिलने में होगी दिक्कत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

खाद्य वितरण के लिए फार्मर आईडी की अनिवार्यता से छत्तीसगढ़ के 9 लाख से अधिक किसानों को न सिर्फ यूरिया डीएपी एनपीके और पोटाश जैसी खाद मिलने में दिक्कत होगी, बल्कि विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ और सब्सिडी से भी किसान वंचित होंगे। छत्तीसगढ़ की विभिन्न सहकारी समिति में कुल 40 लाख 89 हजार 908 किसान पंजीकृत हैं। फार्मर आईडी बनाने के लिए एग्री स्टेक परियोजना में अब तक मात्र 31 लाख 68 हजार 555 किसानों का सत्यापन हुआ है, इस प्रकार से लगभग 21 प्रतिशत किसान पंजीयन से वंचित हैं। सरकार छत्तीसगढ़ के इन 9 लाख 21 हजार 353 किसानों को खाद नहीं मिल पाएगी।

खाद वितरण की व्यवस्था को पारदर्शी बनाने शासन ने बड़ा कदम उठाते हुए फार्मर आईडी अनिवार्य कर दी है। जिन किसानों की फॉर्मर आईडी होगी, उन्हें ही समितियों से यूरिया समेत अन्य खाद मिल सकेगी। नई व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य सही किसानों तक सही मात्रा में खाद पहुंचाना है, ताकि अनियमित वितरण और कालाबाजारी को रोका जा सके। यह व्यवस्था 2026-27 के खरीफ सीजन से लागू होगी।

नई व्यवस्था के तहत खाद वितरण होगा डिजिटल सिस्टम से

खाद का वितरण जमीन और फसल के हिसाब से

उल्लेखनीय है कि पिछले खरीफ सीजन के लिए एग्रीस्टेक को अनिवार्य किया गया था, इसी तरह आगामी सीजन के लिए खाद वितरण में फॉर्मर आईडी को अनिवार्य किया गया है। अब यूरिया समेत दूसरी खाद खरीदने के लिए किसानों के पास फार्मर आईडी होना जरूरी है। नई व्यवस्था के तहत खाद वितरण प्रक्रिया को डिजिटल सिस्टम के जरिए पूरा किया जाएगा। इसमें किसान को उसकी जमीन और फसल के आधार पर तय मात्रा में खाद ही दी जाएगी। खाद का वितरण किसान की जमीन और फसल के हिसाब से तय किया जाएगा।

फॉर्मर आईडी बनाने दस्तावेज होंगे जरूरी

किसानों को बैंक ऋण, सब्सिडी और अन्य योजनाओं का लाभ सीधे और पारदर्शी तरीके से मिल सकेगा। फॉर्मर आईडी के लिए पंजीयन कराने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। फॉर्मर आईडी बनाने के लिए आधार कार्ड, जमीन से जुड़े डॉक्यूमेंट, बैंक पासबुक, मोबाइल नंबर जैसे जरूरी दस्तावेज देने होंगे।

रजिस्ट्रेशन नहीं तो खाद और योजनाओं का नहीं मिलेगा लाभ

राज्स सरकार ने इस संबंध में स्पष्ट किया है कि जिन किसानों की फार्मर रजिस्ट्री नहीं होगी, उन्हें न सिर्फ यूरिया और डीएपी मिलने में दिक्कत होगी, बल्कि कई सरकारी योजनाओं का लाभ भी नहीं मिल पाएगा। फॉर्मर आईडी के बिना प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ, बीज, कीटनाशक और कृषि यंत्रों पर सब्सिडी, सहकारी समितियां से खाद वितरण और सरकारी खरीद केंद्रों पर फसल की खरीद का लाभ भी किसान नहीं ले पाएंगे। सभी सुविधाओं के लिए अब फार्मर आईडी जरूरी कर दी गई है।

खबर संक्षेप

राज्यपाल के निर्देश पर विशेष जांच शिविर

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने बलरामपुर जिले के कुसमी विकासखंड अंतर्गत ग्राम धनेशपुर में दिव्यांग बच्चों की अधिक संख्या को गंभीरता से लेते हुए समाज कल्याण विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग को संयुक्त रूप से विशेष जांच शिविर करने के निर्देश दिए हैं। राज्यपाल ने कहा है कि दोनों विभाग आपसी समन्वय से ग्राम धनेशपुर में विशेष शिविर आयोजित करें, जहां दिव्यांग बच्चों की स्वास्थ्य जांच, आवश्यक परीक्षण तथा उनकी स्थिति का आकलन किया जाए। साथ ही दिव्यांगता के संभावित कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत सर्वे एवं चिकित्सकीय अध्ययन भी कराया जाए। निर्देशानुसार समाज कल्याण विभाग और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम गांव पहुंचकर घर-घर सर्वे करेगी तथा पात्र बच्चों और नागरिकों के दिव्यांगता प्रमाण पत्र एवं दिव्यांग कार्ड बनाने की प्रक्रिया भी सुनिश्चित करेगी। शिविर के माध्यम से जरूरतमंद बच्चों को सहायक उपकरणों का वितरण भी किया जाएगा, ताकि उन्हें दैनिक जीवन, शिक्षा और आवागमन में सुविधा मिल सके। राज्यपाल ने अधिकारियों से कहा है कि प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाए तथा बच्चों के बेहतर उपचार, पुनर्वास और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए ठोस कार्ययोजना बनाई जाए।

सत्य परेशान हो सकता है, पराजित नहीं : जकांछ

रायपुर। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी के प्रकरण में गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए निर्णय को ऐतिहासिक बताया है। पार्टीजनों का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट द्वारा अमित जोगी के विरुद्ध दिए निर्णय पर रोक (स्टे) लगा दी है। यह निर्णय न केवल न्यायपालिका में विश्वास को और मजबूत करता है, बल्कि यह भी सिद्ध करता है कि सत्य को अस्थायी रूप से परेशान किया जा सकता है, परंतु उसे पराजित नहीं किया जा सकता। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ ने इस न्यायपूर्ण निर्णय के लिए सुप्रीम कोर्ट का आभार जताया है। पार्टी का मानना है कि यह सत्य और न्याय की विजय है।

रसायन विज्ञान के विद्यार्थियों के लिए कैंपस प्लेसमेंट

रायपुर। शासकीय जे. योगानंदम छत्तीसगढ़ कॉलेज में 23 अप्रैल को रसायन विज्ञान (केमिस्ट्री) के विद्यार्थियों के लिए कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन अलीशान ग्रीन एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा "क्वालिटी इंजीनियर" पद के लिए किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत रसायन विभागाध्यक्ष डॉ. गोवर्धन व्यास के प्रेरणादायक उद्बोधन से हुई। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इंटरव्यू केवल चयन की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह आत्मविश्वास, तैयारी और व्यक्तित्व की वास्तविक परीक्षा है। कंपनी के प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों को कंपनी की कार्यप्रणाली, अवसरों और जॉब प्रोफाइल के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इंटरव्यू पैनल में एजीएम ज्ञानेंद्र मोहन खरे, अनुसंधान एवं विकास विभाग से डॉ. नागेंद्र बाकू तथा प्लांट एचआर मैनेजरतरुण वर्मा उपस्थित रहे।

सांसद बृजमोहन से नागरिकों ने की मुलाकात

रायपुर। रायपुर में लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल से गुरुवार को 1बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिकों ने मुलाकात की। इस दौरान लोगों ने अपनी विभिन्न समस्याएं और मांगें उनके सामने रखीं। सांसद ने सभी नागरिकों की बातों को ध्यानपूर्वक सुना और संबंधित मामलों के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। अपने निवास पर हुई इस जनसुनवाई में बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि जनता ने उन्हें हमेशा प्यार और विश्वास दिया है, ऐसे में उनके सुख-दुख में साथ खड़े रहना उनका कर्तव्य भी है और सौभाग्य भी।

कहीं टंकी-पाइप लाइन के कार्य अधूरे तो कहीं पूर्ण होने के बाद भी सप्लाई शुरू नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

हर घर नल कनेक्शन के माध्यम से जल पहुंचाने का लक्ष्य लेकर जल जीवन मिशन योजना अंतर्गत रायपुर जिले के 477 ग्रामों में लोक स्वास्थ्य यांत्रिक विभाग (पीएचई) के माध्यम से कार्य किए जा रहे हैं। इस लक्ष्य के तहत लगभग तीन सौ ग्रामों में कार्य पूर्ण भी हो गए हैं, जहां पानी टंकी, पाइप लाइन बिछाने से लेकर घरों में नल कनेक्शन तक लग चुके हैं, लेकिन इसके बाद भी इनमें से दर्जनों गांव में पानी की सप्लाई शुरू नहीं हो पाई है। इसकी वजह कहीं बोर सूख चुके हैं, तो कहीं जल स्तर नीचे चला गया है। इसके अलावा लगभग 177 ग्रामों में अभी तक कार्य अधूरे पड़े हुए हैं। इनमें भी कहीं टंकी, कहीं पाइप लाइन एवं कनेक्शन के कार्य नहीं हुए हैं, तो कहीं मोटर पंप लगा नहीं है। हरिभूमि ने गुरुवार को जिले के ऐसे कई ग्रामों में जल जीवन मिशन अंतर्गत किए गए कार्यों की पड़ताल की। इस पड़ताल में खुलासा हुआ है कि जल जीवन मिशन का कार्य सिर्फ मिशन के रूप में चल रहा है, जबकि इस योजना से जल गायब है। यही कारण है कि कई वर्षों पहले योजना का कार्य शुरू होने के बाद भी इस भीषण गर्मी में कई गांववासियों को जल की समस्या से जूझना पड़ रहा है।

जल जीवन मिशन से जल गायब मिशन जारी

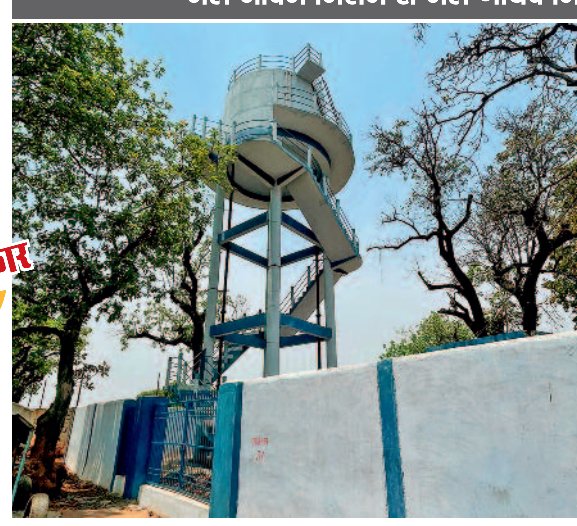

केस 1

कविता हेमंत कश्यप जिला पंचायत सदस्य ने बताया कि उसके ग्राम पंचायत में टंकी का निर्माण, पाइप लाइन बिछा दी गई है, लेकिन अभी तक टंकी से पाइप लाइन कनेक्शन जोड़ा नहीं है। उसने बताया कि गांव में पिछले 5 वर्ष से जल जीवन मिशन योजना के तहत कार्य चल रहा है। इस दौरान एक ठेकेदार काम छोड़कर भाग चुका हैं, वहीं दूसरा ठेकेदार को कार्य पूर्ण करने का ठेका दिया है।

केस 2

भीनू सुजीत घिदौड़े सदस्य जिला पंचायत रायपुर ने बताया कि उनके क्षेत्र में ग्राम छतौना मंदिर हसौद में जल जीवन मिशन के तहत कार्य तो किया गया है, लेकिन जल स्तर इतना नीचे चला गया हैं कि टंकी में पानी ही चढ़ नहीं पाता है। इसके कारण गांव में पानी टैंकर मंगाने पड़ते हैं।

केस 3

ग्राम बंजारी नवा रायपुर की सरपंच ने बताया कि उनके गांव में पानी टंकी, पाइप लाइन बिछाने का कार्य पूर्ण हो चुका हैं, लेकिन बोर सूखे डेढ़ से दो साल हो चुके है। उन्होंने बताया कि दूसरी बार नई जगह पर बोर कराया है। इसके लिए पाइन लाइन भी बिछाई गई, लेकिन जिस जगह पर नया बोर एवं पाइप लाइन बिछाई गई उसी जगह पर पीडब्ल्यूडी सड़क का निर्माण कराया जा रहा है, जिसके कारण पाइप लाइन क्षतिग्रस्त हो गई है। इस वजह से पानी टंकी कनेक्शन से लोगों के घरों में अब तक पानी पहुंच नहीं पाया है।

केस 4

सेजबहार में पानी टंकी से लेकर पाइप लाइन बिछा दी गई है, लेकिन पानी का जल स्तर इतना डाउन है कि घरों में नल कनेक्शन के माध्यम पानी पहुंच नहीं पा रहा है। इसके कारण इस गांव में अभी भी पानी की समस्या बनी हुई है।

केस 5

खरोरा तहसील अंतर्गत ग्राम फरहदा के सरपंच संजय साहू ने बताया कि में जल जीवन मिशन अंतर्गत कार्य हुआ है, लेकिन इसके माध्यम से लोगों को पानी बहुत कम मिल पा रहा है। इसके कारण प्राइवेट बोर कराकर पानी की समस्या को दूर किया जा रहा है।

तीन माह के चावल वितरण में सारंगढ़-बिलाईगढ़ सबसे आगे, रायपुर 11वें नंबर पर

हरिभूमि न्यूजः रायपुर।

चावल उत्सव के तहत तीन माह का एक साथ चावल वितरण में सारंगढ़-बिलाईगढ़ सबसे आगे है। इस जिले में कुल 69.52 प्रतिशत चावल का वितरण हो चुका है। दूसरे नंबर पर बलौदाबाजार 68.36 प्रतिशत तथा तीसरे नंबर पर बिलासपुर है, जहां 67.52 प्रतिशत वितरण हुआ है। रायपुर जिला वितरण में 11वें नंबर पर है। जिले में 60.62 प्रतिशत चावल वितरण हुआ है। सबसे कम सुकमा, बीजापुर, राजनांदगांव, कवर्धा, कांकेर एवं दंतेवाड़ा में हुआ है, जहां वितरण का प्रतिशत 40 प्रतिशत से भी कम है।

चुनौती साबित हो रहा तीन माह का चावल वितरण

शासन ने चावल उत्सव के रूप में जरूर हितग्राहियों को सुविधा देने के लिए तीन माह का चावल एक साथ वितरण करने का आदेश जारी किया है, लेकिन यह आदेश खाद्य, नागरिक एवं आपूर्ति विभाग के चुनौती साबित हो रहा है। तीन माह का चावल का स्टॉक राशन दुकानों में करने के लिए कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ा है, जिसके कारण दुकानदारों से लेकर हितग्राहियों को भी परेशान होना पड़ रहा है। दुकानों में स्टॉक की कमी के कारण कई जिलों में वितरण धीमी गति से हो रहा है, वहीं कुछ जिलों में वितरण का प्रतिशत अच्छा भी है।

तीन माह का चावल वितरण का प्रतिशत जिलेवार

जिला	प्रतिशत
सारंगढ़-बिलाईगढ़	69.52
बलौदाबाजार	68.36
बिलासपुर	67.52
मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर	67.19
जांजगीर	66.40
मुंगेली	65.86
धमतरी	65.81
बालोद	62.56
सक्ती	62.41
नारायणपुर	60.81
रायपुर	60.62
रायगढ़	60.49
दुर्ग	56.95
मोहला-मानपुर-अंबागढ़चौकी	56.50
बलरामपुर	56.41
महासमुंद	55.58
बेमेतरा	55.23
गरियाबंद	55.04
कोरबा	50.36
खैरागढ़-छूईखदान-गंडई	49.26
सूरजपुर	49.19
गौरेला-पेंड्रा-मरवाही	48.56
कोंडागांव	47.11
बस्तर	43.63
सरगुजा	42.47
जशपुर	40.93
दंतेवाड़ा	38.79
कांकेर	38.54
कवर्धा	37.98
राजनांदगांव	35.37
बीजापुर	34.23
सुकमा	30.46

चैंबर ने मुख्य आयकर आयुक्त को सौंपे महत्वपूर्ण सुझाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष सतीश थौरानी के मार्गदर्शन में गुरुवार को चैंबर प्रतिनिधिमंडल, केंद्रीय राजस्व भवन, सिविल लाइंस स्थित मुख्य आयकर आयुक्त कार्यालय में आयोजित बैठक में शामिल हुआ।

इस अवसर पर चैंबर के कार्यकारी अध्यक्ष राधा किशन सुन्दरानी लोकसभा सांसद रूप कुमारी चौधरी के उपस्थिति में के. देवरत्न कुमार मुख्य आयकर आयुक्त एवं ॠतुपर्ण नामदेव अतिरिक्त आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर प्रदेश के व्यापारिक संगठनों की ओर से आयकर प्रक्रियाओं को सरल और पारदर्शी बनाने अहम सुझाव दिए। राधाकिशन सुन्दरानी ने बैठक में इस बात पर जोर दिया कि विभाग और करदाताओं के बीच प्रवर्तन से अधिक सुविधा की नीति अपनाई जानी चाहिए। व्यापारिक संगठनों के बीच नियमित संवाद के लिए एक तंत्र विकसित किया जाए और आरडीटीएसीकी बैठकों को त्रैमासिक आधार पर आयोजित किया जाए। इसी तरह नोटिस की जटिलता को कम करने और छोटे व मध्यम करदाताओं के लिए 'सिम्प्लीफाइड कम्प्लायंस फ्रेमवर्क' लागू करने की मांग की गई। चैंबर के प्रतिनिधि मंडल ने केवल रिस्क-आधारित स्क्रूटनी को ही प्राथमिकता देने का सुझाव दिया।

सरकारी कर्मचारी भी राजनीतिक गतिविधियों में हो सकते हैं शामिल, रोक का आदेश वापस

अपने ही आदेश पर 24 घंटे के भीतर यू-टर्न ले लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ के सरकारी कर्मचारियों को बड़ी राहत मिली है। छत्तीसगढ़ शासन ने सरकारी कर्मचारियों पर राजनीतिक और अन्य संगठनों में शामिल होने की रोक संबंधी आदेश को अब वापस ले लिया है।

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा 21 अप्रैल को जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि सरकारी कर्मचारी किसी भी राजनीतिक दल या संगठन की गतिविधियों में शामिल नहीं हो सकेंगे। साथ ही अधिकारी की बिना अनुमति के किसी भी संस्था, समिति या संगठन में पद धारण करने पर भी रोक लगाई गई थी। आदेश के अनुसार, छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियमों के तहत सभी शासकीय सेवकों को अपने कर्तव्यों का निर्वहन निष्पक्षता, ईमानदारी और निष्ठा के साथ करना अनिवार्य है। इसी के तहत उन्हें किसी भी राजनीतिक दल या संगठन का सक्रिय सदस्य बनने से प्रतिबंधित किया गया है।

सिर्फ 24 घंटे में रद्द हुआ आदेश

छत्तीसगढ़ शासन ने शासकीय कर्मचारियों के राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होने को लेकर जारी अपने ही आदेश पर 24 घंटे के भीतर यू-टर्न ले लिया और आदेश को वापस ले लिया। नए आदेश में स्पष्ट किया गया कि 21 अप्रैल वाला निर्देश आगामी आदेश तक स्थगित रहेगा। उप सचिव अंशिका पांडेय द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि 21 अप्रैल के आदेश के निर्देश फिलहाल प्रभावी नहीं रहेंगे, जिससे अब इन नियमों पर कार्रवाई पर भी अगले आदेश तक रोक लगा दी है।

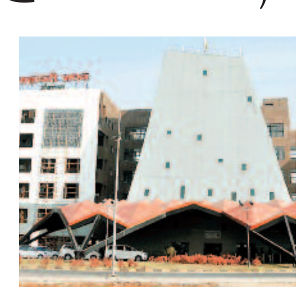

फेडरेशन के विरोध के कारण वापस लेना पड़ा

छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रांतीय संयोजक कमल वर्मा ने बताया, कल इस आदेश का विरोध सचिव सामान्य प्रशासन विभाग एवं उप सचिव अंशिका पांडेय से व्हाट्सएप के माध्यम से किया था। भविष्य में इस आदेश का विरोध हर स्तर पर करने का लेख किया था। फेडरेशन के विरोध के चलते राज्य शासन को उक्त आदेश को वापस लेना पड़ा।

जीएडी के जिम्मेदार अधिकारी हटाए जाएं- नामदेव

राष्ट्रवादी संगठन भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ के प्रांताध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव ने इस पूरे घटनाक्रम पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा, जब सिविल सेवा (आचरण) नियम पहले से स्पष्ट और प्रभावी हैं, तब नया आदेश जारी करने की आवश्यकता ही क्या थी। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि आदेश इतना ही त्रुटिपूर्ण था कि 24 घंटे के भीतर उसे निरस्त करना पड़ा, तो आखिर ऐसा आदेश जारी ही क्यों किया गया? यह पूरा मामला अब कई सवालों के घेरे में है।

आरएसएस के दबाव में आदेश पर रोक लगाई गईः कांग्रेस

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, सरकार का बेहद आश्चर्यचकित करने वाला आदेश आया है, पहले सरकार ने 21 अप्रैल को आदेश निकाला था कि शासकीय कर्मचारियों को किसी भी राजनैतिक दल एवं सामाजिक संगठन में भाग लेने पर प्रतिबंध है। उसके बाद 22 अप्रैल को आदेश आया कि 21 अप्रैल का आदेश था, उसमें आगामी आदेश तक रोक लगायी जाती है। नये आदेश के बाद आज की तारीख में छत्तीसगढ़ में कोई भी कर्मचारी राजनैतिक दल का सदस्य बन सकता है, सामाजिक संगठन का सदस्य बन सकता है। आदेश से पता चलता है कि या तो सरकार अफीम खाकर चल रही या फिर अनाड़ी लोगों के दबाव में चल रही है। प्रदेश कांग्रेस ने कहा, सरकार ने 21 अप्रैल के आदेश को क्यों निकाला था, जबकि यह तो स्थापित नियम है शासकीय कर्मचारी अपनी सर्विस रूल के अनुसार किसी भी राजनीतिक एवं गैर राजनीतिक संगठन के कार्यक्रमों में शामिल नहीं हो सकता।

खरीफ सीजन के लिए बीज निगम ने जारी किया परिपत्र

अनाज, दलहन-तिलहन के प्रमाणित बीजों की विक्रय दर निर्धारित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड द्वारा चालू खरीफ सीजन के लिए अनाज, दलहन एवं तिलहन फसलों के प्रमाणित एवं आधार बीजों के विक्रय दर निर्धारित कर दिए गए हैं। इस संबंध में राज्य स्तरीय बीज विक्रय दर निर्धारण समिति की बैठक में विभिन्न फसलों के बीजों की दरों को अनुमोदित किया गया।

राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम द्वारा जारी परिपत्र के अनुसार धान (मोटा एवं पतला), धान सुगंधित, कोदो-कुटकी, रागी, उड़द, मूंग, कुल्थी, सोयाबीन, मूंगफली, तिल, रामतिल, ज्वार तथा अरहर सहित प्रमुख फसलों के लिए अलग-अलग अवधि एवं किस्मों के आधार पर दरें तय की गई हैं। धान मोटा की दर 3,478 रुपये प्रति क्विंटल तथा धान पतला की दर 3,919 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित की गयी है। वहीं तिल के बीजों की कीमत 20,539 रुपये प्रति क्विंटल तक रखी गई है, जो उच्च श्रेणी में शामिल है।

इस प्रकार होंगी दरें

इसी प्रकार सभी किस्मों के सुगंधित धान कृषकों के लिए 4803 रुपए प्रति क्विंटल तथा सहकारी समितियों के लिए 4611 रुपए निर्धारित की गई है। कोदो-कुटकी की दरें कृषकों के लिए 7245 तथा समितियों के लिए 6995 रुपए, रागी किस्मों के लिए 7229 रुपए तथा समितियों के लिए 6940 रुपए, उड़द 5 वर्ष के अंदर के किस्में किसानों के लिए 14351 तथा समिति के लिए 13777 रुपए, उड़द 10 वर्ष के अंदर के किस्मे किसानों के लिए 1407 तथा समिति के लिए 13777 रुपए, उड़द 10 वर्ष के ऊपर के किस्मे 14351 तथा समिति के लिए 13777 रुपए प्रति क्विंटल की दर तय की गई है।

सोयाबीन किसानों के लिए 9573 तथा समिति के लिए 9190 रुपए, सोयाबिन 10 वर्ष के ऊपर के किस्मे किसानों के लिए 9805 तथा समिति के लिए 13413 रूपए निर्धारित की गई है। मूंगफली 10 वर्ष के अंदर के किस्मे किसानों के लिए 11816 तथा समिति के लिए 11343 रुपए, मूंगफली 10 वर्ष के ऊपर के किस्मे किसानों के लिए 11816 तथा समिति के लिए 11343 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित की गई है। इसी तरह अरहर 10 वर्ष के अंदर के किस्मे किसानों के लिए 11369 तथा समिति के लिए 10914 रुपए, अरहर 10 वर्ष के ऊपर के किस्मे किसानों के लिए 13220 तथा समिति के लिए 12651 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित की गई है। वहीं रामतिल की समस्त किस्में किसानों के लिए 12846 रुपए तथा समितियों के लिए 12332 रुपए तथा ढेंचा के सभी किस्में किसानों के लिए 22057 तथा समितियों के लिए 21175 रुपए प्रति क्विंटल तय की गई है।

निर्धारित दरों पर किसानों को वितरण

बीज निगम के अनुसार सहकारी समितियों को देयक जारी करते समय निर्धारित दरों पर 4 प्रतिशत कमीशन की कटौती की जाएगी। साथ ही आधार बीजों की विक्रय दर, प्रमाणित बीजों की दर से 100 रुपये प्रति क्विंटल अधिक होगी। परिपत्र में यह भी स्पष्ट किया गया है कि भारत सरकार एवं राज्य शासन की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत उत्पादन एवं वितरण अनुदान को समायोजित करते हुए बीजों की अंतिम विक्रय दर तय की गई है। खरीफ के लिए किसानों को बीज वितरण निर्धारित दरों के अनुसार किया जाएगा।

निगम द्वारा उत्पादित बीजों पर अनुदान

इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन तथा अन्य केंद्रीय योजनाओं के तहत बीज वितरण में नियमानुसार अनुदान की राशि जोड़कर अथवा घटाकर दरें लागू की जाएंगी। उत्पादन अनुदान केवल निगम द्वारा उत्पादित बीजों पर ही देय होगा। प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों को देय भुगतान नियमानुसार कमीशन राशि घटाकर किया जाएगा। इस संबंध में सभी संबंधित अधिकारियों एवं संस्थाओं को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

विश्व रेडक्रॉस दिवस पर होंगे राज्य स्तरीय कार्यक्रम

रायपुर। विश्व रेडक्रॉस दिवस 8 मई के अवसर पर छत्तीसगढ़ में राज्य स्तरीय विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में रेडक्रॉस राज्य शाखा रायपुर के चेयरमैन तोमन साहू की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रॉस भवन में बैठक रखी गई, जिसमें विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर सूची जारी की गई। निर्धारित कार्यक्रमों के तहत समूह नृत्य, प्रहसन एवं चित्रकला प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिनमें प्रदेशभर के रेडक्रॉस वालिंटियर्स भाग लेंगे। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। बैठक में रेडक्रॉस गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया गया। इसके अंतर्गत स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हेतु जन-जागरूकता अभियान, प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड) प्रशिक्षण का विस्तार तथा विशेष अवसरों पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन शामिल है। साथ ही रक्तदान शिविरों को वृहद स्तर पर आयोजित कर जरूरतमंदों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है। जूनियर रेडक्रॉस एवं यूथ रेडक्रॉस सोसायटी के माध्यम से विद्यार्थियों को मानवीय सेवा से जोड़ने और उनमें सेवा भाव विकसित करने पर भी बल दिया गया।

खबर संक्षेप

27 को विशेष सामान्य सभा, निंदा प्रस्ताव पास कराएगी भाजपा

रायपुर। भाजपा अपने बहुमत वाले नगर निगम, नगर पालिका परिषद और नगर पंचायतों से भी कांग्रेस के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित कराएगी। संसद में महिला आरक्षण विधेयक पारित न होने के लिए कांग्रेस पार्टी को दोषी ठहरा रही है। इस सिलसिले में नगर निगम सभापति सूर्यकांत राठौर ने 27 अप्रैल को प्रातः 11 बजे महात्मा गांधी सदन के सामान्य सभागार में विशेष सामान्य की बैठक आयोजित की है। बैठक में महिला सशक्तिकरण के लिए अल्पकालिक जन जागरूकता अभियान के आयोजन और समन्वय पर चर्चा कर विचार-विमर्श किया जाएगा।

छग भीम आर्मी पार्टी का सदस्यता अभियान शुरू

रायपुर। छत्तीसगढ़ भीम आर्मी (भारत एकता मिशन) पार्टी द्वारा आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टी को विशाल रूप देने सदस्यता अभियान शुरू किया गया है, जिसकी शुरुआत न्यायधानी बिलासपुर से की गई है। पार्टी के प्रदेश सह प्रभारी मनोज बंजारे ने जानकारी देते हुए बताया कि गुरुवार को बसंत विहार कॉलोनी में पार्टी द्वारा सदस्यता अभियान का आयोजन किया गया, जिसमें लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और पार्टी के विचार से प्रभावित होकर बड़ी संख्या में लगभग 800 लोगों ने सदस्यता ग्रहण की। छत्तीसगढ़ के विकास के लिए पार्टी के स्थानीय नेतृत्व का संपूर्ण नियंत्रण और निर्णय लेने का अधिकार होना चाहिए, जो भीम आर्मी पार्टी में है।

निधन

ठा. मनहरण सिंह बाबूलाल

रायपुर। देवेंद्र नगर निवासी ठा. मनहरण सिंह बाबूलाल का 22 अप्रैल को निधन हो गया।

उनका अंतिम संस्कार 23 अप्रैल को देवेंद्र नगर मुक्तिधाम में किया गया। वे शिवराज सिंह ठाकुर, जग्गू सिंह ठाकुर, राजू सिंह ठाकुर के बड़े भाई और अभय सिंह व जैकी सिंह के पिता थे।

क्षमता अनुरूप नहीं भरी जा रहीं पानी टंकियां, टंकी से टैंकर भरने में पानी की आ रही दिक्कत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नगर निगम का जल विभाग अब शहर के ओवर हेड टंकियों से पानी टैंकर भरने की जगह तालाबों और बंद पड़े जल स्त्रोतों की पड़ताल कर वहां एल शेप वाले हाइडेन रखेगा, जहां पानी टैंकर नीचे रखकर टैंकर भरने की व्यवस्था दी जाएगी। ऐसा करने से शहर की पानी टंकियों से टैंकर भरने के दबाव से राहत मिलेगी। वर्तमान में नगर निगम की पानी टंकियों में क्षमता अनुरूप जल भराव नहीं होने से संबंधित वार्डों के अंतिम छोर तक पानी पहुंचने में दिक्कत हो रही है। इसे देखते हुए महापौर मीनल चौबे ने जल विभाग के अधिकारियों को साफ तौर पर हिदायत दी है कि पानी टैंकर भरने की व्यवस्था को तत्काल विकेंद्रीकृत करें। इसकी शुरुआत जल विभाग ने शहर के 6 पाइंट को चिन्हांकित कर की है।

दरअसल राजधानी में जल संकट से उपजी स्थिति और बढ़ते जन विरोध के बीच महापौर मीनल चौबे ने गांधी सदन के सभागार में जल विभाग और जल बोर्ड के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में महापौर ने अधिकारियों से कहा कि शहर की सभी पानी टंकियों को उनकी क्षमता के अनुसार पूरी तरह भरा जाए, इसकी नियमित रूप से निगरानी की जाए, ताकि अंतिम छोर तक पीने का शुद्ध पानी नागरिकों को सहजता से मिल सके। महापौर मीनल चौबे ने अधिकारियों को प्रतिदिन फील्ड में उतरकर वार्डों में पानी टंकियों के जल भराव की व्यवस्था पर नजर रखने निर्देशित किया।

महापौर मीनल ने जल विभाग के अधिकारियों को जल स्त्रोतों के पास हाइडेन बनाकर व्यवस्था देने के दिए निर्देश

6 स्थानों पर पानी टैंकर भरने की बना रहे व्यवस्था

जल बोर्ड के सदस्यों ने महापौर मीनल चौबे को शहर के अलग-अलग आधा दर्जन इलाके में ऐसे बोरवेल वाली जगह का सुझाव दिया, जहां बोर से पानी बहता रहता है, इनमें से कुछ जगह ऐसी भी हैं, जहां बोरवेल में पानी पर्याप्त होने के बाद भी उसका उपयोग नहीं किया जा रहा है। इनमें खदान तालाब के पास डगनिया का बोरवेल, जरवाय तालाब के पास स्थित बोरवेल, अमलीडीह तालाब के पास वाला बोर, कचना और दलदल सिवनी में तालाब के पास बोरवेल की खाली जगह और अमलीडीह तालाब के पास स्थित सार्वजनिक बोरवेल वाले स्थान पर हाइडेन रखकर पानी टैंकर भरने की व्यवस्था बनाई जा रही है। मीनल चौबे ने जल विभाग और जल बोर्ड के सदस्यों से सभी जोन के वार्डों में तालाब व जल स्त्रोतों वाले स्थल की पड़ताल कर सूचीबद्ध करने निर्देशित किया है। जल विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्य अभियंता संजय बागड़े, अधीक्षण अभियंता राजेश राठौर, जल विभाग के कार्यपालन अभियंता नरसिंह फरेंद्र, सहायक अभियंता अनुराग पाटकर, नितीश झा, उप अभियंता रमेश पटेल, शुभम तिवारी, योगेंद्र साहू उपस्थित रहे।

अहाता संचालकों की कमाई भी घटी

प्लास्टिक बोतल की सप्लाई नहीं देशी शराब का व्यवसाय प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश में देशी एवं चीप रेंज की शराब प्लास्टिक बोतल में बिक्री होना है। यह नियम एक अप्रैल से लागू हो गया है, लेकिन जब से यह नियम लागू हुआ है, तब से शराब दुकानों में देशी (पौवा) और चीप रेंज की शराब के स्टॉक की कमी आ गई है, जिससे शासन को जहां राजस्व के रूप में हर दिन करोड़ों रुपए का नुकसान हो रहा है। वहीं गरीब तबके के लोगों को शराब दुकानों में देशी शराब भी नहीं मिल पा रही। इसके कारण लोग देशी शराब की जगह मजबूरी में महंगी अंग्रेजी शराब लेने के लिए मजबूर हो रहे हैं। इधर स्टॉक की कमी के कारण कई देशी दुकानें एक-दो घंटे खुली रखने के बाद बंद की जा रही हैं। हालांकि विभागीय अधिकारियों का कहना है कि आगामी सप्ताहभर में व्यवस्था सुधर जाएगी तथा दुकानों में खपत के अनुसार पर्याप्त मात्रा में स्टॉक पहुंचने लगेगा।

अहातों पर पड़ा असर कमाई आधी हुई

शराब दुकानों में देशी शराब की सप्लाई कम होने का असर अहातों पर भी पड़ रहा है। अहाता में ज्यादातर गरीब एवं मजदूर वर्ग के लोग ही शराब पीने पहुंचते हैं, जो देशी प्लेन, मसाला शराब खरीदते हैं। कई लोग चीप रेंज में गोवा सहित अन्य अंग्रेजी शराब भी खरीदते हैं। दुकानों में इस रेंज की शराब नहीं मिलने के कारण अहातों में लगने वाली भीड़ भी आधी हो गई है, जिससे उनकी कमाई भी आधी हो गई है।

नया सेटअप पूरा तैयार नहीं

विभागीय सूत्रों से पता चला है कि कंपनियों को कांच की जगह प्लास्टिक बोतल शराब भेजने का आदेश जारी किया है। इस आदेश के बाद कंपनियां नया सेटअप लगा रही हैं। अभी तक कोई भी कंपनी पूरा सेटअप लगा नहीं पाई है। यही कारण है कि प्लास्टिक बोतल शराब की सप्लाई भी बहुत कम है।

खपत के अनुसार सप्लाई

खपत के अनुसार स्टॉक आ नहीं रहा है, इसलिए कंपनियों को 31 मई तक प्लास्टिक के साथ कांच बोतल शराब की सप्लाई करने की छूट दी गई है। आगामी कुछ दिनों में खपत के अनुसार सप्लाई शुरू हो जाएगी। मई के बाद खपत के अनुसार प्लास्टिक बोतल शराब की सप्लाई होगी, जिससे दुकानों में पर्याप्त मात्रा में स्टॉक उपलब्ध रहेगा।

*- **राजेश शर्मा,** जिला अधिकारी, आबकारी विभाग*

नया सेटअप के कारण कंपनियां नहीं कर पा रहीं आपूर्ति

प्रदेश में देशी प्लेन एवं मसाला शराब के निर्माण एवं बोतल भराई कर आपूर्ति के लिए चार कंपनियों से विभाग ने अनुबंध किया है। इसमें मेसर्स रायपुर बॉटलिंग कंपनी बहनाकाडी, मेसर्स क्राउन डिस्टलरीज प्राइवेट लिमिटेड सिलतरा, मेसर्स सर्वेश्वरी बॉटलिंग एंड ब्रेवरेज एवं मेसर्स कान्टीनेंटल डिस्टलरीज कंपनी शामिल है। इन चारों कंपनियों के साथ चीप रेंज की शराब की आपूर्ति के लिए जिन कंपनियों से अनुबंध किया गया है, इन सभी को 31 मार्च तक प्लास्टिक बोतल में मांग के अनुसार शराब की आपूर्ति करने कहा गया था, लेकिन इनमें देशी शराब से जुड़ी कंपनियां अभी तक प्रतिदिन मांग एवं खपत के अनुसार प्लास्टिक बोतल शराब (पौवा) में लगभग 20 से 25 प्रतिशत स्टॉक ही उपलब्ध करा पा रही हैं। इसके कारण शराब दुकानों में भी 70 से 75 प्रतिशत लोगों को देशी शराब मिल नहीं पा रही है। मजबूरी में उन्हें चीप रेंज की अंग्रेजी शराब लेनी पड़ रही है।

कांच बोतल शराब बेचने 31 मई तक छूट

शराब दुकानों में प्लास्टिक बोतल देशी शराब (पौवा) के स्टॉक की कमी को देखते हुए शासन स्तर पर कंपनियों को 31 मई तक पुराना स्टॉक कांच बोतल (पौवा) की सप्लाई की छूट दी गई है। इस तरह आगामी महीने में भी शराब दुकानों में प्लास्टिक और कांच बोतल में (पौवा) शराब मिलेगी। हालांकि कांच बोतल (पौवा) की आपूर्ति में भी अभी 3 से 4 दिन का समय लग सकता है, क्योंकि छूट मिलने के बाद कंपनियों ने तैयार रखे कांच (पौवा) बोतल में शराब भराई का कार्य शुरू कर दिया है, जो चालू सप्ताह के भीतर दुकानों तक पहुंच जाएगी।

मॉल में पार्किंग वसूली को उपभोक्ता आयोग ने बताया अवैध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मां को अंबुजा सिटी मॉल छोड़ने गए अधिवक्ता ने पार्किंग शुल्क के नाम पर जबरिया वसूली से आहत होकर जिला उपभोक्ता फोरम में परिवाद दायर किया। अधिवक्ता के परिवाद पर जिला उपभोक्ता फोरम ने फैसला सुनाते हुए मॉल में पार्किंग शुल्क वसूले जाने को गलत बताते हुए अवैध घोषित किया। अधिवक्ता ने आयोग के माध्यम से मॉल प्रबंधन से 50 हजार रुपए क्षतिपूर्ति राशि दिलाने मांग करते हुए स्वयं पैरवी की थी।

- जिला उपभोक्ता फोरम में आहत अधिवक्ता ने दायर की थी अर्जी

हाईकोर्ट के वकील अंजिनेश अंजय शुक्ला के परिवाद पर जिला उपभोक्ता फोरम ने अपना फैसला सुनाया है। फोरम ने पार्किंग शुल्क वसूली को अवैध घोषित करते हुए निशुल्क पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने का आदेश पारित किया है। हाईकोर्ट के वकील ने परिवाद दायर करते हुए जिला उपभोक्ता फोरम को जानकारी देते हुए बताया था कि 15 जून 2025 को वे अपनी कार में मां को अंबुजा मॉल छोड़ने के लिए गए थे। वहां उनसे 30 रुपए पार्किंग शुल्क लिया गया। इसका परिवादी ने विरोध किया कि उसे पार्किंग स्थल का उपयोग नहीं करना है, केवल अपनी मां को छोड़कर निकल जाना है, परन्तु मॉल प्रबंधन ने जानकारी दी कि अंबुजा मॉल में फ्री पिकअप ड्राप जैसी कोई सुविधा नहीं है।

गुजरात हाईकोर्ट के साथ कई उपभोक्ता आयोग के फैसला का हवाला

मॉल के खिलाफ पार्किंग शुल्क को अवैध घोषित कराने वकील ने गुजरात हाईकोर्ट तथा विभिन्न उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के प्रासंगिक निर्णयों का उल्लेख करते हुए न्यायालय के समक्ष तर्क प्रस्तुत किया। न्यायालय ने प्रस्तुत तर्कों और विधिक दृष्टांतों का संज्ञान लेते हुए उन्हें विधिसम्मत माना और मॉल को गाड़ियों से पार्किंग शुल्क वसूली को अवैध घोषित करते हुए निशुल्क पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने निर्देशित किया है। यह निर्णय आम जनमानस को राहत देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण न्यायिक हस्तक्षेप है।

पेज 11 के शेष

सैंया भए कोतवाल ...

चल रही हैं। बुधवार देर रात तक पार्टी चलने के बाद गुरुवार सुबह छात्र परीक्षा दिलाने पहुंचे। यहां का नजारा देखकर वे भी चौंक गए। मुख्य प्रवेश द्वार से लेकर भीतर तक समारोह के बाद बिखरा हुआ कचरा पड़ा रहा। इसके अतिरिक्त पंडाल और स्टेज हटाने के लिए पहुंचे श्रमिकों का कार्य भी परीक्षा के दौरान जारी रहा। इससे शोर के बीच ही छात्रों को पर्चे हल करने पड़े। भाठागांव के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड के पार्षद रवि सोनकर उक्त विद्यालय के शाला विकास समिति के संरक्षक हैं। विद्यालय में एक सोनकर परिवार का विवाह समारोह आयोजित था। पार्षद के अनुसार, वे उनके परिचित नहीं हैं, केवल मोहल्ले के रहवासी हैं।

बाइक चोरी का आरोपी ...

11 बाइक चोरी की थी। इसके अलावा दो अन्य बाइक किसी अन्य स्थान से चोरी की थी। वर्ष 2023 में राहुल 40 बाइक चोरी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी की सभी दोपहिया जब्त कर ली हैं।

घूमने के लिए चोरी ...

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी चोरी की बाइक बेचता नहीं था। वह बाइक चोरी करने का साइको था। अलग-अलग मॉडल के दोपहिया में घूमने की सनक में वह बाइक चोर बन गया। राहुल से पुलिस अन्य बाइक चोरी के संबंध में पूछताछ कर रही है।

सचिव स्तरीय वार्ता...

उन्हें आ रही आर्थिक दिक्कतों के बारे बताया। अपनी व्यथा बताते हुए उन्होंने खत में लिखा कि किस तरह से कम पैसों के कारण उन्हें शिक्षकों को वेतन प्रदान करने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। गौरतलब है, प्रदेश के समस्त स्कूल एक मार्च से असहयोग आंदोलन कर रहें हैं। एसोसिएशन ने स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा लॉटरी के माध्यम से आबंटित वंचित वर्ग के विद्यार्थियों को शिक्षा के अधिकार कानून तहत प्रवेश प्रदान नहीं करने का निर्णय लिया है। अब प्रदेश के सभी जिलों में जनप्रतिनिधियों से मिलकर स्कूल संचालक अपना पक्ष रखेंगे।

जानकारी सार्वजनिक...

फैसला लिया जाएगा। निजी स्कूल संघ स्कूल शिक्षा विभाग से इस वर्ष शासकीय स्कूलों में होने वाली प्रति विद्यार्थी राशि खर्च को सार्वजनिक करने की मांग लगातार कर रहा है, ताकि निजी स्कूलों को मिलने वाली प्रतिपूर्ति राशि का निर्धारण हो सके। यह राशि अब तक सार्वजनिक नहीं की जा सकी है। आरटीई अधिनियम लागू होने के बाद अब तक फीस में एक बार भी वृद्धि नहीं की जा सकी है।

जनगणना करनी है, ...

शामिल होना भी उनके लिए कठिन है। खत में अभ्यर्थी ने लिखा है कि मैं वर्तमान में शासकीय सेवा में कार्यरत हूं और आगामी जनगणना 2027 के कार्यों के लिए प्रगणक/पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 1 मई से 31 मई तक प्रदेश में जनगणना का अनिवार्य कार्यक्रम संपन्न किया जाना है। इसके साथ-साथ मुख्य परीक्षा जैसी कठिन परीक्षा की तैयारी करना और उसमें उपस्थित होना चुनौतीपूर्ण हो गया है। छत्तीसगढ़ वर्तमान में भीषण गर्मी की चपेट में है और प्रदेश के कई हिस्सों में तापमान 45डिग्री के ऊपर पहुंच चुका है। ऐसी गरम और तपती परिस्थितियों में परीक्षा केंद्र तक पहुंचना और एकाग्रता के साथ परीक्षा देना छात्रों की दृष्टि से जोखिम भरा है। लू के प्रकोप के कारण शारीरिक स्वास्थ्य बिगड़ने का निरंतर भय बना रहता है। चूंकि मुख्य परीक्षा केवल संभागीय मुख्यालयों में आयोजित की जाती है, बहुत से परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए लंबी दूरी तय करनी होगी। भीषण गर्मी के दौरान सार्वजनिक बसें, ट्रेनों या दुपहिया वाहनों से यात्रा करना कष्टकारक और स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डाल सकता है। जिससे परीक्षा के दौरान एकाग्रता प्रभावित होने की पूरी संभावना है।

नहीं कर सकते...

कर दिया गया है। पाठ्यक्रम की व्यापकता को देखते हुए, एक अभ्यर्थी के लिए कम समय में सटीक रिवीजन और तैयारी के लिए अतिरिक्त समय की नितांत आवश्यकता है। अतः आपसे सादर निवेदन है कि, उपरोक्त कारणों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए मुख्य परीक्षा की तिथि को कुछ समय के लिए आगे बढ़ाने की कृपा करें। इससे उन सभी अभ्यर्थियों को न्याय मिलेगा जो शासकीय कार्यों और प्रतिकूल मौसम के बीच संतुलन बनाने का प्रयास कर रहे हैं। आशा है कि आप एक सकारात्मक निर्णय लेकर हमें अनुगृहीत करेंगे।

सियासत भी...

को लेकर अभ्यर्थियों के मध्य असंतोष के साथ सियासत भी जारी है। विपक्षी पार्टी कम से कम 100 दिनों के अंतराल की मांग कर रही है।

सुबह नल खुलने के समय बत्ती गुल के आसार निगम आयुक्त ने सभी जोन से मंगाए प्रस्ताव

किस इलाके में क्या टाइमिंग, जल्द होगा तय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

शहर में पानी के लिए अब फिर बिजली गुल हो सकती है। जल संकट प्रभावित वार्डों में जन प्रतिनिधियों से समन्वय कर निगम प्रशासन सुबह नल खुलने के समय आधे घंटे से लेकर एक घंटे तक की बिजली गुल करने की सिफारिश बिजली विभाग को कर सकता है। इसके लिए जल संकट प्रभावित इलाकों के नाम और बिजली गुल होने की टाइमिंग की सूची निगम आयुक्त ने दस जोन से मंगाई है। सूची प्राप्त होते ही निगम प्रशासन छत्तीसगढ़ विद्युत वितरण कंपनी को सौंप सकता है। निगम आयुक्त विश्वदीप और महापौर मीनल चौबे ने कहा है कि पार्षदों की सहमति व जन प्रतिनिधियों से समन्वय बनाकर जल्द इस पर निर्णय लिया जाएगा।

- जल संकट से निपटने निगम प्रशासन का पुराना फार्मूला
- रिहाइशी इलाकों में टूल्लू पंप की भरमार, अंतिम छोर तक नहीं पहुंच रहा पानी
- जन प्रतिनिधियों से समन्वय बनाकर करेंगे काम

दरअसल, गर्मी के सीजन में पानी को लेकर मची किल्लत रहवासी इलाकों में नलों से पर्याप्त प्रेशर के साथ अंतिम छोर तक पानी नहीं पहुंचने से लोग परेशान हैं। यही नहीं, शहर के कई इलाकों में टूल्लू पंप लगाकर पानी खींचने की शिकायत आ रही है। सूत्रों के मुताबिक नगर निगम जोन 3, जोन 5 और जोन 9 के वार्डों में पेयजल आपूर्ति की स्थिति ज्यादा चिंतनीय है। हालांकि निगम प्रशासन जल संकट प्रभावित इलाकों में मांग के आधार पर किराए के पानी टैंकर भेजकर पानी की आपूर्ति व्यवस्था बना रहा है। इसके बाद भी जल संकट की समस्या कम होने का नाम नहीं ले रही। इस स्थिति को देखते हुए पिछले साल की तरह इस बार भी सभी जोन से जल संकट को लेकर नल खुलने के समय में बिजली गुल करने को लेकर प्रस्ताव मंगाया है। आयुक्त विश्वदीप ने हरिभूमि को बताया कि जन प्रतिनिधियों से समन्वय बनाकर सुबह के समय नल खुलने के समय बिजली गुल की योजना पर काम किया जाएगा। इसके लिए छत्तीसगढ़ विद्युत वितरण कंपनी को फीडर के साथ बिजली बंद करने की सूची सौंपी जाएगी।

पिछले साल 29 वार्डों में नल खुलने के समय बिजली गुल

सूत्रों के मुताबिक गत वर्ष गर्मी के सीजन में मई माह में शहर के 29 वार्डों में पानी सप्लाई के समय बिजली बंद की जाती थी। सुबह के समय 1 घंटे नल खुलने के समय बिजली कटौती से शहरवासी परेशान रहे, अब यही स्थिति दोबारा बन रही है। वर्ष 2025 की गर्मी में जोन 1 के अंतर्गत संत कबीर दास वार्ड, यतियतन लाल वार्ड, बंजारी माता वार्ड, नेताजी कन्हैया लाल बाजारी वार्ड, वीर शिवाजी वार्ड, ठक्कर बापा वार्ड और बाल गंगाधर तिलक वार्ड में बिजली गुल हुई थी। इसी प्रकार जोन 2 में पंडित जवाहर लाल नेहरू वार्ड, जोन 3 में शंकर नगर वार्ड, मदर टेरेसा वार्ड इसी तरह जोन 4 में ब्राम्हणपारा वार्ड, विपिन बिहारी सूर वार्ड और जोन 5 में महंत लक्ष्मीनारायण दास वार्ड, भक्त कर्मा माता वार्ड, वामनराव लाखे वार्ड, डॉ.खूबचंद बघेल वार्ड , जोन 6 में मोरेश्वर राव गद्रे वार्ड, शहीद चंद्रशेखर आजाद वार्ड, शहीद राजीव पांडे वार्ड, ब्रिगेडियर उस्मान वार्ड, महामाया मंदिर वार्ड में बिजली गुल हुई थी। जोन 7 में शहीद मनमोहन सिंह बक्शी वार्ड, सरदार वल्लभ भाई पटेल वार्ड , शहीद चूड़ामणि नायक वार्ड ,जोन 8 में एपीजे अब्दुल कलाम वार्ड, रामकृष्ण परमहंस वार्ड माधवराव सप्रे वार्ड, जोन 9 में कुशाभाउ ठाकरे वार्ड, डॉ. भीमराव आंबेडकर वार्ड और लाल बहादुर शास्त्री वार्ड में नल खुलते के समय एक घंटे बिजली बंद की जाती थी।

न्यायालय अति. तहसीलदार रायपुर जिला रायपुर (छत्तीसगढ़)

// ईश्तहार //

क्रमांक /......... / अ-06 / 2025-26
रायपुर, दिनांक 13/04/2026
ग्राम चिरहुडीह प.ह.नं. 52
तहसील रायपुर जिला रायपुर (छ.ग.)

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदक विजय कुमार पिता श्री रामचंद्र भुरे एवं 02 अन्य निवासी इंडस्ट्रीयल एरिया बुटिबुरी नागपुर महाराष्ट्र द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि ग्राम चिरहुडीह प.ह.नं. 52 रा.नि.मं.रायपुर 03 स्थित भूमि खसरा नंबर 123/7 रकबा 0.040 हे.भूमि सुनिता पति विजय कुमार भुरे के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त भूमि के खातेदार सुनिता पति विजय कुमार भुरे की मृत्यु दिनांक 05.11.2025 को हो चुका है। आवेदिका द्वारा उक्त से मृतक भूमि स्वामी का नाम विलोपित कर मृतक के विधिक वारिसानो का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा / आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई दिनांक **27/04/2026** तक स्वतः अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक **13/04/2026** को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर
अति. तहसीलदार रायपुर

आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण एवं आम जनता को यह सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार के द्वारा विक्रेता कु. सेफाली मजूमदार, पिता श्री शांति रंजन मजूमदार, निवासी माना कैम्प, रायपुर, तहसील व जिला रायपुर छ.ग. वाले के स्वामित्व व आधिपत्य की परिवर्तित भूमि जो कि वाके मौजा- ग्राम- टिकरापारा, प.ह.नं. 00070, रा. नि. मं.- रायपुर 11 टिकरापारा तह. व जिला रायपुर (छ.ग.) है जिसका खसरा नं. 598/9, कुल रकबा 2190 वर्गफूट है, उक्त सम्पत्ति को क्रय करने का पक्का सौदा तय कर दी गई है बयाना राशि का भुगतान किया जा चुका है एवं विक्रय पंजीयन की कार्यवाही किया जाना शेष है।

अतः उपरोक्त सौदे एवं संव्यवहार के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक, निगम, शासकीय व अशासकीय विभाग या अन्य किसी को कोई उजर, दावा या आपत्ति हो अथवा उक्त सम्पत्ति या उसके किसी भी भाग पर किसी प्रकार का स्वत्व, हक, अधिकार या भार हो तो वे इस आम सूचना प्रकाशन के दिनांक से 7 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति लिखित में सुसंगत दस्तावेजो के साथ मेरे समक्ष प्रस्तुत करें एवं आम सूचना का खंडन किसी भी दैनिक समाचार पत्र में स्वीकार नहीं किया जायेगा। यह कि उक्त समयवधि के अवसान पश्चात मेरे पक्षकार के द्वारा उक्त वर्णित सम्पत्ति के विक्रय विलेख का निष्पादन व पंजीयन अपने पक्ष में करा लिया जावेगा तत्पश्चात प्रस्तुत की गई किसी भी प्रकार की उजर, दावा एवं आपत्ति आदि असत्य झूठा एवं सारहीन माना जावेगा तथा ऐसा आपत्ति मेरे पक्षकार के ऊपर मान्य एवं बंधनकारी नही होगा।

सो सूचना जाने।

स्थान - रायपुर छ.ग.
दिनांक 23/04/2026

गीतेश कुमार बैंस (अधिवक्ता)
साहू काम्पलेक्स, टिकरापारा, रायपुर छ.ग.
मो. नं. 98274-62029, 9179667926

पत्र क्रं/29606/ न. पा. नि. /
जोन क्रं 10/2026, दिनांक 21-04-2026

इश्तिहार

नामंतरण प्र.क्र. 29606
वार्ड का नाम 54 - कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 54 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR652N00146 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती GAJJU MARKANDE पिता / पति श्री/श्रीमती ASHOK KUMAR MARKANDE के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती GAJJU MARKANDE पिता / पति श्री/श्रीमती ASHOK KUMAR MARKANDE ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम /अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

"सूचना जारी करे"

श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (10)
नगर पालिक निगम,
रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मण्डल रायपुर-18, कांदुल तहसील व जिला-रायपुर (छ.ग.)

आम सूचना

जारी दिनांक- 23.04.2026

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम **कान्दुल** प.ह.न. - 83, रा.नि.मं- रायपुर - 18 कान्दुल तहसील व जिला - रायपुर छ.ग. में **आवेदक श्री भागवत कौशल पिता श्री राजेन्द्र कौशल निवासी म.न.-15, डी.पी. होम्स अमलीडीह रायपुर छ.ग. द्वारा धारित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर. 237/7 रकबा 0.0161 हे.** भूमि का सीमांकन हेतु आवेदन न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के समक्ष प्रस्तुत किये जाने के उपरांत न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के रा.प्र.क्र. / क/ वाचक/ अति.तह./2026 रायपुर दिनांक 12/03/2026 के परिपालन में आवेदक की भूमि का सीमांकन दिनांक **06/05/2026** को किया जाना नियत है। अतएव उक्त भूमि के सभी बटांकनधारी भूमिस्वामियों तथा आस-पास के भूमिस्वामियों को सूचना दी जाती है कि उक्त तिथि व समय के पूर्व पटवारी कार्यालय में एवं उक्त तिथि व समय को आवेदित स्थल पर उपस्थित होकर उक्त खसरा नंबर के संबंध में जो भी दावा/आपत्ति हो तो प्रस्तुत करें। आपकी अनुपस्थिति में सीमांकन कार्य किया जा सकता है। सीमांकन उपरांत कोई भी दावा/आपत्ति मान्य नहीं होगी। सो सूचना जाने।

राजस्व निरीक्षक, रायपुर-18 कांदुल

न्यायालय अतिरिक्त कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी, बिलासपुर (छ.ग.)

-: विवाह सूचना का प्रकाशन :-

क्रमांक क/ / वाचक/अति-कले/2026,
बिलासपुर, दिनाँक 15.04.2026

आवेदक श्री सर्वजीत सिंग आत्मज स्व नानक सिंग माता श्रीमती जसबीर कौर उम्र 39 वर्ष निवासी म.नं. सी-6 हाउसिंग बोर्ड कालोनी बाल्को नगर कोरबा थाना बाल्को तहसील व जिला कोरबा 495684 (हाल मुकाम - **विगत एक वर्ष से** न्यु सोन डोंगरी कबीर नगर रायपुर थाना कबीरनगर तहसील व जिला रायपुर छ.ग.)

एवं

आवेदिका कुमारी शिखा घोरे आत्मजा स्व. विनोद घोरे माता श्रीमती चन्द्रकला घोरे उम्र 37 वर्ष निवासी शिव मंदिर दयालबंद बिलासपुर थाना सिटी कोतवाली तहसील व जिला बिलासपुर छ.ग.

द्वारा विशेष विवाह अधिनियम-1954 की धारा-5 के तहत सूचना पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः प्राप्त सूचना का प्रकाशन सर्व साधारण के लिए दैनिक समाचार पत्र में किया जाता है। इस विवाह के संबंध में यदि कोई आपत्ति या दावा हो तो अपनी आपत्ति / दावा इस कार्यालय में दिनाँक 25.05.2026 को प्रातः 11:00 बजे प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि पश्चात प्राप्त आपत्ति / दावा पर कोई विचार करना संभव नहीं होगा।

अतिरिक्त कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी, बिलासपुर (छ.ग.)

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

प्रकृति के बीच पर्यटकों को मिलेगा सुकून

पर्यटन विभाग के बढ़े रिसॉर्ट, कोरिया ट्री हाउस की ऑनलाइन बुकिंग शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में पर्यटन को नई दिशा देने और सैलानियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से होटलों एवं रिसॉर्ट की ऑनलाइन बुकिंग सुविधा का लगातार विस्तार किया जा रहा है। इसी कड़ी में, छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड ने कोरिया जिले के सोनहत विकासखंड स्थित घुनघुट्टा में नवनिर्मित 'कोरिया ट्री हाउस' के लिए भी ऑनलाइन बुकिंग की शुरुआत कर दी है।

हरिभूमि सरोकार

अब पर्यटक आसानी से घर बैठे इस खूबसूरत ट्री हाउस में अपना स्टे बुक कर सकते हैं। इसे जिला प्रशासन ने तैयार किया है, जिसे पर्यटन विभाग संचालित करेगा। इस तरह पर्यटन विभाग के रेसोर्ट की संख्या 15 से अब 16 हो गई है। अब पर्यटन क्षेत्रों में रुकने की व्यवस्था प्रदेश में बढ़ रही है। बता दें कि प्राकृतिक वादियों और शांत वातावरण के बीच पूरी तरह से लकड़ी से निर्मित यह ट्री हाउस पर्यटकों को बेहद अनोखा अनुभव प्रदान करेगा। पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ यहां प्री-वेडिंग और वीडियो शूटिंग की भी विशेष सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जो इसे टूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित कर रही है।

मई में खुलेंगे पर्यटन विभाग के लीज में दिए 4 पुराने मोटल, रायपुर समेत बिलासपुर और कवर्धा में मिलेगी सुविधा

माना-तूता में हरियाली के बीच लग्जरी रिसॉर्ट

छत्तीसगढ़ में पर्यटन विभाग द्वारा विभिन्न एजेंसियों को लीज पर दिए गए 15 पुराने मोटल्स अब आधुनिक स्वरूप में फिर शुरू होने जा रहे हैं। मई से राजधानी रायपुर के साथ जांजगीर-चांपा, कवर्धा और बिलासपुर में स्थित इन मोटल्स में पर्यटकों का स्वागत शुरू हो जाएगा। इसके पहले दुर्ग, रायगढ़ और कोरिया में ही मोटल्स शुरू किए गए थे। निजी एजेंसियों के हाथों में जाने के बाद इन मोटल्स की सुविधाओं को आधुनिक सुविधाओं के साथ तैयार किया गया है, जहां अब पर्यटकों को स्विमिंग पूल, बार और रेस्टोरेंट जैसी आधुनिक सुविधाएं एक ही छत के नीचे मिल सकेंगी। इसी कड़ी में रायपुर के माना-तूता क्षेत्र में एक भव्य लग्जरी रेसॉर्ट का शुभारंभ भी मई में होने जा रहा है।

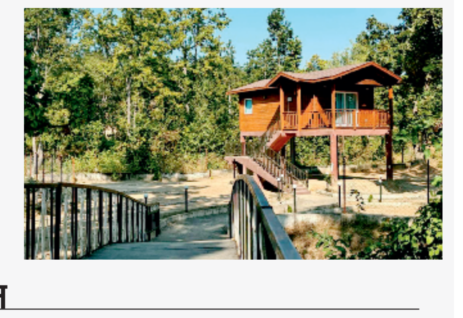

फैसिलिटी नहीं होने से बंद हुए थे मोटल्स

पर्यटन विभाग ने पहले इन रिसोर्ट को तैयार करने पर करोड़ों रुपए खर्च किए, लेकिन पर्यटकों को यहां आवश्यक फैसिलिटी नहीं दी। इस वजह से पर्यटकों ने भी यहां आना-जाना बंद कर दिया। अब विभाग ने ऐसे रेसोर्ट को 30 साल के लिए लीज पर दिया है। यहां पर्यटकों को बार, स्वीमिंग पूल, स्पोर्ट्स व गेम जोन के अलावा मिनी थिएटर की सुविधाएं दी जा रहीं। विभाग ने पहले रेसोर्ट का संचालन शुरू करने डेढ़ साल की मोहलत दी थी। इस वर्ष छत्तीसगढ़ के आधे दर्जन जिलों में मोटल की सुविधा बढ़ जाएगी। एजेंसी फैसिलिटी बढ़ाने में जुटी हुई है।

सीजन के आधार पर किराया निर्धारित

पर्यटन बोर्ड से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पर्यटकों की सुविधा के लिए इस ट्री हाउस का किराया सीजन के आधार पर अलग-अलग निर्धारित किया गया है। नॉन-पीक सीजन के तहत 1 अप्रैल से 30 जून तक सप्ताह के सभी दिन (सोमवार से रविवार) का किराया एक समान रहेगा। इसके अंतर्गत सिंगल आवास के लिए 2100 रुपए, डबल के लिए 2625 रुपए और अतिरिक्त व्यक्ति के साथ 3150 रुपए का शुल्क तय किया गया है।वहीं, पीक सीजन यानी 1 जुलाई से 31 मार्च के दौरान किराए में दिन के अनुसार बदलाव लागू होगा। इस अवधि में सोमवार से गुरुवार तक सिंगल रूम के लिए 2625 रुपए, डबल के लिए 3150 रुपए तथा अतिरिक्त व्यक्ति सहित 3750 रुपए निर्धारित किए गए हैं। इसके अलावा वीकेंड यानी शुक्रवार, शनिवार और रविवार को पर्यटकों की ज्यादा आवाजाही को देखते हुए सिंगल के लिए 2835 रुपए, डबल के लिए 3360 रुपए और अतिरिक्त व्यक्ति के साथ 3885 रुपए का किराया लागू होगा।

खबर संक्षेप

भगवतीचरण शुक्ल वार्ड में विकास कार्यों का भूमिपूजन

रायपुर। रायपुर दक्षिण विधानसभा के पंडित भगवतीचरण शुक्ल वार्ड में दक्षिण विधायक सुनील सोनी, महापौर मीनल चौबे और एमआईसी सदस्य अमर गिदवानी ने 7 विभिन्न स्थानों पर 32 लाख के नए विकास कार्यो का भूमिपूजन किया। इस मौके पर महापौर मीनल चौबे वार्ड वासियों को नए विकास कार्य वार्ड में प्रारंभ होने पर बधाई दी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नए विकास कार्य तय समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा कराना सुनिश्चित करें। भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने जोन 4 के अधिकारियों से कहा कि गर्मी की तपिश को देखते हुए नए सीसी रोड निर्माण के बाद उसमें तराई का कार्य करवाना सुनिश्चित करें, ताकि नई सीसी रोड को किसी तरह की क्षति न पहुंचे। वार्ड पार्षद एवं एमआईसी सदस्य अमर गिदवानी ने 32 लाख की लागत से नाली निर्माण, सीसी रोड , सामुदायिक भवन सहित अन्य कार्य प्रारंभ करने पर वार्डवासियों की ओर से दक्षिण विधायक सुनील सोनी, महापौर मीनल चौबे सहित जोन 4 अध्यक्ष मुरली शर्मा को धन्यवाद दिया।

भवन निर्माता कंपनी के खिलाफ पुलिस आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

रायपुर। भवन निर्माण कंपनी के प्रोपराइटर द्वारा रायपुर के कई लोगों के साथ धोखाधड़ी किए जाने को लेकर पुलिस आयुक्त को ज्ञापन सौंपा गया। इस मौके पर निगम के पूर्व महापौर प्रमोद दुबे ने कहा है कि सोलंकी परिवार कुछ वर्ष पूर्व ही होशंगाबाद से यहां रायपुर आया है, अपनी राजनीतिक पहुंच बताने के चलते मध्यवर्गीय परिवार के करोड़ों रुपए डकारकर लोगों को जवाब नहीं दे रहे हैं। कुछ नेताओं के साथ फोटो खिंचवाकर तथा पैसे देकर अवार्ड मंत्रियों से प्राप्त करना इनकी आदत में शुमार है। ऐसे लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग प्रमोद दुबे ने की है, ताकि शहर के और लोगों को चूना न लगाया जा सके।

प्रोजेक्ट ग्रीन पालना, प्रोजेक्ट अजा सहित अन्य प्रोजेक्ट की सराहना

राज्यपाल ने कहा- अधिकारी जनता के बीच जाकर संवाद करें, हकीकत जानने का यही सही तरीका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राज्यपाल रमेन डेका ने गुरुवार को रायपुर जिले की विकासखंड स्तरीय समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी जनता से मिलें और उनके बीच जाएं तथा हितग्राहियों से मुलाकात करें एवं उनकी समस्याओं की जानकारी लेकर योजनाओं का फीडबैक लें। उन्होंने कहा कि जमीनी हकीकत जानने का सबसे बेहतर तरीका लोगों से लगातार संवाद है। राज्यपाल ने जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे प्रोजेक्ट अजा, प्रोजेक्ट ग्रीन पालना और प्रोजेक्ट रचना की सराहना की। उन्होंने योजनाओं में समुदाय की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया।

उन्होंने अन्य राज्यों के सफल मॉडलों का उल्लेख करते हुए अधिकारियों को व्यवहारिक और प्रभावी उपाय अपनाने की सलाह दी। राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश में धान की खेती अधिक होती है, जो पानी की खपत बढ़ाती है। इसलिए बड़े किसानों को अन्य फसलों की ओर भी प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि रायपुर तेजी से विकसित हो रहा है और आने वाले वर्षों में जल संरक्षण सबसे बड़ी आवश्यकता बन जाएगा। उन्होंने जल जागरूकता, संसाधनों के संरक्षण और उनके सही उपयोग पर विशेष जोर दिया। साथ ही निर्देश दिए कि प्रत्येक ब्लॉक स्तर पर जल स्त्रोतों का पूरा रिकॉर्ड रखा जाए, ताकि उसी आधार पर बेहतर योजना और रणनीति बनाई जा सके। राज्यपाल ने कहा कि हमें ग्राम पंचायत स्तर पर छोटी-छोटी डबरी बनानी चाहिए। इस कार्य में समुदाय की भागीदारी अवश्य सुनिश्चित करें और जनप्रतिनिधियों को भी ऐसे कार्यों के लिए शामिल करें। सभी शासकीय कार्यालयों में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग करें और अन्य लोगों को भी प्रोत्साहित करें। उन्होंने जल जागरूकता, संसाधनों के संरक्षण और उनके सही उपयोग पर विशेष जोर दिया। कलेक्टर ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में पिछले एक वर्ष से मिशन मोड के तहत कुओं के निर्माण का कार्य तेजी से किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृत घरों में अब रेन वाटर हार्वेस्टिंग को शामिल किया जा रहा है।

डबरी निर्माण की सराहना की

बैठक के दौरान कलेक्टर गौरव सिंह ने राज्यपाल को जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे नवाचारों की जानकारी दी। राज्यपाल ने जिले के विभिन्न विकासखंडों में हो रहे डबरी निर्माण की भी सराहना करते हुए कहा कि हमें बड़े किसानों को इसके लिए प्रोत्साहित करना चाहिए इससे रायपुर के जलस्तर में सुधार आएगा और भविष्य में होने वाले संभावित पेयजल की समस्या का सामना करने में सहयोग मिलेगा।

वृक्षारोपण से प्रदूषण की रोकथाम में भी मदद मिलेगी

राज्यपाल ने कहा कि वृक्षारोपण को अधिक से अधिक बढ़ावा दें। एम्स, डॉ. भीमराव अंबेडकर हॉस्पिटल एवं स्कूलों में वृक्षारोपण करें। सड़कों के किनारे भी वृक्षारोपण किया जा सकता है इससे प्रदूषण की रोकथाम में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि विकास की निशानी अधिक से अधिक पेड़ लगाना और हरियाली है। प्रोजेक्ट हर घर मुनगा की समीक्षा करते हुए राज्यपाल ने कहा कि जैविक और प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने कहा कि जैविक खेती को बढ़ावा दें, नेचुरल फार्मिंग में वैल्यू एडिशन जरूरी है। हमें विशेष रूप से हाइड्रोपोनिक्स को बढ़ावा देना चाहिए। आने वाला समय में इसकी अच्छी संभावना है। उन्होंने नर्सरी हाइड्रोपोनिक्स विकसित करने का सुझाव दिया।

भारी गाड़ियों को नियंत्रित करने की आवश्यकता

यातायात व्यवस्था पर राज्यपाल ने कहा कि जिले में भारी वाहनों को नियंत्रित करने की आवश्यकता है। रैश ड्राइविंग और हेलमेट के मामले में पहले जागरूकता बढ़ाने और फिर आवश्यक होने पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने नशे की बढ़ती समस्या पर चिंता जताते हुए कहा कि अभी से सख्ती और जागरूकता के जरिए इसे रोकना जरूरी है। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त विश्वदीप, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन, डीएफओ लोकनाथ पटेल, रायपुर ग्रामीण एसपी मनीषा ठाकुर, राज्यपाल की उपसचिव निधि साहू सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे

पेड़ लगाना हम सभी की जिम्मेदारी

ग्रीन पालना परियोजना की चर्चा के दौरान राज्यपाल ने जानकारी ली कि नवप्रसूता महिलाओं को दिए गए पौधों की निगरानी कैसे होती है कि वे जीवित हैं या नहीं। इस पर कलेक्टर ने बताया कि एआई आधारित प्रणाली के तहत मितानिन घर-घर जाकर पौधों की फोटो लेकर उनका फॉलोअप करती हैं। राज्यपाल ने कहा कि पेड़ लगाना हम सभी की जिम्मेदारी है और हर व्यक्ति को कम से कम एक पौधा जरूर लगाना चाहिए। राज्यपाल ने योग के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से आम जनता से कहा कि योग की कक्षाओं तक ही सीमित न रहें बल्कि योग सीखने के बाद नियमित रूप से घर में भी इसका अभ्यास करें।

टेक्निकल टावर निर्माण की धीमी रफ्तार से महापौर नाराज काम में तेजी लाने दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

■ तेलीबांधा में कृष्णकुंज के पास 40 करोड़ की लागत से निर्माण

महापौर मीनल चौबे ने गुरुवार को तेलीबांधा में मुख्यमंत्री नगर उत्थान योजना के अंतर्गत बन रहे टेक्निकल टावर स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान साइट पर कार्य की धीमी गति को लेकर नाराज हुईं। उन्होंने मानसून की पहली बारिश से पहले नींव का कार्य प्रमुखता से करवाने निगम अधीक्षण अभियंता इमरान खान सहित उप अभियंता अर्जिता दीवान को दिए। 2 माह पूर्व कार्य के लिए टेंडर के बाद अनुबंधित एजेंसी को वर्कआर्डर जारी किया गया है। दरअसल, तेलीबांधा में कृष्णकुंज के पास 40 करोड़ की लागत से बहुमंजिला टेक्निकल टावर बनेगा। नगर निगम ने ऑनलाइन टेंडर कर इस कार्य के लिए एजेंसी तय करने के बाद निर्माण कार्य शुरू करवा दिया है। 2 वर्ष की समय अवधि में अनुबंधित एजेंसी सर्व सुविधा युक्त टेक्निकल टावर का निर्माण करेगी। महापौर मीनल चौबे तेलीबांधा में स्वीकृत टेक्निकल टावर निर्माण स्थल पर चल रहे कार्यो का जायजा लेने पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने देखा कि वहां जारी नींव खुदाई का काम धीमी गति से चल रहा है। इस बात को लेकर महापौर मीनल चौबे नाराज हुईं, उन्होंने काम में तेजी लाने के निर्देश स्पॉट पर मौजूद निगम के अधिकारियों को दिए।

लेंसकार्ट के खिलाफ शिवसेना का विरोध प्रदर्शन

रायपुर। शिवसेना कार्यकर्ताओं द्वारा रायपुर स्थित लेंसकार्ट शोरूम में गुरुवार को विरोध-प्रदर्शन छत्तीसगढ़ शिवसेना प्रमुख धनंजय सिंह परिहार के नेतृत्व में किया गया। शिवसेना ने आरोप है कि लेंसकार्ट द्वारा अपने कर्मचारियों को तिलक लगाने एवं कलावा बांधने से रोका जा रहा है, जिससे धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंच रही है। शिवसेना कार्यकर्ताओं ने इसे भारतीय संस्कृति और धार्मिक आस्था का असम्मान बताते हुए कंपनी के रवैए की कड़ी निंदा की। शिवसेना नेताओं ने शोरूम संचालक को चेतावनी देते हुए कहा कि कंपनी अपने इस बयान पर सार्वजनिक रूप से माफी मांगे, अन्यथा भविष्य में उग्र आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान शिवसेना के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे और सभी ने एक स्वर में कंपनी के निर्णय का विरोध किया। किसी भी संस्था को भारतीय परंपराओं और धार्मिक मान्यताओं के खिलाफ निर्णय लेने का अधिकार नहीं है, यदि जल्द ही माफी नहीं मांगी गई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।"

केनाल रोड निर्माण को नहर तक सीमित करने आग्रह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

■ नहर रोड के रहवासियों ने महापौर मीनल को सौंपा ज्ञापन

नहर रोड के रहवासियों ने गुरुवार को गांधी सदन में महापौर मीनल चौबे से मिलकर उन्हें गुरुमुख नगर पचपेड़ी नाका से भाठागांव तक केनाल रोड 2.0 के निर्माण को नहर तक सीमित करने का आग्रह करते हुए ज्ञापन सौंपा। रहवासियों ने कहा कि वे पिछले चार दशक से यहां के निवासी हैं, इस रोड के लिए नगर निगम द्वारा सर्वे किया गया है, इस रोड चौड़ीकरण के लिए सैकड़ों गरीब परिवारों को वहां से हटाया न जाए। अधिकतर महिलाएं आसपास की कालोनियों, अस्पताल में झाड़ू पोंछा कर गुजर बसर कर रही हैं। इसीलिए रोड की सीमा को नहर तक ही सीमित रखा जाए। रहवासियों का ये भी कहना है, यदि रोड से नहर के बीच खंबों को हटा दिया जाए, तो भी पर्याप्त चौड़ी सड़क का निर्माण संभव है। महापौर मीनल चौब से मुलाकात कर रहवासियों ने अपनी परेशानी बताई और उन्हें ज्ञापन सौंपा।

ई-चालान जमा करने अनदेखी तीन दिन में 135 गाड़ियां जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

फाइल फोटो

राजधानी में ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त करने के साथ ही ट्रैफिक नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ ट्रैफिक पुलिस आईटीएमएस कैमरों की मदद से चालानी कार्रवाई कर रही है, वहीं दूसरी और चालान राशि जमा करने की अनदेखी करने वालों की ट्रैफिक पुलिस ने गाड़ियां जब्ती की कार्रवाई शुरू कर दी है। ट्रैफिक पुलिस ने पिछले तीन दिनों में ट्रैफिक चालान की राशि जमा करने में अनदेखी करने वाले 135 वाहन चालकों की गाड़ियां जब्त की है।

ट्रैफिक डीसीपी विकास कुमार के अनुसार ऐसे वाहन चालक जिन लोगों ने कोर्ट के निर्देश पर अब तक ई-चालान जमा नहीं किया है। उनके घर पर ट्रैफिक पुलिस नोटिस लेकर पहुंच रही है। ऐसे लोगों का पेंडिंग ई-चालान का निराकरण करवाया जा रहा है। ई-चालान का भुगतान नहीं करने पर वाहन जप्ती की भी कार्रवाई की जा रही है। ट्रैफिक डीसीपी ने वाहन चालकों से अपील की है कि जिनका दिसंबर 2025 के पूर्व का पेंडिंग ई-चालान है, वे कार्यालयीन समय में ट्रैफिक पुलिस के कार्यालय पहुंचकर वौ मई को होने वाली नेशनल लोक अदालत में चालानी कार्रवाई का निराकरण करने पांच मई तक अपना रजिस्ट्रेशन करवाएं। जिन लोगों का लंबे अरसे से ई-चालान पेंडिंग है और अपने प्रकरण का निराकरण नहीं करा रहे, ऐसे लोगों की गाड़ियों की जब्ती कार्रवाई करने ट्रैफिक डीसीपी ने चेतावनी दी है।

काम करने वाली बाई की नीयत बदली और नोटों से भरा लॉकर लेकर भागी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में तीन दिन पूर्व 21 अप्रैल को लॉकर सहित ढाई लाख रुपए लेकर भागने वाली एक घरेलू नौकरानी को पुलिस ने चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी मूल रूप से महासमुंद की रहने वाली है। नौकरानी जब लॉकर लेकर भागी, उस समय घर पर कोई नहीं था। घर के सारे सदस्य बाहर थे।

देवपुरी, डॉल्फिन ज्वेल में रहने वाले देवाशीष गुरू की शिकायत पर पुलिस ने प्रिया ढीढी को गिरफ्तार किया है। देवाशीष ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि दो माह पूर्व उसने प्रिया को घरेलू काम करने नौकरी पर रखा था। मंगलवार को देवाशीष अपने दोस्त की शादी में शामिल होने बेमेतरा चला गया।

देवाशीष की पत्नी तथा बेटी किसी काम से शंकर नगर चले गए थे। रात आठ बजे देवाशीष की पत्नी घर लौटी तो घर की नौकरानी गायब थी, अलमारी खुली हुई थी। अलमारी में रखा लॉकर गायब था।

पासवर्ड भूलने पर लॉकर नहीं खोल पाई, बस टर्मिनल में पुलिस ने दबोचा

***लॉकर बना जी का जंजाल** : लॉकर चोरी करने के बाद प्रिया इंटर स्टेट बस टर्मिनल पहुंच गई। बस टर्मिनल पहुंचने पर प्रिया ने लॉकर खोलने घंटों मशक्कत की, लेकिन वह लॉकर को नहीं खोल पाई। लॉकर के अंदर रखी रकम के लालच तथा लॉकर लेकर बस में जाने पर पकड़े जाने की भय की वजह से प्रिया बस टर्मिनल के एक कोने में बैठी रही। घटना दिनांक को ही रात साढ़े दस 11 बजे के करीब पुलिस प्रिया की पतासाजी करते बस टर्मिनल पहुंच गई। दूसरे दिन देवाशीष के आने पर लॉकर को खोला गया। लॉकर के अंदर रुपए सुरक्षित मिले।*

बदलते पासवर्ड के अंकों में उलझ गई

साफ सफाई के दौरान प्रिया ने घर के लोगों को लॉकर खोलते देखा था, लेकिन उसे यह नहीं पता था कि घर के लोग जब भी लॉकर खोलते और बंद करते हैं, लॉकर का पॉसवर्ड बदल देते हैं। काम के दौरान एक दिन प्रिया ने लॉकर खोलने अंकों का पासवर्ड देख लिया। इसके बाद उसके मन में लालच आ गया और उसने घर में चोरी करने का प्लान बनाया। घटना दिनांक को घर के सभी सदस्य बाहर थे। इसका फायदा उठाते हुए प्रिया ने घर के अंदर ही लॉकर खोलने की कोशिश की। लॉकर नहीं खुलने पर वह आलमारी में रखा लॉकर ही चोरी कर ले गई।

पुलिस की मिडनाइट कार्रवाई हिस्ट्रीशीटर, चाकूबाजों के घर दबिश दबोचे गए गांजा तस्कर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

बदमाशों के खिलाफ अंकुश लगाने पुलिस कमिश्नरेट के सेंट्रल जोन के थाना क्षेत्रों में पुलिस ने कांबिंग गश्त कर चाकूबाज, हिस्ट्रीशीटर तथा फरार वारंटियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उनकी गिरफ्तारी की। कांबिंग गश्त के दौरान पुलिस ने आधा दर्जन गांजा तस्कर, जिसमें एक युवती शामिल है, गिरफ्तार कर उनके कब्जे से पांच किलो के करीब गांजा जब्त किया है।

कांबिंग गश्त करने 150 पुलिस कर्मियों की 10 टीमें गठित कर पुलिस ने ड्रोन कैमरों का उपयोग करते हुए संवेदनशील क्षेत्रों को चिन्हित कर उन्हें सील किया। इसके बाद सघन कॉर्डन एंड सर्च ऑपरेशन, वारंटियों और फरार आरोपियों के घरों में डोर-टू-डोर हाउस सर्च एवं संदिग्ध ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया।

कांबिंग गश्त में पुलिस ने 11 स्थायी एवं 9 गिरफ्तारी वारंट तामील किए। एनडीपीएस एक्ट के तहत दो प्रकरण दर्ज किए गए, जिनमें एक कार्रवाई देवार डेरा क्षेत्र में तथा दूसरी गोलबाजार थाना क्षेत्र के बंजारी बाबा मस्जिद के पास की गई।

मामला शासकीय विद्यालय का

कैंसर पीड़ित व्याख्याता का आवेदन रोका बाबू निलंबित, प्राचार्य को शो-कॉज नोटिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

आर्थिक तंगी से जूझ रही एक कैंसर पीड़ित महिला व्याख्याता की अर्जी स्कूल में ही रोककर रखना बाबू और प्राचार्य को भारी पड़ गया। मामला शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तुलसी बाराडेरा का है। यहां कार्यरत ग्रेड-3 बाबू बागेश्वर वैष्णव को निलंबित कर दिया गया है, जबकि प्राचार्य को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

■ जिला शिक्षा कार्यालय ने इलाज के लिए प्रदान किए 2 लाख रुपए

इस मामले में पीड़ित महिला व्याख्याता ने अपनी पदस्थ शाला में चिकित्सा प्रतिपूर्ति के लिए आवेदन प्रस्तुत किया था, लेकिन शाला में पदस्थ सहायक ग्रेड-3 (बाबू) ने उच्च कार्यालय में पीड़िता द्वारा दिए गए आवेदन को जमा नहीं किया, जिसकी शिकायत पीड़िता ने कलेक्टर के समक्ष की। इस पर संज्ञान लेते हुए विभाग द्वारा जांच कर उक्त कृत्य को गंभीर अनुशासनहीनता माना गया। छग सिविल सेवा आचरण नियमों का उल्लंघन मानते हुए जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा तत्काल प्रभाव से निलंबित कर विकासखंड शिक्षा अधिकारी धरसींवा अटैच कर दिया गया है। संबंधित प्राचार्य को तय समय में कारण बताओ नोटिस का जवाब देने कहा गया है।

इस मामले में कलेक्टर के निर्देशानुसार पीड़ित महिला व्याख्याता को चिकित्सा भुगतान के लिए चिकित्सा राशि का मांग पत्र संचालनालय लोक शिक्षण संचालनालय में प्रेषित किया गया। इसके बाद महज दो दिनों में ही चिकित्सा प्रतिपूर्ति की राशि लगभग 2 लाख रुपए आबंटित कर दिए गए हैं।

कलेक्टोरेट में लगानी पड़ी गुहार

इस पूरे मामले में पीड़ित महिला व्याख्याता अपनी गुहार लगाने कलेक्टर गौरव सिंह के पास गत दिनों उनके दफ्तर पहुंची। जहां उन्होंनें अपनी आर्थिक तंगी और चिकित्सा के लिए राशि आबंटित करने की मांग की। पूर्व में पीड़ित महिला द्वारा विभागीय तौर पर चिकित्सा प्रतिपूर्ति के लिए जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय को आवेदन लिखा गया था, जो प्रेषित नहीं किया जा सका। कलेक्टर ने जिला शिक्षा कार्यालय को चिकित्सा भुगतान के लिए निर्देशित किया। इसके परिपालन में उक्त कार्रवाई की गई।

लापरवही उचित नहीं

इस तरह के संवेदनशील मामलों में लापरवाही उचित नहीं है। अनुशासनहीनता और लापरवाही बर्दास्त नहीं की जाएगी।
- **हिमांशु भारतीय,** जिला शिक्षा अधिकारी, रायपुर

04
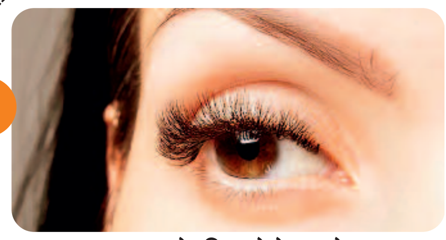
मस्कारा के बिना ऐसे संवारें...

लाइव इवेंट

'स्टॉप डायबिटीज' अभियान, निशुल्क मिलेगी पंचकर्म चिकित्सा की सुविधा

रायपुर। छत्तीसगढ़ योग आयोग के दसवें स्थापना दिवस के अवसर पर रायपुर के शंकर नगर में कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। आयोग के कार्यालय में हुई बैठक में दी गई जानकारी के अनुसार, यह कार्यक्रम प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक चलेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त) रूपनारायण सिन्हा करेंगे, जबकि राष्ट्रसंत जैन आचार्य गुरु डॉ. अरविंद मुनि महाराज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहेंगे। स्थापना दिवस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'स्टॉप डायबिटीज' अभियान की शुरुआत होगी। इस विशेष पहल के तहत योग आयोग और एक निजी अस्पताल के समन्वय से मधुमेह (डायबिटीज) तथा साइटिका के मरीजों को निशुल्क पंचकर्म और विश्वस्तरीय आयुर्वेदिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही समाज में योग को बढ़ावा देने और इस क्षेत्र में अपना बहुमूल्य योगदान देने वाले उत्कृष्ट योग साधकों को भी मंच से सम्मानित किया जाएगा।

प्रतिष्ठित संत और गुरुजन होंगे शामिल

कार्यक्रम के दौरान बस्तर संभाग के छात्रावासों में संचालित योग प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत एक अहम घोषणा की जाएगी। इसके तहत आगामी जुलाई माह में होने वाली योग प्रतियोगिता के कैलेंडर का विमोचन किया जाएगा। साथ ही छत्तीसगढ़ योग आयोग द्वारा अब तक प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र भी वितरित किए जाएंगे। इस गरिमामय आयोजन में प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से प्रतिष्ठित संत और गुरुजन विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

● मौसम के अनुसार डाइट में बदलाव, नए एक्सरसाइज और फिटनेस ट्रेंड को संभलकर फॉलो कर रहे यूथ

गर्मी में फिट रहने जिम वर्कआउट में स्क्वाट जंप, वॉकिंग पुशअप्स, डंबल थ्रस्टर्स और योगा का कॉम्बिनेशन

" गर्मी के मौसम में जिम में स्क्वाट जंप, वॉकिंग पुशअप्स, डंबल थ्रस्टर्स और योग का संयोजन फिटनेस, स्टैमिना बढ़ाने और लचीलापन बनाए रखने के लिए एक उत्कृष्ट वर्कआउट रुटीन है। इस रुटीन को सर्किट स्टाइल में करना सबसे अच्छा है, जिससे कम समय में ज्यादा कैलोरी बर्न हो सके।

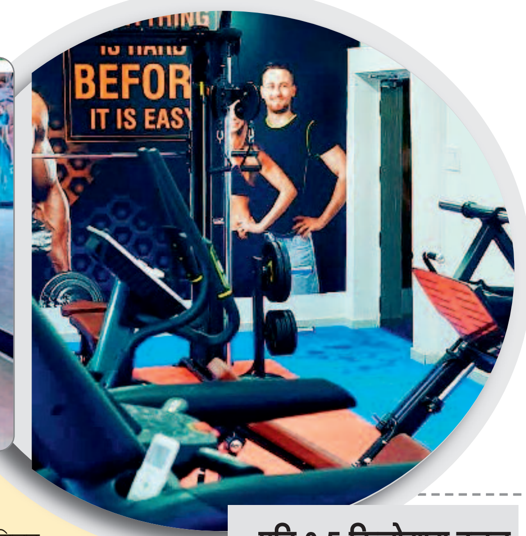

मौसम के साथ आजमाएं ये एक्सरसाइज

गर्मी में फिट रहने के लिए कम समय में ज्यादा कैलोरी जलाने वाले और मध्यम तीव्रता वाले व्यायाम बेहतरीन हैं। स्क्वाट जंप, वॉकिंग पुशअप्स, ब्लीड-हिल क्लाइम्बर्स और डंबल थ्रस्टर्स 30-60 सेकंड का सर्किट बनाएं, जो सुबह-शाम 10-15 मिनट में पूरे शरीर को टोन करते हैं। शरीर को ठंडा रखने के लिए हल्की स्ट्रेचिंग और स्वीमिंग भी शामिल कर रहे हैं।

रायपुर। वार्मअप 5-10 मिनट, जंपिंग जैक 2 मिनट, नेक रोटेशन और आर्म सर्कल्स मांसपेशियों को ढीला करने के लिए। मुख्य वर्कआउट सर्किट स्टाइल 3-4 राउंड, हर व्यायाम के बाद 30-45 सेकंड का आराम करें। स्क्वाट जंप 12-15 रेप्स। यह पैर की मांसपेशियों को मजबूत करता है और कैलोरी बर्न करता है। वॉकिंग पुशअप्स रेप्स। यह सीने के साथ-साथ कोर पेट को भी मजबूत करता है। डंबल थ्रस्टर्स 10-12 रेप्स यह कंधे, पैर और कोर के लिए बेहतरीन है, जो स्टैमिना बढ़ाता है। यह कहना है, शहर के जाने-माने मास्टर फिटनेस व जिम ट्रेनर मनी सिंह का। उनका कहना है कि वैसे तो जिम वर्कआउट का कोई अलग से एक्सरसाइज मूव या स्टेप नहीं होता, लेकिन मौसम के अनुसार डाइट में बदलाव, एक्सरसाइज और फिटनेस ट्रेंड को संभलकर फॉलो करना चाहिए, ताकि व्यायाम के दौरान शरीर से निकलने वाले पानी, मांसपेशियों की रिकवरी और प्रोटीन की मात्रा संतुलित रहे। वहीं जिम के बाद कूल डाउन के लिए 10 मिनट योग करने से शरीर का तापमान सामान्य होता है और मांसपेशियों का दर्द कम होता है। बाल आसन शरीर को शांत करने के लिए, भुजंगासन पीठ के निचले हिस्से के लिए और अधोमुख श्वानासन पूरे शरीर को स्ट्रेच करने के लिए

कन्सन्ट्रेटेड ग्लूकोज के सेवन से बचें

वर्कआउट के दौरान कन्सन्ट्रेटेड यानी गाढ़ा ग्लूकोज या शुगर वाले पेय पीने से बचें, क्योंकि यह अचानक ब्लड शुगर लेवल बढ़ाकर मेटाबॉलिज्म को धीमा कर सकता है और फैट लॉस में बाधा डालता है। इससे एनर्जी क्रैश, पेट में ऐंठन और रिकवरी में देर हो सकती है। इसके बजाय पर्याप्त पानी, नीबू पानी या इलेक्ट्रोलाइट्स का उपयोग करें। जिम में फिटनेस बनाने इस पर विशेष ध्यान देना जरूरी है।

शरीर में सोडियम-पोटेशियम का भी रखें ध्यान

वर्कआउट के दौरान पसीने के माध्यम से शरीर से पानी के साथ-साथ इलेक्ट्रोलाइट्स, विशेष रूप से सोडियम और पोटेशियम भी बाहर निकल जाते हैं। इन खनिजों का उचित संतुलन मांसपेशियों की कार्यक्षमता, हाइड्रेशन और थकान कम करने के लिए महत्वपूर्ण है। इसकी पूर्ति के लिए नारियल पानी, केला, छाछ, पानी में हल्का-सा नमक मिलाकर भी पी सकते हैं। वहीं अन्य खाद्य पदार्थों में शकरकंद, पालक, एवोकाडो और दही का सेवन बेस्ट होगा।

प्रोटीन-आहार व वर्कआउट में बना रहें संतुलन

प्रोटीनयुक्त आहार और सही वर्कआउट के बीच सामंजस्य फिटनेस के लिए जरूरी है। व्यायाम के दौरान मांसपेशियां टूटती हैं और प्रोटीन उनकी मरम्मत व मजबूती प्रदान करता है। व्यायाम से 30-45 मिनट पहले ओट्स, केला, या दही जैसे प्रोटीन और कार्ब्स का सेवन करना चाहिए, ताकि वर्कआउट के लिए पर्याप्त ऊर्जा बनी रहे। वहीं वर्कआउट के बाद 30 मिनट से दो घंटे के भीतर प्रोटीनयुक्त भोजन मांसपेशियों की रिकवरी के लिए बहुत फायदेमंद है। मांसपेशियों के विकास के लिए प्रतिदिन शरीर के वजन के प्रति किलोग्राम 1.6-2.2 ग्राम प्रोटीन का सेवन करने की सलाह दी जाती है।

प्रति 0.5 किलोग्राम वजन की कमी के लिए लगभग 500-700 एमएल पानी पिएं

वर्कआउट से पहले और बाद में वजन तौलें, वजन में कमी पसीने के माध्यम से खोए हुए पानी को दर्शाती है। स्वेट रेट व्यायाम से पहले और बाद का वजन लें। प्रति 0.5 किलोग्राम वजन की कमी के लिए लगभग 500-700 एमएल पानी पिएं। प्यास लगना शरीर में पानी की कमी का पहला संकेत है। प्यास लगने का इंतजार न करें, धीरे-धीरे पानी पीते रहें। यदि आप अधिक पसीना बहाते हैं तो आपको सादे पानी के साथ इलेक्ट्रोलाइट्स की आवश्यकता हो सकती है। वर्कआउट से 2 घंटे पहले 500 मिलीलीटर और कसरत के दौरान हर 15-20 मिनट में लगभग 200-250 मिलीलीटर पानी पीने की सलाह दी जाती है। एक साथ बहुत सारा पानी न पिएं। वर्कआउट के बाद जब शरीर ठंडा हो जाए 15-20 मिनट बाद, तब पानी पिएं।

विभिन्न क्षेत्र के तकनीकी पदों के लिए रोजगार मेला 28 अप्रैल को

रायपुर। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र अंबिकापुर द्वारा 28 अप्रैल 2026 को प्रातः 11 बजे से सायं 4 बजे तक जिला स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें विभिन्न क्षेत्र के निजी नियोजक विभिन्न तकनीकी एवं गैर तकनीकी पदों पर साक्षात्कार के लिए उपस्थित रहेंगे। जिला स्तरीय रोजगार मेला पूर्णतः निशुल्क है। नियुक्ति की शर्तों के लिए नियोजक स्वयं जिम्मेदार होंगे। कार्यालय की भूमिका इस पूरी प्रक्रिया में सिर्फ सुविधाप्रदाता के रूप में होगी। जिला स्तरीय रोजगार मेला हेतु सरगुजा संभाग के समस्त शिक्षित युवाओं को रोजगार मेला में सहभागिता हेतु ऑनलाईन पोर्टल https://erojgar.cg.gov.in/ एवं छत्तीसगढ़ रोजगार एप पर अपना रोजगार पंजीयन, रोजगार मेले हेतु पंजीयन दोनों ही आवश्यक है। अतः ऐसे आवेदक जिन्होंने ऑनलाईन पोर्टल ई-रोजगार पर अपना पंजीयन नहीं करवाया है, वे विभागीय पोर्टल पर अपना पंजीयन करवा सकते हैं। जिले के इच्छुक ऐसे समस्त आवेदक, जो रोजगार मेला में भाग लेना चाहते हैं, अपने साथ शैक्षणिक योग्यता की अंकसूची, निवास प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो के साथ 28 अप्रैल 2026 दिन को प्रातः 11 बजे से सायं 4 बजे तक जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र अंबिकापुर में आयोजित जिला स्तरीय रोजगार मेला में उपस्थित होकर रोजगार के अवसर का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

डिजिटल दुनिया में भी सच्चे मित्र की तरह मार्गदर्शन करती हैं पुस्तकें, छात्र हुए प्रेरित

रायपुर। दुर्गा महाविद्यालय में विश्व पुस्तक दिवस पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह आयोजन महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रोफेसरों ने छात्र-छात्राओं को पुस्तक के महत्व को बताते हुए। पुस्तक पढ़ने, लेखन कौशल विकसित करने और साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाने प्रेरित किया गया। इस कार्यशाला में छात्र-छात्राओं ने रचनात्मक लेखन, कहानी सुनाना, पुस्तक समीक्षा, चित्रण, और पुस्तक विनिमय जैसी गतिविधियां में भाग लिया, जो विशेष रूप से छात्र-छात्राओं के लिए ज्ञानवर्धक और रचनात्मक रहा। इस अवसर पर महाविद्यालय के हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रोशनी मिश्रा ने ज्ञानार्जन में पुस्तक के महत्व को बताते हुए कहा, भले ही हम डिजिटल दुनिया में रचे-बसे हैं, पर पुस्तकें सच्चे मित्र की तरह हमारा मार्गदर्शन करती हैं।

दुर्गा महाविद्यालय में विश्व पुस्तक दिवस पर कार्यशाला

वहीं डॉ. लोकेश्वर प्रसाद सिन्हा ने विद्यार्थी को विशेष रुप से साहित्य अध्ययन के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों के बीच साहित्य की पुस्तकों का वितरणय किया। प्रोफेसर आकांक्षा शुक्ला साहित्य की महत्ता पर अपने विचार व्यक्त किये । इस अवसर पर महाविद्यालय के छात्र छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बच्चों ने मिट्टी से बनाईं विभिन्न आकृतियां

रायपुर। अर्थ डे के अवसर पर मैग्नेटो मॉल द्वारा रचनात्मक गतिविधि मड स्कलप्टिंग का आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य बच्चों और आमजन को प्रकृति और अपनी जड़ों से जोड़ना था। इस आयोजन में बच्चों और आगंतुकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और मिट्टी के साथ अपने विचारों और भावनाओं को रचनात्मक रूप में प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों ने अपनी कल्पनाशीलता के जरिए विभिन्न आकृतियां जैसे मिट्टी के बर्तन, गुड़िया, पृथ्वी के मॉडल और अन्य कलात्मक वस्तुएं तैयार कीं। मिट्टी के इस अनुभव ने लोगों को प्रकृति के साथ एक गहरा जुड़ाव महसूस कराया। बच्चों के साथ-साथ अभिभावकों ने भी इस गतिविधि में उत्साहपूर्वक भाग लिया और इस पहल की सराहना की। आयोजन का माहौल सकारात्मक ऊर्जा और रचनात्मकता से भरपूर रहा, जिसने अर्थ डे के संदेश को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

बच्चों की परीक्षाएं खत्म होने के बाद अब शहर के स्पोर्ट्स समर कैंप एक बार फिर से गुलजार हो चुके हैं। बड़ी संख्या में 5 साल से 10 साल तक के नन्हे बच्चे स्पोर्ट्स समर कैंप से जुड़ रहे हैं। क्रिकेट, कराटे, स्केटिंग, स्वीमिंग, फुटबॉल, जूडो समेत अन्य खेलों को लेकर बच्चों की दिलचस्पी इस बार अधिक है। स्पोर्ट्स एकेडमी के संचालकों का कहना है कि इस गर्मी में पैरेंट्स बच्चों को समर कैंप भेज रहे हैं। ज्यादातर पैरेंट्स बच्चों को समर कैंप इसलिए भेज रहे हैं, ताकि मोबाइल, टीवी और गेम का एडिक्शन दूर हो सके, क्योंकि खेल से शारीरिक के साथ मानसिक और बौद्धिक विकास भी होता है।

गर्मी पर भारी खेल का जुनून, शाम की गर्म हवाओं से बचने बच्चों ने चुना 'स्पोर्ट्स बॉक्स', क्रिकेट-फुटबॉल का बढ़ा क्रेज

बच्चे सीख रहे क्रिकेट के गुर

समता कॉलोनी स्थित क्रिकेट एकेडमी में ग्रीष्मकालीन शिविर में बच्चों को क्रिकेट के गुर सिखाए जा रहे हैं। कोच बच्चों को बैटिंग, बॉलिंग, फील्डिंग आदि की जानकारी दे रहे हैं। बच्चों को क्रिकेट के नियमों से भी अवगत कराया जा रहा है। इसके अलावा स्कोरिंग के बारे में भी बताया जा रहा है। शिविर में 40 से अधिक बच्चे भाग ले रहे हैं। एकेडमी से जुड़े राजय ने बताया कि खेल में बच्चों की अधिक दिलचस्पी क्रिकेट में है। समर कैंप में पहली और आठवी कक्षा में पढ़ाई कर रहे बच्चे पहुंच रहे हैं। उन्हें फिजिकल फिटनेस, कैचिंग, फील्डिंग, प्रैक्टिस स्किल डेवलपमेंट का प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षण शिविर में उन्होंने क्या अर्जित किया है, इस बात की जांच करने के लिए उनका मैच भी कराया जा रहा है।

रायपुर। हरिभूमि टीम शहर के स्पोर्ट्स समर कैंप पहुंची, जहां मैदान में हर दिन शाम को बच्चे घंटों पसीना बहा रहे हैं। समर कैंप में छोटे बच्चों की संख्या अधिक है। दूसरी ओर महानगरों की तर्ज पर राजधानी में भी समर कैंप को लेकर खेल बॉक्स का चलन बढ़ता जा रहा है। शहर में दर्जनभर से अधिक खाली जगहों पर कृत्रिम मैदान तैयार किया गया है, जो चारों ओर से प्लास्टिक की जालियों से पैक होता है। इन मैदानों को घंटे के अनुसार किराए पर लोगों को उपलब्ध कराया जा रहा है। यहां दिन की तुलना में देर रात तक बड़ी संख्या में लोग क्रिकेट, फुटबॉल के साथ बैडमिंटन खेलने पहुंच रहे हैं। यहां स्पोर्ट्स समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है।

खेल बॉक्स में फुटबॉल का क्रेज

खेल बॉक्स में क्रिकेट और फुटबॉल खेलने बच्चों के साथ युवाओं में बड़ा क्रेज देखने को मिल रहा है। ये दोनों खेल ही अधिकतर खेले जाते हैं। वीआईपी रोड स्थित खेल बॉक्स के संचालक राहुल मिश्रा ने बताया कि रात 9 से 1 बजे तक खेल बॉक्स में क्रिकेट और फुटबॉल के मुकाबले होते हैं। रात में ज्यादातर नौकरीपेशा लोग पहुंचते हैं। अब कॉलोनी व सोसायटी से लोग भी खेल गतिविधि यहां करने पहुंच रहे हैं। छोटे स्तर पर खेल आयोजन के लिए खेल बॉक्स की मांग अधिक है।

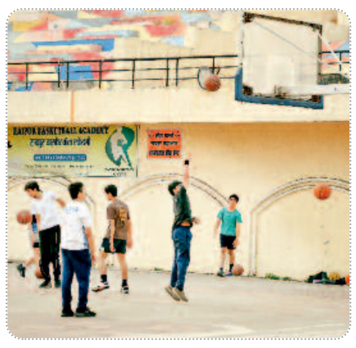

स्केटिंग से दूर हो रहा बच्चों का डर

पुलिस लाइन में स्केटिंग सीखने 5 साल के नन्हे बच्चे भी पहुंच रहे हैं। एकेडमी के अनुराग साहू ने बताया, समर कैंप को लेकर बच्चों का रुझान स्केटिंग की तरफ बढ़ा है। पैरेंट्स बच्चों के भीतर डर को दूर करने स्केटिंग का अभ्यास करा रहे हैं। उनका भी कहना है, स्केटिंग से बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ रहा है। नन्हे बच्चों को स्केटिंग में दौड़ लगाना मुश्किल लगता है, लेकिन जब सीखने लगते हैं तो उनका भी आत्मविश्वास बढ़ता है। समर कैंप में हर दिन 20 से अधिक बच्चे स्केटिंग सीखने पहुंच रहे हैं। कोच बच्चों को स्केटिंग के चक्कों के साथ संतुलन बनाना सिखा रहे हैं।

आत्मरक्षा के लिए सीख रहे कराटे

शहर की कराटे एकेडमी में बच्चों के साथ लड़के-लड़कियां आत्मरक्षा के लिए कराटे का हुनर सीख रहे हैं। नेताजी सुभाष स्टेडियम में शाम को कराटे की ड्रेस में बच्चे अभ्यास करने पहुंच रहे हैं। एकेडमी के अजय साहू ने बताया कि समर कैंप में कई पैरेंट्स बच्चों को आत्मरक्षा के लिए ही कराटे क्लास भेज रहे हैं। रक्षा करने के लिए मार्शल आर्ट सीख रहे हैं। वर्तमान में दर्जन से अधिक 8 से 10 साल के बच्चे कराटे सीखने पहुंच रहे हैं। शहर में योग और स्वीमिंग के लिए भी बड़ों के साथ नन्हे बच्चे दिलचस्पी दिखा रहे हैं।

समाज लाइव

कैवल्य कल्याणक महोत्सव 26 को सवा पांच लाख नवकार जाप करें भक्त

रायपुर। जैन संवेदना ट्रस्ट द्वारा महावीर स्वामी के कैवल्य कल्याण दिवस निमित्ते सवा पांच लाख नवकार जाप का अनुष्ठान रखा गया है। वैशाख सुदी 10, रविवार 26 अप्रैल को भगवान महावीर स्वामी का केवल ज्ञान प्राप्ति का दिन है। साढ़े बारह वर्ष की कठोर साधना के पश्चात गोदोहासन में काउसग्ग करते हुए महावीर स्वामी को साल वृक्ष के नीचे ऋजुबालिका नदी के तट पर सम्पूर्ण ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। जैन संवेदना ट्रस्ट के महेंद्र कोचर व विजय चोपड़ा ने बताया कि कैवल्य कल्याणक दिवस पर सम्पूर्ण ज्ञान के प्रकाश में सकल जैन समाज विश्वशांति व भगवान महावीर स्वामी के जियो और जीने दो के उद्घोष व भाईचारे हेतु सवा पांच लाख नवकार महामंत्र की आराधना करेगा। वहीं इस अवसर पर ज्ञान के प्रकाश प्रतिरूप शुद्ध घी के दीपक या चिराग प्रज्ज्वलित कर जैन भाई-बहनें घर पर 12 नवकार का जाप कर विश्व में शांति व सद्भाव हेतु प्रार्थना करेंगे। यह जाप सुबह 6 से संध्या 5 बजे के मध्य किया जाएगा। महावीर कोचर ने कहा कि इस आयोजन की विशेषता है कि भगवान महावीर स्वामी को जिस गोदोहासन मुद्रा में केवल ज्ञान की प्राप्ति हुई थी, सकल जैन समाज उसी गोदोहासन मुद्रा में घर घर 12 नवकार महामंत्र का जाप करेंगे।

पदाधिकारियों को सौंपी विशेष जिम्मेदारी

समाज के लोग अपने गोदोहासन में जाप की फोटो, वीडियो कार्यक्रम संयोजक महावीर कोचर व मंजू टाटिया, मंजू कोठारी, मयूरी गोलछा को प्रचार-प्रसार की जिम्मेदारी सौंपी गई है। महेंद्र कोचर ने बताया कि इसका प्रचार छत्तीसगढ़ सहित पूरे भारत के जैन समाज में किया जाएगा, ताकि विश्व में फैले युद्ध की भयावह परिस्थितियों में भी परमात्मा के सम्पूर्ण ज्ञान के प्रकाश में नवकार जाप से विश्व शांति व भाईचारा बनाए रखने की शक्ति जनमानस को प्राप्त हो।

सिटी लाइव

50 से अधिक बुजुर्ग सम्मानित व्हीलचेयर, हाथ छड़ी दी भेंट

रायपुर। वृद्धजन परिवार फाउंडेशन के प्रथम स्थापना दिवस के अवसर पर कुर्मी समाज सामुदायिक भवन सुहेला में मातृ-पितृ सम्मान एवं वृद्धजन सेवा संकल्प समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 50 से अधिक बुजुर्गों का सम्मान कर उन्हें आवश्यकता अनुसार व्हीलचेयर, हाथ छड़ी, श्रीफल एवं पानी की बोतलें प्रदान की गईं। इस अवसर पर वृद्धजन परिवार फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. उत्तम कुमार हरेंद्र ने समाज को संदेश देते हुए कहा कि वृद्ध माता-पिता की सेवा और सम्मान करना हमारा नैतिक कर्तव्य है, क्योंकि वे हमारी अमूल्य धरोहर हैं और उनकी सेवा ही ईश्वर की सच्ची पूजा है। उन्होंने कहा कि जिन माता-पिता ने जीवनभर अपने बच्चों का पालन-पोषण किया, वही आज कई स्थानों पर अकेलेपन का सामना कर रहे हैं। समारोह में हेल्पेज इंडिया के राज्य प्रमुख शुभंकर विश्वास ने एक व्हीलचेयर एवं छह हाथ छड़ियां प्रदान करते हुए कहा कि वृद्धजनों के जीवन को सरल और सम्मानजनक बनाने के लिए हरसंभव सहयोग किया जाएगा।

कार्यक्रम में ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम में उपसरपंच देवा घृतलहरे का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर ग्राम पटेल रेवाराम साहू, भावेश साहू, कृष्ण मोहन ठाकुर, घनश्याम शर्मा, बालाराम वर्मा, इंदल दास मानिकपुरी, भुलऊ राम पाल, दानी प्रसाद शर्मा, होल सिंह वर्मा, इतवारी पाल एवं मदन यादव सहित बड़ी संख्या में वृद्धजन उपस्थित रहे।

आराधना

मां बगलामुखी प्राकट्य दिवस आज, जयंती पर होंगे अनुष्ठान

रायपुर। पुरानी बस्ती श्री शीतला माता मंदिर चौक के पास मां धूमावती सिद्धपीठ, दस महाविद्यापीठ में शुक्रवार को अष्टम महाविद्या, स्तम्भनि विद्या, मां बगलामुखी प्राकट्य दिवस जयंती के शुभ अवसर पर शाम 7 बजे भक्तों के आत्मकल्याण निमित्त पीठाधीश्वर महाराज नीरज सैनी पुजारी द्वारा हवन, पूजन, अनुष्ठान और महायज्ञ किया जाएगा। साथ ही मां बगलामुखी मंत्र दीक्षा भी दी जाएगी। मां बगलामुखी की उत्पत्ति सतयुग में संपूर्ण जगत को नष्ट करने वाले भयंकर तूफान और प्राणियों के जीवन पर आए संकट को रोकने भगवान विष्णु ने भगवती आदिशक्ति की कठोर तपस्या से हुई। 24 अप्रैल को उनकी जयंती भक्तिभाव से मनाई जाएगी।

मां बगलामुखी मंगल ग्रह की अधिष्ठात्री

पुजारी पं. सैनी ने बताया कि मां बगलामुखी मंगल ग्रह की अधिष्ठात्री है। मां बगलामुखी की साधना, आराधना, उपासना से शत्रुओं का स्तम्भन, शत्रुओं पर विजय प्राप्ति, शत्रुओं के वाणी पर नियंत्रण एवं व्यवसायिक सफलता प्राप्त होती है। प्राकट्य दिवस के शुभ अवसर पर मां बगलामुखी को अष्टगंध, हल्दी, पीले पुष्प, धूप-दीप, पीले नैवेद्य, पीले वस्त्र अर्पित करते हुए कपूर की आरती कर मनोकामना पूर्ति के लिए प्रार्थना करें। इस आयोजन में हिंदू सनातन वैदिक धर्मी हवन-पूजन, अनुष्ठान और महायज्ञ में सपरिवार शामिल होते हैं। इसे देखते हुए व्यवस्थागत तैयारी को अंतिम रूप दिया गया है।

छात्र-छात्राएं हर परिस्थिति के लिए खुद को तैयार रखें, निराश न हों और नई शुरुआत करें

स्टूडेंट्स किसी भी परीक्षा को जीवन का अंतिम पड़ाव मानकर न चलें और न ही असफलता से घबराएं

स्टूडेंट्स किसी भी परिस्थिति में परीक्षा को जीवन की अंतिम परीक्षा न मानें। परीक्षा में सफलता या असफलता से व्यक्ति की कामयाबी का पैमाना तय नहीं होता। स्टूडेंट्स अपने पर भरोसा रखें। मन में हताशा या नकारात्मक भाव आए तो वे अपने पैरेंट्स, टीचर्स से बात कर समस्या का समाधान ढूंढें। छात्र-छात्राओं के लिए हर 5 बोर्ड से लेकर 10वीं, 12वीं बोर्ड हर स्तर से करियर की शुरुआत करने का मौका होता है। इसके अलावा कई प्रोफेशनल कोर्स भी कर सकते हैं, जिससे वे स्टार्टअप के तौर पर अपनी आमदनी व पहचान बना सकते हैं। स्टूडेंट्स किसी भी परीक्षा को जीवन की अंतिम परीक्षा मानकर न चलें और न ही असफलता से घबराएं। आज के समय में स्टूडेंट्स के लिए ढेरों कॅरियर विकल्प हैं, जिससे स्टूडेंट्स अपने भविष्य को सुनहरा बना सकते हैं।

10वीं, 12वीं हर स्तर से करियर की शुरुआत

छात्र-छात्राओं के लिए हर 5 बोर्ड से लेकर 10वीं, 12वीं बोर्ड हर स्तर से करियर की शुरुआत करने का मौका होता है। इसके अलावा कई प्रोफेशनल कोर्स भी कर सकते हैं, जिससे वे स्टार्टअप के तौर पर अपनी आमदनी व पहचान बना सकते हैं। स्टूडेंट्स किसी भी परीक्षा को जीवन की अंतिम परीक्षा मानकर न चलें और न ही असफलता से घबराएं। आज के समय में स्टूडेंट्स के लिए ढेरों कॅरियर विकल्प हैं, जिससे स्टूडेंट्स अपने भविष्य को संवारे।

रायपुर। ये कहना है शहर के जाने-माने कॅरियर काउंसलर डॉ. अजीत वरवंडकर का। उनका कहना है कि 10वीं-12वीं की परीक्षा में असफल होना जीवन का अंत नहीं, बल्कि नए अवसरों की शुरुआत है। स्टूडेंट्स सेकंड अटेंप्ट एग्जाम देकर साल बचा सकते हैं या फिर आईटीआई, डिप्लोमा, ग्राफिक डिजाइनिंग, डिजिटल मार्केटिंग और वोकेशनल कोर्सेज जैसे स्किल-आधारित कॅरियर चुनकर भविष्य संवार सकते हैं। ओपन स्कूल नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन स्कूलिंग के माध्यम से बिना साल बर्बाद किए दोबारा परीक्षा देकर पास हो सकते हैं। अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार क्षेत्र चुनें। सिर्फ डिग्री पर ध्यान न देकर प्रैक्टिकल स्किल सीखने पर जोर दें। स्टूडेंट्स हर परिस्थिति के लिए खुद को तैयार रखें, निराश न हों, यह सिर्फ एक परीक्षा है, कोई अंतिम पड़ाव नहीं, यह मानकर चलें।

पहले से ही किसी भी नतीजे पर न पहुंचें, मेहनत करें

पंडरी जिला अस्पताल के मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. अविनाश शुक्ला कहना है कि स्टूडेंट्स पहले से ही किसी भी नतीजे पर न पहुंचें। हर परिस्थिति का सामना करने के लिए खुद को तैयार रखें और हार न मानकर नियमित प्रयास में जुट जाएं। जीवन में सफल होने के कई विकल्प सामने हैं। अपनी हॉबी को भी अपनी सबसे बड़ी कामयाबी का जरिया बना सकते हैं। परीक्षा के परिणाम को लेकर जरा सा भी स्टूडेंट्स मन में दबाव न लें, बल्कि वे उन्हें सेलिब्रेट कर आगे बढ़ें।

वोकेशनल कोर्सेज व डिप्लोमा सर्टिफिकेट में भी अवसर

12वीं के असफल स्टूडेंट्स सीबीएसई, सीआईएससीई या राज्य बोर्ड के माध्यम से तुरंत दोबारा परीक्षा देकर पास हो सकते हैं। इसके अलावा 10वीं बेस से आईटीआई कोर्सेज जैसे इलेक्ट्रीशियन, फिटर, मैकेनिक, ड्राफ्ट्समैन के जरिए तकनीकी क्षेत्र में कॅरियर बना सकते हैं। डिप्लोमा कोर्सेज कर सकते हैं। इसमें 10वीं के बाद 3 साल का इंजीनियरिंग डिप्लोमा पॉलिटेक्निक का विकल्प है। वोकेशनल कोर्सेज में फ्रंट ऑफिस ऑपरेशंस, टूरिज्म, हेल्थकेयर, ब्यूटी एंड वैलनेस में डिप्लोमा या सर्टिफिकेट। रक्षा सेवा 10वीं पास के बाद आर्मी, नेवी या एयरफोर्स में ट्रेडमैन के पद पर भर्ती।

राजयोग से मिलेगी स्थायी खुशी, इसे बाहरी वस्तुओं में मनुष्य ही ढूंढ रहा

रायपुर। वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी अदिति दीदी ने कहा कि मनुष्य खुशी को भौतिक दुनिया में ढूंढ रहा है, किंतु भौतिक पदार्थों से स्थायी खुशी नही मिल सकती। राजयोग से ही जीवन में स्थायी खुशी प्राप्त की जा सकती है। राजयोग के लिए स्वयं की पहचान जरूरी है। गुरुवार को प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय ने अविनाश कैपिटल होम्स सड्डू में शिविर आयोजित किया। तनावमुक्ति एवं शांति अनुभूति शिविर के पहले दिन खुशी का आधार-आत्मानुभूति विषय पर उन्होंने कहा कि अगर हम जीवन को चिंता रहित, सुख-शांति सम्पन्न बनाना चाहते हैं तो यह जानना निहायत जरूरी है कि मैं कौन हूं? इस दुनिया में जितने जड़ पदार्थ हैं, वे स्वयं अपने ही उपयोग के लिए नहीं बने हैं। सभी जड़ पदार्थों का उपभोग करने वाला उससे भिन्न कोई न कोई चैतन्य प्राणी ही होता है।

उसके लिए क्या उचित और क्या अनुचित होगा

आगे बताया कि आत्मा के शरीर से निकल जाने पर न तो शरीर कोई इच्छा करता हैं और न ही किसी तरह का कोई प्रयास करता है। मृत शरीर के पास आंख, मुख, नाक सब कुछ होता है लेकिन वह न तो देख सकता है, न ही बोल और सुन सकता है। आत्मा तीन शक्तियों के माध्यम से अपना कार्य करती है। वह किसी भी कार्य को करने से पहले मन के द्वारा विचार करती है, फिर बुद्धि के द्वारा यह निर्णय किया जाता है कि उसके लिए क्या उचित और क्या अनुचित है। इसके बाद किसी कार्य की बार-बार पुनरावृत्ति करने पर वह उस आत्मा का संस्कार बन जाता है।

मन और बुद्धि से किया जाता है अनुभव

ब्रह्माकुमारी अदिति दीदी ने कहा, जब हम कहते हैं कि मुझे शांति चाहिए? तो यह कौन है, जो कहता है कि मुझे शांति चाहिए? शरीर शांति नहीं चाहता। शरीर की शांति तो मृत्यु है। आत्मा कहती है कि मुझे शांति चाहिए। जबकि आत्मा तो एक चैतन्य शक्ति है। शक्ति को स्थूल नेत्रों से देखा नहीं जा सकता, लेकिन मन और बुद्धि से उसका अनुभव किया जाता है। जैसे बिजली एक शक्ति है, वह दिखाई नहीं देती किन्तु बल्ब जल रहा और पंखा चल रहा है तो हम कहेंगे कि बिजली है। उसी प्रकार आत्मा के गुणों का अनुभव करके उसकी उपस्थिति का अहसास होता है। आत्मा का स्वरूप अतिसूक्ष्म ज्योतिबिन्दु के समान है। उसे न तो नष्ट कर सकता हैं और न ही उत्पन्न कर सकता हैं।

सनातन संस्कृति और भक्तिमय प्रसंगों से गूंजा कथा स्थल

रायपुर। बैशाख शुक्ल पंचमी के अवसर पर महादेव घाट में छत्तीसगढ़ सनातन दशनाम गोस्वामी समाज द्वारा आदि गुरु शंकराचार्य प्राकट्य उत्सव श्रद्धा, भक्ति और गरिमा के साथ मनाया गया।कार्यक्रम की शुरुआत सुबह भगवामय शोभायात्रा से हुई, जिसमें प्रदेशभर से बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए। प्रांतीय प्रचार सहसचिव भारद्वाज गिरी गोस्वामी ने जानकारी देते हुए बताया कि महादेव घाट पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच आदि गुरु शंकराचार्य, भगवान शिव और दत्तात्रेय की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान शिव कथा वाचिका रेणुका गोस्वामी द्वारा प्रस्तुत शिव महात्म्य कथा ने वातावरण को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। प्रांताध्यक्ष काशीपुरी कुंदन ने अपने संबोधन में कहा कि आदि गुरु शंकराचार्य का अद्वैत दर्शन समाज को एकता का संदेश देता है। वहीं मुख्य अतिथि महंत चिंतामणि गिरि ने युवाओं को शिक्षा और संस्कार के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 64 पुजारियों का सम्मान रहा, जिन्हें भगवा वस्त्र, श्रीफल और सम्मान पत्र प्रदान किए गए। साथ ही समाज की मेधावी प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया गया। समारोह में अनेक धर्मगुरुओं, समाज के वरिष्ठजनों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही।

16 जुलाई से गुरु अस्त और 25 को देवशयनी के साथ ही शुरू होगा चौमासा

मांगलिक कार्यों में पुरुषोत्तम मास के चलते 30 दिनों का विराम, जून और जुलाई में 15 दिन ही सजेंगे लग्न मंडप

कार्नर न्यूज

रायपुर। सनातन धर्मानुरागी सभी तरह के मांगलिक आयोजन को शुभ मुहूर्त में ही करते हैं। इसके चलते हिंदू विधि-विधान से परंपराओं का निर्वहन करते हैं। यही वजह है कि चाहे गृह प्रवेश करना हो या फिर बेटे-बेटियों की शादी, इसकी तिथि मुहूर्त मिलने पर ही तय की जाती है। अभी जहां वैवाहिक समारोह का सिलसिला चल रहा और आमंत्रण पत्र मिलने पर लोग व्यावहारिक पक्ष से जुड़ रहे हैं। वहीं 10 मई के बाद एक बार फिर महीनेभर के लिए शादी, सगाई, मुंडन, जनेऊ संस्कार करने वालों को अपनी प्लानिंग टालनी होगी। इस संदर्भ में पं. मनोज शुक्ला ने बताया कि 17 मई से 15 जून तक अधिक मास यानी पुरुषोत्तम मास प्रभावी रहने वाला है। इस बीच में सभी तरह के शुभ कार्यों पर विराम लगेगा। इसे देखते हुए 26, 29, 30 अप्रैल और 5, 6, 7, 8, 10 मई में मिलने वाले बचे हुए मुहूर्त में लोग विवाह उत्सव को प्राथमिकता दे रहे हैं।

पुरुषोत्तम मास में करें भगवान विष्णु की पूजा

पं. शुक्ला ने बताया कि 17 मई से 15 जून तक अधिक मास के रूप में ज्येष्ठ माह प्रभावी रहेगा। पुरुषोत्तम मास में भगवान विष्णु की आराधना, दान, धर्म पालन और सात्विक जीवन का विशेष महत्व है। इस महीने में सूर्योदय से पहले स्नान, श्रीमद्भागवत कथा श्रवण, दीपदान और ओम नमो भगवते वासुदेवाय' मंत्र का जप करना चाहिए। इस दौरान व्रत करना, तुलसी पूजा और निस्वार्थ भाव से सेवा करने से अक्षय फल की प्राप्ति होती है। यही कारण है कि भीषण गर्मी के बाद भी धर्मानुरागी कथाओं के साथ धार्मिक अनुष्ठान को ही प्राथमिकता देते हैं।

15 दिन फिर मिलेगा शुभ मुहूर्त

बरसात की दस्तक के साथ ही 19, 22, 23, 24, 26, 27, 28 और 29 जून को लोग शादी, सगाई और गृह प्रवेश कर सकेंगे। इसके बाद 1, 3, 4, 6, 7, 8, 9 जुलाई को भी लोगों धार्मिक विधि-विधान से मांगलिक उत्सव के लिए तिथियां मिलने वाली हैं। इसके बाद 16 जुलाई से गुरु अस्त होंगे, यह समयकाल 10 अगस्त तक प्रभावी होगा। इसके बाद 25 जुलाई को देवशयनी एकादशी, चौमासा आरंभ होगा। वहीं 21 नवंबर को देवउठनी एकादशी और तुलसी विवाह से फिर लग्न मंडप सजाने का अवसर मिलेगा। इसके बाद 21, 24, 25 और 26 नवंबर के साथ ही 2, 3, 4, 5, 11, 12 दिसंबर 2026 तक मांगलिक कार्य होंगे।

सिटी स्पोर्ट्स

न्यू एरा क्रिकेट लीग के चौथे दिन प्रखर और अव्यांश का शानदार प्रदर्शन

रायपुर। ब्रह्मविद स्पोर्ट्स सेंटर में चल रही अंडर-12 न्यू एरा क्रिकेट लीग के चौथे दिन बल्लेबाज़ी के शानदार प्रदर्शन और एकतरफा जीत का मंजर देखने को मिला, जिसमें इमर्जिंग क्रिकेट एकेडमी और एलीट क्रिकेट एकेडमी ने ज़बरदस्त कामयाबी दर्ज की।

दिन के पहले मैच में, इमर्जिंग क्रिकेट एकेडमी ने ब्रह्मविद क्रिकेट एकेडमी ग्रे के खिलाफ एक विशाल स्कोर खड़ा किया। पहले बल्लेबाज़ी करते हुए, इमर्जिंग क्रिकेट एकेडमी ने अपने 20 ओवरों में 254/7 रन बनाए। अव्यांश राजपाल ने 42 गेंदों में 75 रन बनाकर पारी की अगुवाई की; उन्होंने 15 चौके और एक छक्का लगाया और 207 के शानदार स्ट्राइक रेट से रन बनाए। चिन्मय साहू ने भी 15 गेंदों में तेज़ी से 31 रन बनाकर टीम में योगदान दिया। ब्रह्मविद ग्रे की ओर से, उक्षित सोनी ने अपने 4 ओवरों में 43 रन देकर 3 विकेट लिए, जबकि रियान नाहटा ने 44 रन देकर 2 विकेट चटकाए। 254 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए, ब्रह्मविद क्रिकेट एकेडमी ग्रे दबाव में बिखर गई और 14.3 ओवरों में महज़ 58 रनों पर ही ऑल आउट हो गई। मनाश ने शानदार गेंदबाज़ी करते हुए अपने 4 ओवरों में सिर्फ 6 रन देकर 3 विकेट लिए, जबकि दर्श द्विवेदी ने 2 अहम विकेट लेकर उनका बखूबी साथ निभाया। इमर्जिंग क्रिकेट एकेडमी ने 196 रनों की विशाल जीत हासिल की, और अपने शानदार प्रदर्शन के लिए अव्यांश राजपाल को एक बार फिर 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया। दूसरे मैच में, एलीट क्रिकेट एकेडमी ने माँ गुरु क्रिकेट एकेडमी को 52 रनों से हराया। पहले बल्लेबाज़ी करते हुए, एलीट क्रिकेट एकेडमी ने 20 ओवरों में 175/6 का मज़बूत स्कोर खड़ा किया। प्रखर यादव इस मैच के स्टार खिलाड़ी रहे; उन्होंने *56 गेंदों में शानदार 89 रन बनाए, जिसमें 14 चौके और 2 छक्के शामिल थे। कप्तान आरुष ने भी 22 गेंदों में 22 रनों का उपयोगी योगदान दिया। इसके जवाब में, माँ गुरु क्रिकेट एकेडमी 19.5 ओवरों में ऑल आउट होने से पहले 123 रन ही बना सकी।

बिलासपुर, कोरिया, जशपुर और राजनांदगांव ने जीते अपने मैच

भिलाई। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ (सीएससीएस) द्वारा आयोजित प्लेट ग्रुप टी 20 अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतर्गत गुरुवार को शानदार मुकाबले हुए। बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड सिविक सेंटर में टीम बिलासपुर (ब्लू) विरुद्ध कवर्धा परिणाम बिलासपुर ब्लू ने 9 विकेट से जीता। आरडीसीए रायपुर में हुए मैच में टीम महासमुंद विरुद्ध कोरबा में परिणाम कोरबा ने पांच विकेट से जीता। राजनांदगांव में हुए मैच में टीम कोरिया जिला विरुद्ध बस्तर में परिणाम कोरिया जिला ने 7 विकेट से जीता। दल्ली राजहरा में हुए मैच में टीम जशपुर विरुद्ध रायगढ़ में परिणाम जशपुर ने 16 रन से जीता। रघुराज स्टेडियम बिलासपुर में टीम राजनांदगांव विरुद्ध नारायणपुर में परिणाम राजनांदगांव ने 73 रन से जीता। न्यू ग्राउंड कांकेर में हुए मैच में टीम दंतेवाड़ा विरुद्ध कांकेर में परिणाम कांकेर ने 49 रन से जीता। इसी तरह छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ (सीएसीएस) द्वारा आयोजित महिला अंडर-19 एक दिवसीय चैलेंजर ट्रॉफी के अंतर्गत शानदार मैच हुए। कल्याण कॉलेज ग्राउंड सेक्टर 7 में टीम ईस्ट जोन विरुद्ध वेस्ट जोन के मैच में परिणाम वेस्ट जोन ने 41 रन से जीता। इसी तरह मिनी स्टेडियम खुर्सीपार में टीम साउथ जोन विरुद्ध नॉर्थ जोन में परिणाम साउथ जोन ने 9 विकेट से जीता।

शालेय राष्ट्रीय बेसबॉल और सॉफ्टबॉल में हिस्सा लिया

रायपुर। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वाधान में 69वी शालेय राष्ट्रीय बेसबॉल मिनी एवं जूनियर वर्ग साथ ही सॉफ्टबॉल मिनी बालक/बालिका वर्ग के प्रतियोगिता का आयोजन दिल्ली में 16 से 22 अप्रैल तक किया गया। जिसमे छत्तीसगढ़ की टीम में कवर्धा नगर के प्रयास स्पोर्ट्स अकेडमी से तान्या सिन्हा, दीक्षांत यादव, मयंक टंडन, चंद्रेश कोर्राम, लक्ष्य लांझी ने बेसबॉल मिनी एवं जूनियर वर्ग और गुनिस्का जांगड़े ने सॉफ्टबॉल मिनी वर्ग में भागीदारी दी। कोच के रूप में व्यायाम शिक्षक मृत्युंजय शर्मा, दिनेश वर्गीस, राजा जोशी रहे। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, एकेडमी के अध्यक्ष गणेश तिवारी, संस्थापक राजा पीयूष टाटीया, निज सहायक गजराज सिंह ठाकुर, निज सहायक नरेंद्र मानिकपुरी, पार्षद दीपक सिन्हा, अशोका पब्लिक स्कूल के संचालक पवन देवांगन, क्रीड़ा अधिकारी संदीप ग्वालिकर आदि ने शुभकामनाएं दी।

शरीर में कैल्शियम की 'गंभीर कमी' कभी न आने दें

कैल्शियम की कमी को हल्के में न लें, हड्डियों-दांतों के साथ पूरे शरीर के लिए है इसकी बेहद जरूरत

हड्डियों-दांतों में मौजूद होता है लगभग 95% कैल्शियम, पर इन दो चीजों के कारण से हो सकती है। हड्डियों-दांतों को स्वस्थ रखने के लिए बचपन से ही आहार में कैल्शियम वाली चीजों की मात्रा बढ़ाने की सलाह दी जाती रही है। यही कारण है कि सभी उम्र के लोगों, विशेषकर बच्चों-बुजुर्गों को रोजाना दूध जरूर पीना चाहिए। दूध से शरीर के लिए जरूरी कैल्शियम की अधिकतर मात्रा की पूर्ति की जा सकती है।

क्या आप जानते हैं कि हमारी हड्डियों-दांतों में पूरे शरीर का लगभग 90-95% कैल्शियम स्टोर होता है। हड्डियों को मजबूत बनाए रखने के लिए हमें रोजाना कैल्शियम की आवश्यकता होती है। इतना ही नहीं हृदय, मांसपेशियों और तंत्रिकाओं को भी ठीक से काम करने के लिए भी कैल्शियम जरूरी है। कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि इससे कैंसर, मधुमेह और उच्च रक्तचाप के जोखिमों को कम करने में भी मदद मिल सकती है। पर क्या आप जानते हैं कि आपके खान-पान और लाइफस्टाइल की ही कुछ गड़बड़ियां शरीर में कैल्शियम मात्रा को कम कर सकती हैं?

कैल्शियम की कमी के कारण

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कैल्शियम की मात्रा कैसे बढ़ाई जाए इसको लेकर तो हम सभी

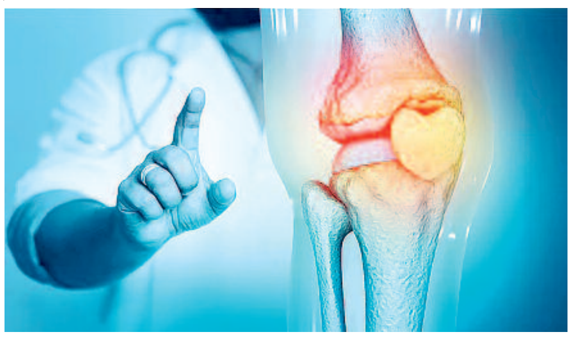

अक्सर चर्चा करते रहते हैं, पर क्या कभी इस बारें में सोचा है कि कुछ चीजों कैल्शियम को शरीर से बाहर भी निकाल सकती हैं। अध्ययनकर्ताओं ने बताया, जिन लोगों को किडनी की दिक्कतें होती हैं- जैसे रेनल फेलियर या क्रोनिक किडनी विकार वाले लोगों में कैल्शियम की कमी होने का खतरा अधिक देखा जाता रहा है। इसके अलावा शोधकर्ताओं ने बताया कि अगर आप नमक का अधिक मात्रा में सेवन करते हैं तो इससे भी कैल्शिय्म की कमी और हड्डियों को क्षति पहुंचने की समस्या हो सकती है।

ज्यादा नमक है हानिकारक

तमाम अध्ययनों में विशेषज्ञ सलाह देते रहे हैं कि आहार में नमक की मात्रा कम करना जरूरी है। नमक की अधिकता के कारण ब्लड प्रेशर और हार्ट की दिक्कतों का खतरा हो सकता है। पर क्या आप जानते हैं कि अधिक मात्रा में नमक का सेवन पेशाब के माध्यम से कैल्शियम को बाहर निकालने लगता है। इसके अलावा नमक की अधिक मात्रा हड्डियों के क्षरण की समस्या को भी बढ़ाने वाली हो सकती है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को आहार में नमक की मात्रा कम से कम रखने की सलाह देते हैं।

धूम्रपान से हो सकते हैं नुकसान

नमक की ही तरह से शरीर में कैल्शियम की मात्रा को प्रभावित करने के लिए धूम्रपान की आदत को भी एक कारक माना जाता है। सिगरेट में मौजूद निकोटीन हड्डी बनाने वाली कोशिकाओं, जिन्हें ऑस्टियोब्लास्ट कहा जाता है उसके उत्पादन को धीमा कर देता है। धूम्रपान से शरीर में कैल्शियम का अवशोषण भी कम हो जाता है, जो महत्वपूर्ण सेलुलर कार्यों और हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। यानी कि कैल्शियम के अवशोषण को बढ़ाने के लिए नमक का सेवन कम करना और सिगरेट से बिल्कुल दूरी बनाना जरूरी है।

कैल्शियम के अवशोषण को बढ़ाने पर दें ध्यान

हड्डियों और दांतों को स्वस्थ रखने के लिए कैल्शियम का सेवन बढ़ाना तो जरूरी है ही साथ ही इस बात पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए कि शरीर में कैल्शियम के अवशोषण को कैसे बढ़ाया जा सकता है? इसके लिए जरूरी है कि कैल्शियम के साथ आहार में विटामिन-डी वाली चीजों को भी शामिल किया जाए।

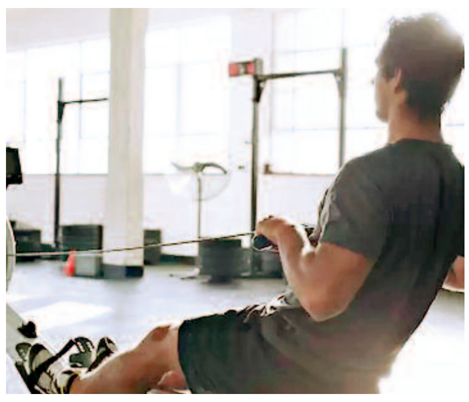

गर्मियों में इन एक्टिविटी से खुद को रखें फिट

गर्मियों के दिनों में सुबह होते ही तेज धूप निकल आती है जो देर शाम तक ही जाती है। ऐसे में लोगों का घर से निकलना आमतौर पर बंद हो जाता है और इसका सबसे बड़ा प्रभाव लोगों की सेहत पर पड़ता है। असल में गर्मियों में शारीरिक रूप से सक्रिय रह पाना मुश्किल हो जाता है और इसके कारण कई सारी समस्याएं पेश आती है। ऐसे में अगर आपके लिए भी इन दिनों खुद को फिट रहना मुश्किल हो रहा है तो यह आर्टिकल आपके काम आ सकता है। यहां हम आपको कुछ ऐसी ही गतिविधियों के बारे में बता रहे हैं, जो गर्मियों में आपको एक्टिव और फिट बनाए रखने में मददगार हो सकते हैं। असल में गर्मियों में घर से बाहर निकलकर रनिंग और एक्सरसाइज जैसी दूसरी एक्टिविटी करने में मुश्किल पेश आती है। इसलिए इन दिनों के लिए ऐसी एक्टिविटी बेहतर होती हैं, जिन्हें घर में आसानी से किया जा सके। यहां हम ऐसी ही एक्टिविटी के बारे में बता रहे हैं, जिन्हे आप घर में आसानी से कर सकते हैं।

गिफ्ट में मिले चांदी, तो चमक सकती है आपकी किस्मत

ज्योतिष शास्त्र में चांदी को बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। यह एक विशेष धातु है। इसका संबंध ग्रहों और राशियों से जुड़ी हुई है। चांदी चंद्रमा और शुक्र ग्रहों का प्रतिनिधित्व करता है। चांदी को सौंदर्य, समृद्धि, सफलता, शांति, सकारात्मकता का प्रतीक माना जाता है। इसे धारण करने से व्यक्ति को ग्रह दोष से भी छुटकारा मिल सकता है। साथ ही मानसिक शांति भी मिलती है। चांदी धारण करने से व्यक्ति को रोग मुक्त भी हो सकता है। वहीं व्यक्ति को उपहार में कई प्रकार की चांदी की चीजें मिलती है। अब ऐसे में चांदी के कुछ उपहार हैं, वह अगर व्यक्ति को मिल जाए, तो उनकी किस्मत चमक सकती है। आइए इस लेख में ज्योतिषाचार्य पंडित अरविंद त्रिपाठी से विस्तार से जानते हैं।

गिफ्ट में चांदी का सिक्का मिलना

अगर आपको उपहार में चांदी का सिक्का मिलता है, तो इसका मतलब यह है कि आपके ऊपर माता लक्ष्मी की कृपा रहने वाली है। साथ ही आर्थिक स्थिति भी मजबूत हो सकती है। इसके अलावा चांदी का सिक्का समृद्धि का भी संकेत देता है। अगर उपहार में चांदी का सिक्का मिले, तो उसे पूजा स्थान पर रखकर पूजा करें।

गिफ्ट में चांदी का गणेश जी मिलना

भगवान गणेश को विघ्नहर्ता और बुद्धि का देवता कहा जाता है। अगर किसी जातक को उपहार में चांदी के भगवान गणेश की मूर्ति मिलती है, तो इसका मतसब है कि इससे व्यक्ति को जल्द सफलता मिलने वाली है और सभी समस्याओं से भी छुटकारा मिलने वाला है। इसे अपने ऑफिस डेस्क पर रखना शुभ माना जाता है।

गिफ्ट में चांदी की कलम मिलना

अगर किसी व्यक्ति को गिफ्ट में चांदी की कलम मिले, तो इसे अपने स्टडी टेबल पर रखें। कलम ज्ञान और बुद्धि की प्रतीक मानी जाती है। इससे व्यक्ति को कार्यक्षेत्र में जल्द ही सफलता मिलती है।

कच्चे आम की ऐसी चटनी आपने कभी खाई नहीं होगी

यदि आपको भी चटाकेदार भोजन करना पसंद है तो अपने खाने के साथ आम की चटनी तैयार करें। खट्टे आम की चटनी बनाने के लिए सबसे पहले तो कच्चे आम को अच्छी तरह से धोकर उसे छील लें। छीलने के बाद इसकी गुठली निकालकर इसे छोटा-छोटा काट लें। जब कच्चे आम को छोटे टुकड़ों में काट लें तो उसके बाद हरा धनिया और पुदीना भी अच्छी तरह से धोकर उसे भी काट लें। इसके बाद हरी मिर्च को भी काट कर एक कटोरे में रख लें। ब सारा सामान रेडी हो जाए तो एक ब्लेंडर में सभी सामानों को डाल दें। इसके बाद इसमें स्वाद के अनुसार नमक, काला नमक, भुना जीरा और हींग डालें। अब थोड़ा सा पानी डालकर इसे मिक्सी में चला दें। जब ये पूरी तरह से ब्लेंड हो जाए तो मिक्सी को बंद करके चटनी को एक कांच के बाउल में निकाल लें। चटनी को तैयार करने के बाद आप इसका सेवन घर की बनी चाट के साथ कर सकते हैं।

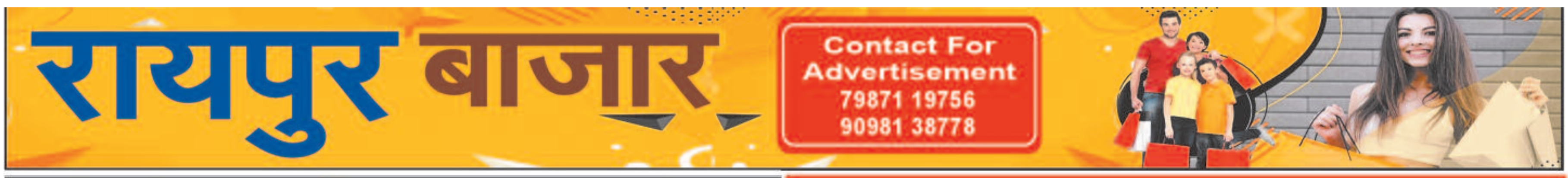

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

'टॉम्ब रेडर' के सेट पर सोफी टर्नर हुईं घायल, दो हफ्ते तक बंद रहेगी शूटिंग

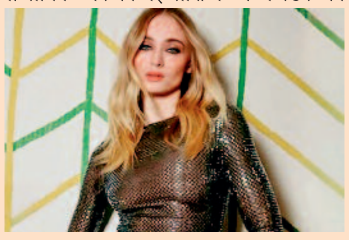

हॉलीवुड अभिनेत्री सोफी टर्नर को नई सीरीज 'टॉम्ब रेडर' की शूटिंग के दौरान चोट लग गई है। फिलहाल, सीरीज की शूटिंग को रोक दिया गया है। स्टूडियो ने बताया कि सोफी टर्नर को हाल ही में 'टॉम्ब रेडर' की शूटिंग के दौरान मामूली चोट लग गई है। उनकी सेहत का ध्यान रखते हुए 'टॉम्ब रेडर' की शूटिंग को कुछ समय के लिए रोक दिया गया है। शूटिंग करीब दो हफ्ते तक बंद रहेगी। लेकिन इस दौरान पूरे क्रू को उनका वेतन मिलता रहेगा। 'टॉम्ब रेडर' सीरीज अमेजन और एमजीएम स्टूडियोज मिलकर बना रहे हैं। इसमें सोफी टर्नर लारा क्रॉफ्ट की भूमिका निभा रही हैं। 'टॉम्ब रेडर' की शूटिंग मुख्य रूप से ब्रिटेन में हो रही है। 'टॉम्ब रेडर' एक मशहूर वीडियो गेम सीरीज पर आधारित है। पहले इस किरदार को एंजेलीना जोली और एलिसिया विकेंडर ने फिल्मों में निभाया था। अब पहली बार टीवी सीरीज में सोफी टर्नर लारा क्रॉफ्ट बन रही हैं। सीरीज की कहानी साहसी लारा क्रॉफ्ट के एडवेंचर पर आधारित है।

टॉलीवुड

'पेद्दी' की शूटिंग को लेकर फैंस के बीच सवालों का दौर, रिलीज का भी इंतजार

'पेद्दी' के मेकर्स ने राम चरण और बुची बाबू सना की सेट से तस्वीर शेयर करते हुए बताया है कि इस फिल्म की शूटिंग कितने दिनों में पूरी होगी। इसमें जान्हवी कपूर हैं। राम चरण अभिनीत 'पेद्दी' 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक बन गई है। इस फिल्म में जाह्नवी कपूर और जगपति बाबू भी अहम भूमिकाओं में हैं। जब से इस फिल्म की घोषणा हुई है, तब से फैंस इसके बारे में चर्चा कर रहे हैं। टीम ने हाल ही में 'पेद्दी' की एक झलक जारी की, जिसमें राम चरण एक बिल्कुल ही अलग अंदाज में नजर आए। दुनिया भर के दर्शकों से इसे जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। हाल ही में फिल्म निर्माताओं ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि यह फिल्म इसी साल जून में रिलीज होगी। हालांकि, इसकी सटीक तारीख की घोषणा जल्द ही की जाएगी। फिल्म निर्माताओं ने हाल ही में सेट से निर्देशक बुची बाबू सना और राम चरण के साथ एक सेल्फी पोस्ट की, जिससे फैंस का उत्साह और भी बढ़ गया। इस बीच मेकर्स ने बताया है कि पूरा प्रोजेक्ट महज छह दिनों में ही पूरा हो जाएगा। इस तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा गया है कि 'पेद्दी के सेट से मेगा पावर स्टार राम चरण और बुची बाबू सना। फिल्म की पूरी शूटिंग अगले 6 दिनों में पूरी हो जाएगी। जून में इसकी रिलीज होगी।'

फिल्म का पहला गाना 'चिकिरी चिकिरी' हाल ही में रिलीज हुआ था। रिलीज होते ही यह गाना चर्चा का विषय बन गया। ए. आर. रहमान के जादुई संगीत के दम पर इसने श्रोताओं का दिल जीत लिया। अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर इसे अब तक 200 मिलियन से ज्यादा बार देखा जा चुका है। बुची बाबू सना की फिल्म 'पेद्दी' में राम चरण मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ शिव राजकुमार, जाह्नवी कपूर, दिव्येंदु शर्मा और जगपति बाबू भी नजर आएंगे।

भोजपुरी

पवन का नया गाना 'छिल देबू का' रिलीज होते ही छाया, धड़ाधड़ कटे रील्स

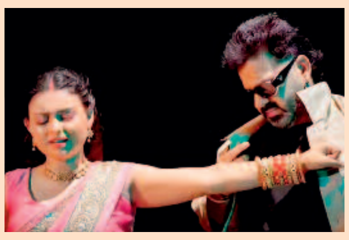

भोजपुरी कलाकार पवन सिंह का एक और नया गाना आ चुका है। उनके कई सारे गानों की तरह ये भी रिलीज होते ही सुपरहिट होने की राह पर निकल चुका है। फैंस खूब वीडियो भी शेयर कर रहे हैं।

भोजपुरी संगीत जगत के पावर स्टार पवन सिंह एक बार फिर अपने नए धमाकेदार गाने 'छिल देबू का' के साथ चर्चा में हैं। गाना रिलीज होते ही सोशल मीडिया और यूट्यूब पर तेजी से वायरल हो गया है और दर्शकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। इस गाने में पवन सिंह के साथ गायिका ख़ुशी कक्कर की आवाज ने खास रंग भरा है, जिसे फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। गाने को लेकर पवन सिंह ने कहा कि उन्होंने हमेशा दर्शकों की पसंद को ध्यान में रखकर गाने गाए हैं और यह गाना भी उसी कड़ी का हिस्सा है। उनके अनुसार, 'छिल देबू का' एक ऐसा ट्रैक है जिसमें एनर्जी, रोमांस और मनोरंजन का जबरदस्त मेल देखने को मिलेगा।

पवन सिंह ने बताया कि इस गाने की खास बात इसकी धुन और बोल हैं, जो सीधे लोगों के दिल तक पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि जब भी कोई गाना बनाते हैं तो कोशिश रहती है कि उसमें भोजपुरी संस्कृति की झलक हो और दर्शकों को नया अनुभव मिले। इस गाने में खुशी कक्कड़ की आवाज़ ने भी चार चांद लगा दिए हैं, जिससे गाना और भी आकर्षक बन गया है। उन्होंने आगे कहा कि आज के दौर में सोशल मीडिया और यूट्यूब पर दर्शकों की प्रतिक्रिया बहुत मायने रखती है, और 'छिल देबू का' को मिल रहा प्यार यह साबित करता है कि दर्शक अभी भी अच्छे और एनर्जेटिक गानों को पसंद करते हैं। पवन सिंह ने अपने फैंस का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनके समर्थन के बिना कोई भी कलाकार आगे नहीं बढ़ सकता। आरवीएफ यूट्यूब चैनल से रिलीज इस गाने के बोल आशुतोष तिवारी और निक्की निहाल ने लिखे हैं, जबकि संगीत प्रियांशु सिंह ने दिया है।

पिछले महीने मुंबई में हुए फैशन वीक-2026 ने यह साबित कर दिया कि अब रोजमर्रा के पहनने लायक फैशन का दौर चल रहा है। फैशन डिजाइन काउंसिल ऑफ इंडिया के साथ मिलकर, चार दिनों तक चले रनवे शो में 30 से ज़्यादा डिज़ाइनरों को एक मंच पर इकट्ठा किया गया। हालांकि इस इवेंट को अभी शायद उतना वैश्विक ध्यान न मिला हो जितना हाल के अंतरराष्ट्रीय फैशन वीक्स को मिला है, फिर भी यह देश के सबसे महत्वपूर्ण फैशन मंचों में से एक बना हुआ है। इस सीज़न में, ज़ोर भव्यता से हटकर ऐसे कपड़ों पर आ गया जो रोज़मर्रा की अलमारी के लिए ज़्यादा प्रासंगिक लगते हैं।

रोजमर्रा का फैशन

लाइफ स्टाइल

बालों में मेहंदी लगाने के बाद रूखेपन से हैं परेशान, तो अपनाएं ये घरेलू उपाय

अगर आप भी बालों में मेहंदी लगाते हैं तो बालों को खराब होने से बचाने के लोए उन्हें नरिश करना चाहिए। इसलिए बालों में केवल मेहंदी लगाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि मेहंदी लगाने के बाद डीप कंडिशनरिंग भी करनी होगी। बालों में मेहंदी लगाने के बाद कैसे दें बालों को नरिशमेंट और बनाएं मुलायम व सिल्की, यह आपको जानना चाहिए।

मिलाएं आंवला पाउडर और दही

मेहंदी लगाते समय ही आप बालों के डीप कंडिशनिंग का ख्याल रख सकते हैं। इसके लिए मेहंदी में आंवला पाउडर मिला लीजिए। इसमें दही या अंडे में से कोई एक चीज भी मिलाएं। इस तरह से मेहंदी लगाने से बालों में रूखापन नहीं आता। वैसे मेहंदी में आंवले का तेल या बादाम का तेल भी मिला सकते हैं।

बालों में लगाएं दही का पैक

मेहंदी लगाने से बालों के रूखेपन को दूर करने के लिए दही का उपयोग करें। दही बालों के लिए रामबाण है, रूखेपन के अलावा बालों से डैंड्रफ को भी निकालता है। बालों में दही लगाने के लिए सबसे पहले एक कटोरी दही में दो चम्मच ऑलिव ऑयल या नारियल का तेल मिला लें। फिर नींबू की कुछ बूंदें डालकर मिला लें। अब दही का ये मिश्रण बालों पर करीब आधा घंटा लगाकर छोड़ दें। बाद में माइल्ड शैंपू से बालों को अच्छे से धो लें। मुलायम बालों के लिए आप केले का हेयर पैक भी बना कर लगा सकते हैं। इसे बनाना आसान है। सबसे पहले एक केला, एलोवेरा और दो चम्मच कोई भी हेयर ऑयल लेकर मिक्सर में डालकर बारीक पेस्ट बना लें।

रॉयल लुक के लिए अपने कलेक्शन में शामिल करें इन रंगों के कपड़े भी

जैसे-जैसे साल बदलते हैं, उसी हिसाब से फैशन भी बदलता रहता है। ऐसे में सबसे बड़ी परेशानी उन लोगों के सामने आ खड़ी होती है, जो हमेशा ट्रेंड के हिसाब से ही कपड़े पहनते हैं। चाहे पार्टी हो या फिर ऑफिस जाना हो, उनका अंदाज हमेशा हटकर ही होता है।

अगर आप भी उन्हीं लोगों में शामिल हैं और आपको कंफ्यूजन है, कि किन रंगों के कपड़े आपको रॉयल लुक देंगे तो ये लेख आपके लिए है। आपको बताएंगे, किस तरह से कपड़ों के पैटर्न के साथ-साथ आपको उनके रंगों पर भी खास ध्यान रखना चाहिए। अगर आप अपने कपड़े के रंगों का ध्यान रखेंगी तो आपका लुक हमेशा क्लासी और रॉयल दिखेगा।

दरअसल, कुछ रंग ऐसे होते हैं, जो देखने में ही काफी क्लासी लगते हैं और उन्हें पहनकर लुक काफी रॉयल दिखता है। ऐसे में अगर आप भी रॉयल लुक कैरी करना चाहती हैं तो अपने कलेक्शन में इन रंगों के कपड़ों को जरूर शामिल करें। ये आपको खूबसूरत दिखने में मदद करेंगे।

पेस्टल रंग: इस तरह की साड़ियां आजकल काफी चलन में हैं। अगर बात करें पेस्टल रंगों की तो ये रंग पहनकर आप अपना रॉयल अंदाज दिखा सकती हैं। पेस्टल रंग में आपको सूट से लेकर साड़ी तक आसानी से मिल जाएंगे।

रॉयल ब्लू: ये एक ऐसा रंग है, जो हर किसी पर जचता है। ऐसे में इसका ट्रेंड कभी पुराना नहीं होता। यही वजह है कि हर किसी को रॉयल ब्लू रंग का आउटफिट पसंद आता है। अगर आपके पास इस रंग के कपड़े नहीं हैं, तो आज ही इसे अपने कलेक्शन में शामिल करें।

एमरॉल्ड ग्रीन: हरे रंग का ये शेड काफी डार्क होता है। ज्यादातर लोग इसे शादी-विवाह के समय पहनना पसंद करते हैं। इस रंग के साथ लाइट मेकअप भी क्लासी लगता है।

भीषण गर्मी के मौसम में पहनें इस तरह के सूट, मिलेगी राहत

अप्रैल का महीना लगते ही गर्मियों का मौसम तूफानी रूप दिखा रहा है। इस मौसम में लोग अपने खाने-पीने से लेकर पहनावे तक में बदलाव करते हैं। अगर ये बदलाव न किया जाए तो कई तरह की शारीरिक समस्याएं उत्पन्न होने लगती हैं। गर्मी के इस मौसम में लोग ऐसे कपड़े पहनना पसंद करते हैं, जो शरीर को राहत पहुंचाएं। इस मौसम में ज्यादातर लोग कॉटन, लिनन, और रेयॉन के कपड़े ही पहनना पसंद करते हैं। इन कपड़ों को पहनने के बाद आपको किसी तरह की परेशानी नहीं होती है। लड़के तो गर्मी के अनुसार टीशर्ट और जींस पहन लेते हैं, लेकिन लड़कियों को कपड़े पहनने से पहले कई बार सोचना पड़ता है। अगर आपको सूट पहनना पसंद है, तो हम आपको सूट के कुछ ऐसे डिजाइन दिखाने जा रहे हैं, जो गर्मी के मौसम के लिए परफेक्ट हैं। इस तरह के सूट पहनकर आप कंफर्टेबल भी रहेंगी और आपका स्टाइल भी खूबसूरत दिखेगा।

गर्मी के इस मौसम में अगर आप इस तरह की शिफॉन का अनारकली सूट पहनेंगी, तो आपका लुक बेहद खूबसूरत लगेगा। इसके साथ आप व्हाइट रंग की लैगिंग्स कैरी कर सकती हैं। गर्मी का मौसम है तो आप अपने बालों को बाँध भी सकती हैं।

अगर किसी कार्यक्रम में शामिल होना है, तो आप इस तरह का सिल्क का शरारा कैरी कर सकती हैं।

मस्कारा के बिना ऐसे संवारे अपनी आंखें

आप भी अपने चेहरे को खूबसूरत बनाने के साथ-साथ पलकों को भी घना बनाने का कई प्रयास करती हैं, तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं हैं। आज हम आपको इस खबर के जरिए एक ऐसे खास उपाय के बारे में बताएंगे, जिसे आजमाकर आप अपनी पलकों को अट्रैक्टिव और सुन्दर बना सकती हैं। अधिकतर महिला अपने चेहरे को खूबसूरत बनाने के लिए मेकअप जरूर करती हैं। अगर आप भी अपने चेहरे को खूबसूरत बनाने के लिए मेकअप करती हैं, तो अब आपको पलकों के लिए मस्कारा इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। आज हम आपको इस खबर के जरिए बताएंगे, कि कैसे आप मस्कारा का इस्तेमाल किए बिना ही अपनी आईलैशेस को खूबसूरत और घनी बना सकती हैं। आइए जानते हैं एक्सपर्ट से इस खास उपाय के बारे में।

आईलैशेस ग्रोथ के लिए आसान टिप्स

सेलिब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट और ब्यूटी एक्सपर्ट रेनू माहेश्वरी ने बताया कि अधिकतर महिलाएं घनी पलके पाने के लिए कई प्रयास करती हैं। वे अपनी पलकों को खूबसूरत बनाने के लिए मस्कारा और नकली आईलैशेस का भी शामिल करती हैं। अगर आप भी पलकों को खूबसूरत बनाना चाहती हैं, तो अब मस्कारा नहीं 2 खास उपाय आजमा सकती हैं।

विटामिन ई ऑयल का करें इस्तेमाल

आप अपनी पलकों को खूबसूरत बनाने के लिए घर पर रहकर विटामिन ई ऑयल का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए आप एक कॉटन की मदद से थोड़ा आयल लें और इसे पलकों पर अच्छी तरह लगा लें। यह ऑइल आपकी पलकों को खूबसूरत, घना और अट्रैक्टिव बनाने में मदद करेगा।

ओलिव ऑयल का करें इस्तेमाल

इसके अलावा आप अपनी पलकों को खूबसूरत और अट्रैक्टिव बनाने के लिए ओलिव ऑयल का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। इसे भी आप कॉटन की मदद से अपनी पलकों पर लगाएं। आप हर एक दिन छोड़कर रात में सोने से पहले अपने चेहरे को साफ पानी से धो लें। उसके बाद अपनी पलकों पर हल्के हाथों से इसे लगाएं।

कार्नर न्यूज

बिना सोचे-समझे बालों में रिबॉंडिंग कराना होता है गलत, पहले करें विचार

बालों में रिबॉन्डिंग कराना चाहते हैं तो पहले इन बातों को जान लें, निखर जाएगा लुक और मिलेगा बेस्ट रिजल्ट

पुरुष भी अब रिबॉन्डिंग कराते हैं और कई दफा बिना सोचे-समझे भी करा लेते हैं। लेकिन रिबॉन्डिंग एक ऐसा ट्रीटमेंट है जिसको कराने से पहले हेयर केयर टिप्स जरूर आजमा लेने चाहिए।

इन टिप्स के बिना रिबॉन्डिंग का बालों पर असर अच्छा नहीं होगा और इस महंगे ट्रीटमेंट को कराकर आप सिर्फ पछताएंगे ही। इसलिए रिबॉन्डिंग कराने से पहले इन कुछ बातों को ध्यान कर लीजिए।

नुकसान के लिए रही तैयार

रिबॉन्डिंग के बाद बाल सीधे और फ्रिज फ्री हो जाते हैं। लेकिन इस ट्रीटमेंट के नुकसान भी हो सकते हैं। इससे बाल कमजोर हो सकते हैं। इसलिए एक्सपर्ट की राय के बाद ही इस ट्रीटमेंट के लिए आगे बढ़ें।

टच अप हो जाता है जरूरी

रिबॉन्डिंग में बाल हमेशा ही सीधे रहते हैं, ऐसा एक्सपर्ट कहते हैं और ये सही भी है लेकिन। ये बात नए निकले बालों के लिए सही नहीं है।

नए निकलने वाले बालों के लिए आपको टच अप कराना होगा जो आपके बालों को कमजोर करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। इसलिए सोच समझ कर ही ये ट्रीटमेंट लें.

महंगे प्रोडक्ट पर खर्चा

रिबॉन्डिंग से होने वाले नुकसान से बचने के लिए ही महंगे प्रोडक्ट इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती है। इन महंगे प्रोडक्ट को इस्तेमाल करने के लिए खूब खर्चा करना होगा। इसके लिए भी तैयार रहिए।

72 घंटे वाला नियम

रिबॉन्डिंग कराने के बाद 72 घंटे वाला नियम भी लागू हो जाता है। दरअसल ट्रीटमेंट को बालों पर अच्छे से असर करने के लिए अगले 72 घंटे बालों को धोना नहीं होता है। ये बहुत जरूरी नियम है।